मा० कांशीराम राजकीय महाविद्यालय
सद्दीकनगर गाज़ियाबाद
तमसो मा ज्योतिर्गमय

अभिव्यक्ति

संस्करण 2023-24

संपादक मंडल

दाएं से बांए : डॉ. प्रियंका, डॉ. श्वेता शर्मा, डॉ. निधि शुभानंद, डॉ. ज्योति यादव, प्रो. (डॉ.) संगीता गुप्ता (प्राचार्या), डॉ. राजीव वर्मा, डॉ. दीपक कुमार, डॉ. विनोद कुमार,

कार्यालय परिवार

(दाएं से बांए) : श्री अनुज यादव, प्रो. (डॉ.) संगीता गुप्ता (प्राचार्या), श्री अवधेश कुमार, श्री सोनू कुमार

Abhivyakti

अभिव्यक्ति

संस्करण 2023-24

मा. कांशीराम राजकीय महाविद्यालय

Quality Higher Education For All

सद्दीकनगर, नन्दग्राम, गाज़ियाबाद (उ०प्र०)-201003

सम्पर्क-सूत्रः 0120-2772944

वेबसाईटः www.mkrgc.in, ई-मेलः info@mkrgc.in

तमसो मा ज्योतिर्गमय

प्रधान सम्पादक

डॉ. ज्योति यादव

संरक्षक

प्रो.(डॉ.) संगीता गुप्ता

प्राचार्या

सह सम्पादक

1. डॉ. राजीव वर्मा
2. डॉ. निधि शुभानंद
3. डॉ. श्वेता शर्मा
4. डॉ. प्रियंका
5. डॉ. विनोद कुमार
6. डॉ. दीपक कुमार

छात्र सम्पादक

तानिया वर्मा (बी.ए.III)

चांदनी (बी.ए.III)

सुहैब (बी.एस.सी.I)

अनुष्का पाल (बी.कॉम I)

पत्रिका में प्रकाशित लेखन सामग्री की मौलिकता एवं प्रामाणिकता का उत्तरदायित्व स्वयं लेखक का होगा, उनसे प्रकाशकीय एवं सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

सरस्वती वंदना

जय जगदीश्वरी माता
सरस्वती शरणागत प्रतिपालनहारी।
चंद्र बिम्ब सम वदन विराजे
शीश मुकुट गल माला धारी।
वीणा वाम अंग में शोभे
सामगीत ध्वनि मधुर पियारी।।
जय जगदीश्वरी
श्वेत वसन कमलासन सुंदर
संग सखि शुभ हंस सवारी।
ब्रह्मानन्द मैं दास तुम्हारो
दे दर्शन परब्रह्म दुलारी।।
जय जगदीश्वरी

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

राजभवन
लखनऊ - 226027

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि मा0 कांशीराम राजकीय महाविद्यालय, सद्दीकनगर, नन्दग्राम, गाजियाबाद द्वारा अपनी वार्षिक पत्रिका **'अभिव्यक्ति'** का प्रकाशन किया जा रहा है।

महाविद्यालय की पत्रिकाएं संस्थान की उपलब्धियों को दर्शाने के साथ–साथ छात्र–छात्राओं में साहित्यिक एवं रचनात्मक प्रवृत्ति को विकसित करने के उद्देश्य से प्रकाशित की जाती है। मुझे विश्वास है कि यह पत्रिका विद्यार्थियों के मार्गदर्शन में उपयोगी सिद्ध होगी।

पत्रिका **'अभिव्यक्ति'** के सफल प्रकाशन हेतु मैं हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करती हूँ।

आनंदीबेन

(आनंदीबेन पटेल)

प्रो० (डॉ०) संगीता गुप्ता,
प्राचार्या
मा. कांशीराम राजकीय महाविद्यालय
सद्दीकनगर, नन्दग्राम, गाज़ियाबाद (उ०प्र०)।

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

लोकभवन
लखनऊ - 226001

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि मान्यवर कांशीराम राजकीय महाविद्यालय, सद्दीकनगर, नन्दग्राम, गाजियाबाद द्वारा अपनी वार्षिक पत्रिका **'अभिव्यक्ति'** का प्रकाशन किया जा रहा है।

विद्यालय सारस्वत साधना के केन्द्र होते हैं, जहाँ नई पीढ़ी का निर्माण किया जाता है। शिक्षण संस्थाओं द्वारा प्रकाशित की जाने वाली पत्रिकाएं विद्यार्थियों को अपने विचारों को प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करने के साथ ही उनकी सृजनात्मक शक्ति को भी परिष्कृत करती है। इन पत्रिकाओं में संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियों का समावेश भी होता है। मुझे आशा है कि यह पत्रिका विद्यार्थियों की रचनात्मक अभिव्यक्तियों से परिपूर्ण होगी।

पत्रिका **'अभिव्यक्ति'** के उद्देश्यपरक प्रकाशन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(योगी आदित्यनाथ)

प्रो० (डॉ०) संगीता गुप्ता,
प्राचार्या
मा. कांशीराम राजकीय महाविद्यालय
सद्दीकनगर, नन्दग्राम, गाज़ियाबाद (उ०प्र०)।

कक्ष सं0-63बी/डी, मुख्य भवन
विधान भवन, लखनऊ।
दूरभाष - 2238051 (कार्या0)

योगेन्द्र उपाध्याय
उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश

संदेश

यह हर्ष का विषय है कि मा0 कांशीराम राजकीय महाविद्यालय, नन्दग्राम, गाज़ियाबाद द्वारा अपनी वार्षिक पत्रिका **'अभिव्यक्ति'** का प्रकाशन किया जा रहा है।

मेरी कामना है कि उच्च स्तर का शिक्षण, शोध एवं सकारात्मक गतिविधियों में यह महाविद्यालय अपनी गौरवशाली परम्परा की मज़बूत नींव के साथ नित नई ऊंचाइयाँ प्राप्त करें। मैं महाविद्यालय के सभी शिक्षकों एवं शिक्षार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुये आशा करता हूँ कि वे अपने श्रेष्ठ जीवन मूल्यों के साथ सामाजिक जीवन में उच्चतम शिखर पर पहुँचकर महाविद्यालय सहित प्रदेश व देश का नाम रोशन करेंगे।

मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि उक्त वार्षिक पत्रिका **'अभिव्यक्ति'** के प्रकाशन से छात्र–छात्राओं की वैचारिक क्षमता एवं रचनाशीलता को दिशा एवं दृष्टि प्राप्त होगी और उनकी विशिष्ट प्रतिभाओं को उभारने एवं सर्वांगीण विकास में यह पत्रिका उपयोगी सिद्ध होगी।

महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका **'अभिव्यक्ति'** के सफल प्रकाशन के लिये मेरी हार्दिक शुभकामनायें।

(योगेन्द्र उपाध्याय)

प्रो0 (डॉ0) संगीता गुप्ता,
प्राचार्या
मा. कांशीराम राजकीय महाविद्यालय
सद्दीकनगर, नन्दग्राम, गाज़ियाबाद (उ0प्र0)।

डॉ० अमित भारद्वाज
निदेशक, उच्च शिक्षा, उ०प्र०

उच्च शिक्षा निदेशालय उ०प्र०
सरोजनी नायडू मार्ग, प्रयागराज-211001
0532.2623874 (का०)
0532.2423919 (फैक्स)
ई.मेल : infodheup21@gmail.com

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि मा0 कांशीराम राजकीय महाविद्यालय सद्दीकनगर, नन्दग्राम, गाज़ियाबाद अपनी वार्षिक पत्रिका **'अभिव्यक्ति'** का प्रकाशन करने जा रहा है। महाविद्यालय स्तर पर प्रकाशित होने वाली पत्रिका का मुख्य उद्देशय शिक्षण संस्थान के विभिन्न घटकों–विद्यार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों, भूतपूर्व छात्रों एवं समाज के लोगों को महाविद्यालय द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयासों के बारे में अवगत कराना, उन्हें प्रेरित करना तथा समाज में सौहार्दपूर्ण वातावरण का निर्माण करना है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक उच्च शिक्षा संस्थान का यह भी दायित्व होता है कि वह अपने विद्यार्थियों को ऐसी संस्कारवान शिक्षा दे, जिससे कि वे अपने जीवन में रोजगार पाने के साथ–साथ श्रेष्ठ नागरिक भी बन सकें।

वार्षिक पत्रिका **'अभिव्यक्ति'** के सफल प्रकाशन हेतु मैं प्राचार्य, सम्पादक मण्डल, प्राध्यापकों एवं छात्र–छात्राओं को अपनी हार्दिक शुभकामनायें प्रेषित करता हूँ।

डॉ (अमित भारद्वाज)

प्रो० (डॉ०) संगीता गुप्ता,
प्राचार्या
मा. कांशीराम राजकीय महाविद्यालय
सद्दीकनगर, नन्दग्राम, गाज़ियाबाद (उ०प्र०)।

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय
मेरठ-250004 (उ0प्र0)

प्रोफेसर संगीता शुक्ला
डी0एस सी0
कुलपति

संदेश

जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि मा0 कांशीराम राजकीय महाविद्यालय, सद्दीकनगर, नन्दग्राम, गाजियाबाद द्वारा महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका **'अभिव्यक्ति'** का प्रकाशन किया जा रहा है।

किसी महाविद्यालय की पत्रिका महाविद्यालय द्वारा वर्ष भर में छात्र–छात्राओं के व्यक्तित्व के विकास के लिये आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के विहंगम वर्णन के माध्यम से विद्यार्थियों मे नयी उमंग एवं उत्साह का संचार करती है तथा उनकी सकारात्मक सक्रियता के संवर्द्धन महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

विश्वास है कि यह पत्रिका छात्र/छात्राओं की सृजनात्मक प्रतिभा के निखार का अवसर प्रदान करने के साथ–साथ ज्ञानोपयोगी लेखों का प्रचार–प्रसार करेगी। महाविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास की दिशा में किया जा रहा यह प्रयास सराहनीय है।

महाविद्यालय परिवार को पत्रिका प्रकाशन हेतु शुभकामनायें।

(संगीता शुक्ला)

प्रो0 (डॉ0) संगीता गुप्ता,
प्राचार्या
मा. कांशीराम राजकीय महाविद्यालय
सद्दीकनगर, नन्दग्राम, गाज़ियाबाद (उ0प्र0)।

संदेश

प्रिय विद्यार्थियों एवं पाठकों,

मुझे आप सभी का महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका **'अभिव्यक्ति'** के नवीनतम संस्करण में स्वागत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। यह पत्रिका न केवल हमारे महाविद्यालय के शैक्षणिक और सांस्कृतिक जीवन का प्रतिबिंब है, बल्कि हमारे विद्यार्थियों की सृजनशीलता, परिश्रम और अनुशासन का प्रतीक भी है।

इस वर्ष हमारे महाविद्यालय ने शिक्षा और चरित्र निर्माण के विभिन्न आयामों में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। विद्यार्थियों ने न केवल अपने शैक्षणिक लक्ष्यों को प्राप्त किया है, बल्कि नैतिक मूल्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व को भी बखूबी समझा है। महाविद्यालय का यह मंच उन सभी विद्यार्थियों के लिए है, जो अपनी प्रतिभा और विचारों को समाज के सामने प्रस्तुत करना चाहते हैं। यह पत्रिका आपको महाविद्यालय के विद्यार्थियों की लेखनी, कला, और विचारों की गहराइयों से परिचित कराएगी। मुझे गर्व है कि हमारे विद्यार्थी अपने कौशल और सामर्थ्य के साथ नई ऊँचाइयों को छूने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं।

मैं संपादकीय टीम और सभी योगदानकर्ताओं को उनके अथक प्रयासों के लिए धन्यवाद देती हूँ। इस पत्रिका के माध्यम से मैं आप सभी से यह आशा करती हूँ कि आप अपनी प्रतिभा को और निखारते हुए समाज और देश के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे।

सदैव आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए,

Sangeeta

प्रो० (डॉ०) संगीता गुप्ता,
प्राचार्या

Chief Proctor's Message

Dear Students and Readers,

It is my honour to address you in this edition of the College's Magazine, '**Abhivyakti**', a platform that reflects the vibrant academic and cultural life of our institution. As the Chief Proctor, I have had the unique opportunity to witness our students' growth, discipline, and perseverance over the past year.

At Manyavar Kanshiram Govt Degree College, Ghaziabad, education is not only about acquiring knowledge but also about shaping character. True success lies in the balance of academic excellence and personal integrity. Our campus is a place where ideas flourish, creativity thrives, and respect for one another forms the foundation of our values.

I am immensely proud of how our students have upheld these values, especially during times of challenge and change. Their dedication to learning and commitment to fostering a positive and inclusive campus environment are commendable.

This magazine is a testament to the intellectual and creative pursuits that exhibit our college spirit. It highlights the diversity of thought, talent, and perspective that makes Manyavar Kanshiram Govt Degree College, Ghaziabad, such a distinguished place. I encourage our students to continue striving for excellence while always maintaining a spirit of respect, responsibility, and compassion for their peers.

Congratulations to all the contributors and the editorial team for bringing this excellent edition to life. May this magazine inspire our students, not just as readers but as individuals committed to making a positive impact in our world.

Best wishes,

Dr. Jyoti Yadav

Editorial

Welcome to the latest edition of the college magazine **'Abhivyakti'**, a unique platform that captures our journey of growth and creativity as a college fraternity. Our college is not just a place of learning but a fraternity that thrives on passion, resilience, and innovation. These unique qualities accentuate our college spirit and unity, making our academic path truly inspiring.

In this edition, readers will find a rich blend of stories, essays, artwork, and reflections that showcase our students' immense talent and diversity and celebrate their remarkable achievements. From insightful articles on campus life and social issues to creative expressions in poetry, art, and science, this magazine is a testament to the dynamic energy that pulses through our halls. Each achievement is a source of pride and inspiration for our college fraternity.

Our editorial team has worked tirelessly to bring content that entertains, challenges, and inspires readers. Their efforts are the backbone of this magazine, and we hope these pages ignite curiosity, provoke thought, and remind readers of the incredible potential that lies within each of us.

I extend my heartfelt thanks to the Honourable Governor Smt. Anandiben Patel, Honourable Chief Minister Shri Yogi Adityanath Ji, Honourable Minister of Education Shri Yogendra Uppaddhya Ji, Director of Higher Education Dr Amit Bharadwaj Ji, Vice Chancellor Prof. Sangeeta Shukla Ji for enriching and embellishing our magazine with their invaluable good wishes and inspirational and encouraging messages.

I thank all the contributors, poets, and writers who shared their work and made this edition possible. Your voices are the heart of this magazine, and your contributions have added depth and diversity to our magazine.

I express my deep gratitude to our esteemed Principal Prof. (Dr) Sangita Gupta, for her kind and compassionate supervision and guidance, which shaped the college magazine with a unique perspective. She has played a significant role in making this edition a success, and for that, we are truly grateful.

Happy reading, and I wish everyone another year of learning, growth, and creativity. I also express my sincere gratitude to all our readers for their continued support and participation, which makes this magazine a true reflection of our college fraternity. I look forward to seeing more of students' contributions in the future as we continue to celebrate the diverse talents and achievements of our student community.

Warm Regards

(Dr. Jyoti Yadav)

अनुक्रमणिका

चिन्तामणि

1.	वर्तमान समय में युवाओं में नैतिक मूल्यों का पतन-एक नई समस्या	करण	01
2.	राष्ट्रीय मतदाता दिवस	खुशी	02
3.	सड़क सुरक्षा में युवकों की भूमिका	रितेश	03
4.	गणित	रोहित कुमार	04
5.	कोविड़-19 के भूले-बिसरे दिन	रजनी गौतम	04
6.	भारत एक महान देश	हर्ष कुमार	05
7.	राजनीति विज्ञान क्यों पसंद है	नैन्सी	06
8.	संगीत की रोगोपचारक शक्ति	नाजिया	07
9.	शीर्षक:विकसित@2047: भारत का निर्माण	नंदनी त्यागी	08
10.	दैनिक जीवन और रसायन	भारती	09
11.	रसायन विज्ञान	निशा	10
12.	मोबाइल:यवाओं के लिए हानिकारक	रितेश कुमार	12
13.	चुनाव क्यों महत्वपूर्ण है?	नैन्सी	13
14.	जलवायु परिवर्तन:एक विप्लव	रजनी	14
15.	गज़ल	कनिष्का कुशवाह	14
16.	सूफी संगीत	सुहैल	15
17.	बायोटेक्नोलॉजी की परिभाषा	कविता	15

काव्य-पीयूष

18.	हर दिन हम मुस्कुराएगें	डॉ. ज्योति यादव	17
19.	कॉलेज के दिन	विकास मावी	17
20.	शिक्षक पर एक कविता	विकास मावी	17
21.	हमारा राष्ट्रीय कैडेट कोर	ले0 डॉ0 मीनू वार्ष्णेय	18
22.	जीव विज्ञान का पाठ	ऋषभ वशिष्ठ	18
23.	जीवन-शैली	रोहित सिंह	19
24	अध्यापक	रोहित, भूतपूर्व छात्र	19

Expressions

25.	The Melodies of Days	Dr. Jyoti yadav	20
26.	Animals Models Used in Science : A Critical Tool for Advancing Knowledge	Lt. (Dr.) Meenu Varshney	20
27.	Decoding Caffeine : The Chemistry Behind Your Daily Boost	Dr. Anu Mishra	21
28.	The Chemistry of Slime	Yasha Rani	23
29.	Ice Cream	Suhail	23
30.	Global Warming	Arya Sharma	24
31.	Ganga: A Lifeline for Indian	Harsh Kumar	25
32.	Embracing Democracy : Empowering Voices on Campus	Muskan Attrey	26
33.	Embracing Women: A Case Study on Enterpreneurship in India	Sumit Pal	27
34.	Some Fun Facts about Accounting	Shreya Tripathi	29
35.	Embracing the Journey : The Importance of College Life	Sahib Singh	30
36.	Digital India: Transforming the Nation through Technology	Ritesh Kumar	31
37.	Importance of Mathematics In Our Life	Bharti	33
38.	Exploring the Intersection of Science and Career : The B.Sc. Journey	Ashwani Garg	33
39.	Artificial Mathematics	Soniya Sharma	34
40.	Swachh Bharat Mission	Nancy	35
41.	Deepening the Understanding of Mental Well-Being	Aakansha Mudgal	36
42.	Apiculture Scientific Method of Rearing Honeybees	Neha	38
43.	What is Light Pollution	Shivani Sharma	39
44.	Biodiversity	Shivani Sharma	40
45.	Gir National Park	Suhail	41
46.	Hydrophonics	Yasha Rani	42
47.	Carbon Footprint	Nisha	43
48.	Her Mental Health	Bhumika Raj	45
49.	Embracing Present	Sakshi Tyagi	45
50.	My Most Inspiring Moment: The Power of Solitude	Aakansha Mudgal	46
51.	Most Inspiring Persons In Life-My Parents	Taniya Varma	47
52.	Restoring Earth, Building Resilience Against Desertification and Drought	Aakanksha Mudgal	47

समाचारिका

53. राष्ट्रीय सेवा योजना	डॉ० अनुमिश्रा डॉ० जितेन्द्र कुमार	50
54. राष्ट्रीय कैडेट कोर	ले० (डॉ०) मीनू वार्ष्णेय	52
55. रोवर्स रेंजर्स	डॉ० श्वेता शर्मा डॉ० भगत सिंह	52
56. स्पंदन (साहित्य सांस्कृतिक परिषद्)	डॉ० निधि शुभानन्द	54
57. पर्यावरण क्लब	डॉ० ज्योति यादव	55
58. The Shakespearean Council (Department of English)	डॉ० ज्योति यादव	56
59. राजनीति विज्ञान विभाग परिषद्	डॉ० राजीव वर्मा	57
60. इतिहास विभाग परिषद्	डॉ० श्वेता शर्मा	58
61. संगीत विभाग परिषद्	डॉ० भगत सिंह	59
62. गृह विज्ञान विभाग परिषद्	डॉ० प्रियंका	60
63. दर्शनशास्त्र विभाग परिषद्	वसीम मंसूर	61
64. हिन्दी विभाग परिषद्	विनोद कुमार	62
65. भौतिक विज्ञान विभाग परिषद्	डॉ० उपदेश वर्मा	63
66. कल्पवृक्ष (वनस्पति विज्ञान परिषद्)	डॉ० निधि शुभानन्द	64
67. गणित परिषद	उत्तम कुमार शर्मा	64
68. जन्तु विज्ञान विभाग परिषद्	ले० (डॉ०) मीनू वार्ष्णेय	65
69. रसायन विज्ञान विभाग परिषद्	डॉ० अनु मिश्रा	66
70. कॉमर्स विभाग परिषद्	डॉ० जितेन्द्र कुमार डॉ० दीपक कुमार	67
71. करियर काउंसलिंग एवं रोजगार प्रकोष्ठ	डॉ० निधि शुभानन्द	68
72. सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम	डॉ० विनोद कुमार डॉ० श्वेता शर्मा	68
73. आजादी का अमृत महोत्सव	डॉ० श्वेता शर्मा	72
74. मिशन शक्ति 4.0	ले० (डॉ०) मीनू वार्ष्णेय	72
75. क्रीडा परिषद्	उत्तम कुमार शर्मा	72
76. स्वीप	डॉ० राजीव वर्मा	74
77. सेफ सिटी परियोजना	ले० (डॉ०) मीनू वार्ष्णेय	75

चिन्तामणि

अनुभूति के द्वन्द्व से ही प्राणी के
जीवन का आरम्भ होता है।

(आचार्य रामचन्द्र शुक्ल)

वर्तमान समय में युवाओं में नैतिक मूल्यों का पतन-एक नई समस्या

नैतिक मूल्य क्या होते हैं?

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और इस नाते सदाचार के आचरण में होना ही नैतिक मूल्य कहलाते हैं।

नैतिक मूल्यों का महत्वः

किसी भी परिवार, समाज क्षेत्र, देश व दुनिया का विकास व प्रगति नैतिक मूल्यों पर टिकी है। इनका आधार जितना मजबूत होगा उसका परिणाम उतना ही सुखद होता है। इसके विपरीत नैतिक मूल्यों का ह्रास होना मानवता के लिए सर्वाधिक घातक है। उदाहरणः अपने थोडे से निजी स्वार्थ के लिए अपने कर्तव्यों से विश्वासघात करना नैतिक मूल्यों का पतन कहलाता है जैसे–रिश्वत देना व लेना, अपने स्वार्थ के कारण समाज, देश को हानि पहुँचाना है डूबते बैंक इसका उदाहरण है। लोग बैंको से ऋण लेते हैं किंतु चुकाते नहीं हैं।

नैतिक संकट क्यों पैदा होता हैः

1. ज्ञान का अभाव –सही और गलत को ना समझना अथवा गलत कार्यो को भी अपने स्वार्थ बुध्दि से सही मानकर अनैतिक, अनुचित कार्यो को करना तथा समर्थन देना कभी परंपराओं के नाम पर तो कभी रीति–रिवाज के नाम पर जैसे सती प्रथा जैसी कुरीति का पालन उस समय लोग अज्ञानतावश इस धारणा से करते रहे कि वह सामाजिक परम्पराओं का पालन कर रहें है पर वह मात्र अज्ञानता के अतिरिक्त कुछ नही था। जैसे ही कुछ विद्वानों, चिंतको, समाज सुधारको ने इस ओर प्रयास कर लोगों में चेतना जगाई और समाज से ऐसी कुरीतियां समाप्त हुई अर्थात सही गलत के अंतर को ना पहचानना व भेड़ चाल चलना भी समाज के लिए हानिकारक होता है।

2.धार्मिक कट्टरता : समाज में विशेष धर्म के प्रति कट्टरता के कारण अनैतिक कार्यो व धारणा को नैतिक मानकर स्वयं अनुचित कार्य करना व धारणा दूसरों को अनुचित कार्य व्यवहार के लिए उकसाना भी समाज को क्षति पहुँचाना है।

3.अनैतिक आचरण में रूचिः अधिकतर मनुष्यों को सही गलत का ज्ञान तो होता है किंतु अनैतिक अनुचित आचरण कार्य व्यवहार में स्वतः रूचि होने के कारण मनुष्य जानते हुए भी गलत कार्यो का ही चयन करता है। जैसेः दुर्योधन, उसे सही गलत का ज्ञान तो होता था किंतु गलत कार्यो में रूचि व जिद्द के कारण वह अनुचित कार्यो को ही करता था।

4. अभिवृत्ति का अभावः अर्थात सही गलत का ज्ञान होना व सही गलत में से दृढ़तापूर्वक सही मार्ग का अनुसरण व अमल कर अभिवृत्ति कहलाता है। उदाहरण रावण ज्ञानी तो था किंतु उसमें अभिवृत्ति का अभाव था। अर्थात उस ज्ञान पर अमल नहीं किया जिसके परिणाम स्वरूप उसके संपूर्ण कुल को हानि उठानी पड़ी।

5. आंतरिक ऊर्जा का अनुचित उपयोग करनाः जब मनुष्य अपनी आंतरिक ऊर्जा का उपयोग स्वार्थवश अनुचित मार्ग पर करता है कुटिल बुद्धि से अनीतिपूर्ण मार्ग को अपनाता है। जैसेः आतंकवादी करते हैं। अपने गलत इरादों को दृढ़तापूर्वक प्रारूप करते हैं व मानव जाति को हानि करते है।

इन सभी कारणों से नैतिक मूल्यों का ह्रास होता है व नैतिक संकट पैदा होता है।

प्रत्येक मनुष्य का यह कर्तव्य बनता है कि वह अनुचित कार्यो व नीतियों के खिलाफ आवाज अवश्य उठाए। अपने आसपास कुछ भी गलत होते देखें तो उसका विरोध आवश्य करें।

नैतिक उत्थान व नैतिक आचरण के लिए आवश्यक गुण आधार क्या हैं?

1. सत्यनिष्ठा। 2. अभिवृत्ति होनी चाहिए। 3. कर्तव्यों का बोध होना। 4. शिक्षा प्रणाली में सुधार की आवश्यकता। एवं 5. सुन्दर प्रेरणा

का होना आवश्यक है।
आधुनिक समय में नैतिक मूल्यों के संकट का कारण सद्जीवन की संकीर्ण धारणा को माना जा सकता है। यह धारणा भौतिकवाद और व्यक्तिवाद पर जोर देती है, जिससे दूसरों और व्यापक समुदाय के प्रति चिंता नहीं दिखाई देती है।

निष्कर्षः

आधुनिक समय में नैतिक मूल्यों का संकट एक जटिल मुद्दा है जिसके लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। सद–जीवन की व्यापक धारणा को बढ़ावा देकर, जो सामाजिक न्याय, पर्यावरणीय स्थिरता और सामान्य भलाई जैसे मूल्यों पर जोर देती है, और शिक्षा विनिमय, नैतिक उपभोक्तावाद, और समुदाय और सामाजिक आंदोलनो जैसे सक्रिय कदम उठाकर, हम इस संकट का अधिक समाधान कर सकते हैं और एक अधिक नैतिक और न्यायपूर्ण समाज का निर्माण कर सकते हैं।

करण, बी0ए0
प्रथम वर्ष

राष्ट्रीय मतदाता दिवस

प्रस्तावनाः भारत में राष्ट्रीय मतदाता दिवस हर साल 25 जनवरी को मनाया जाता है। यह दिन भारतवर्ष के प्रत्येक व्यक्ति के लिए अहम है। इस दिन देश के प्रत्येक व्यक्ति को अपने देश के प्रत्येक चुनाव में भाग लेने की प्रतिक्षा लेनी चाहिए क्योंकि देश के प्रत्येक नागरिक का मत ही देश के भविष्य की नींव बनाता है।

मतदान नागरिक का अधिकार है साथ ही यह एक कर्तव्य भी है। मतदान के माध्यम से हम अपने देश के भविष्य को आकार देते हैं। एक मतदान से सरकारें बदल सकती हैं देश का विकास हो सकता है और समाज में बदलाव आ सकता है।

मतदान का अधिकार एक मौलिक अधिकार है। यह अधिकार हमें संविधान द्वारा प्रदान किया गया है। मतदान के माध्यम से हम अपने देश प्रतिनिधियों का चुनाव करते हैं। ये प्रतिनिधि हमारी सरकार बनाते हैं और हमारे देश का शासन करते हैं। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने मताधिकार का प्रयोग करें और अपने देश के विकास में योगदान दें।

मतदान के माध्यम से हम अपने देश के भविष्य को आकार दे सकते हैं। हम यह तय कर सकते हैं कि हमारे देश में किस तरह की सरकार हो इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने मतदान का प्रयोग करें और देश के विकास में योगदान दें।
मतदान के माध्यम से हम देश के विकास में योगदान दे सकते हैं। एक अच्छे सरकार का चुनाव करने से देश का विकास होता है। देश में शांति और समृद्धि आती है। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने मतदान का प्रयोग करें और देश के विकास में योगदान दें।

मतदान के माध्यम से हम समाज में बदलाव ला सकते हैं। हम यह तय कर सकते हैं। कि हमारे देश में किस तरह का समाज हो। हम यह तय कर सकते हैं। कि हमारे देश में महिलाओं, बच्चों और दलितों के अधिकारों की रक्षा हो। इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने मतदान का प्रयोग करें और समाज में बदलाव लाएं।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के लिए सुझावः

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के महत्व को बढ़ाने के लिए निम्नलिखित सुझाव दिए जा सकते हैं। भारत निर्वाचन आयोग को मतदान के महत्व के बारे में जागरूकता अभियानों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रयास करने चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में मतदान के महत्व के बारे में शिक्षा को शामिल किया जाना चाहिए। मीडिया को मतदान के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद करने के लिए

प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

निष्कर्षः राष्ट्रीय मतदाता दिवस एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह एक ऐसा अवसर है। जब हम सभी नागरिकों को अपने मताधिकार के महत्व के बारे में जागरूक करते हैं। यह एक ऐसा दिन है जब हम सभी नागरिकों को अपने देश के विकास में योगदान देने को प्रेरित करते हैं।

इसलिए सभी नागरिकों को चाहिए कि वे अपने मताधिकार का प्रयोग करें और अपने देश के विकास में योगदान दें।

खुशी, बी.ए.
द्वितीय वर्ष

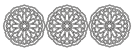

सड़क सुरक्षा में युवकों की भूमिका

सड़क दुर्घटना के कारण अनेक लोग हादसो का शिकार हो रहे हैं। 2022 के आकडों के अनुसार 1,68,491 लोगो की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। सड़क दुर्घटना में सबसे अधिक युवा वर्ग इसका शिकार हो रहा है। युवा अपने देश का भविष्य होता है और अपने परिवार का सहारा होता है। लेकिन उसकी एक लापरवाही से यहीं अपनी मौत का कारण बनता है।

अगर हमें सड़क दुर्घटना से निजात पाना है तो लोगों के अंदर नियम पालन करने की भवना जागरूक करनी होगी। लोगों को जागरूक करने में सबसे अधिक युवा वर्ग की भूमिका होगी। तो पहले हमें उन कारणों पर ध्यान देने की जरूरत है जिससे यह घटनाएं होती है। जैसे–तेज गति से गाड़ी चलाना, नशे की हालत में गाड़ी चलाना, अनुभवहीन होने के बाद भी गाड़ी चलाना और सड़क नियमों का पालन न करना यह सब सड़क दुर्घटना के मुख्य कारण हैं। लोगों के अंदर जागरूकता का अभाव न होने के कारण वह हादसे का शिकार हो रहें हैं।

अब हमें इन कारणों को जानने के बाद इसे दूर करेंगे और जो मौतें बेवजह हो रही हैं उसमें कमी हो या दुर्घटना मुक्त देश बने। युवकों द्वारा पहला प्रयास यह हो सकता है। कि वह लोगों के अंदर अनुशासन पालन करने कि भावना या आदत पैदा कर सकें जिससे वह सड़क पर आते समय नियमों का पालन करें। एक अनुशासन ही लोगों को नियमों का पालन करना सिखा सकता है। लोगों को हमें यह बताना होगा कि आप की एक लापरवाही से आपके साथ–साथ सड़क पर और भी यात्री जो सड़क पर होते है उनकी भी जान संकट में पड़ सकती है। यह जितने भी नियम है वह आप सुरक्षा के साथ–साथ सामने वाले की भी सुरक्षा करना है इसलिए सड़क पर आते समय सड़क नियमों का पालन करें।

हम लोग जागरूक करने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से भी लोगों को सड़क नियमों के बारे में बता सकते हैं। और उनसे अनुरोध कर सकते हैं कि इस सभी नियमों का पालन करें और खुद सुरक्षित रहें और आप भी लोगों को इन नियमों के बारें में बतायें। यह हर युवा का कर्तव्य है।

नशे के कारण भी सड़क हादसे में लोग अपनी जान गवाँ देते हैं इसलिए हर एक नागरिक का यह कर्तव्य है कि नशे से मुक्त भारत देश बनायें ताकि सड़क हादसों के साथ–साथ इससे हो रही बीमारी के कारण जो मौते हो जाती है। उसे कम कर सकें। इस सूचना को हम लोगों को पूरे देश तक पहुँचाना होगा।

इन हादसों में जिनकी मौतें होती हैं बस लापरवाही के कारण होती है, तो क्यों न इन सभी कारणों को दूर करें और पूरे भारत में इसे प्रचार करें इसके लिए हमें पत्रिका के माध्यम से भी लोगों तक पहुँचा सकते हैं।

अंत में मैं आशा करता हूँ कि आप लोग इन हादसों की गंभीरता को समझते हुए,

इन हादसों के कारणों को दूर करेंगें और लोगों को जागरूक करने में हमारा साथ देंगें हम मिल कर दुर्घटना मुक्त भारत बनाएंगें।

रितेश कुमार, बी.ए.
द्वितीय वर्ष

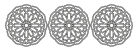

गणित

1. 0 से 1000 तक की संख्या में 1000 एक ऐसा अंक है जिसकी स्पेलिंग में "A" है।
2. 0 ही इकलौता ऐसा अंक है जिसके लिए रोमन संख्या में कोई अंक नहीं है।
3. प्रत्येक ओड नंबर में एक ई होता है।
4. अधिकांश मैथमेटिकल सिंबल के आविष्कार से पहले लोग इक्वेशंस को संख्याओं में लिखते थे।
5. महान भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती के उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष 22 दिसंबर को राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया जाता है।
6. 40 इकलौता ऐसा अंक है जिसकी स्पेलिंग वर्णक्रमानुसार लिखी है।
7. 2520 एक ऐसा सबसे छोटा नंबर है जो 1 से 10 तक के सभी नम्बरों से पूरा डिवाइड हो सकता है।
8. प्राचीन यंत्र आविष्कार के आधार पर आज के कैल्कुलेटर का आविष्कार हुआ है।
9. सबसे बड़ा प्राइमरी नंबर 2 करोड़ 20 लाख अंको से भी बड़ा है।
10. ग्रीक गणितज्ञों जैसे पाइथागोरस यूक्लिड़ और आर्किमिडीज की खोज आज भी गणितीय अध्यापन में उपयोग की जाती है।
11. शब्द Hundred दूसरे शब्द Hundrath से लिया गया है जिसका मतलब 120 होता है।
12. 21978 को 4 से गुणा करने पर उत्तर इस संख्या का उल्टा 87912 आयेगा।
13. भारत में सबसे पहला गणितज्ञ आर्यभट को माना जाता है।
14. शब्द एलजेबरा अरबी शब्द जबर से आया है जिसका अर्थ है टूटे हुए हिस्सों का पुनर्मिलन।
15. इंफिनिटी सिंबल का प्रयोग पहली बार 5बीं शताब्दी ईसा पूर्व में प्राचीन यूनानियों द्वारा किया गया था।
16. 1700 के दशक से गणित में पाई के प्रतीक का उपयोग किया जाता रहा है।
17. ग्राफ थ्योरी का आविष्कार करने का श्रेय गणितज्ञ लियोनहाई युल्ट को दिया जाता है।

रोहित कुमार, बी.एस.सी
प्रथम वर्ष

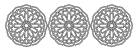

कोविड-19 के भूले-बिसरे दिन

कोविड–19 महामारी ने संपूर्ण विश्व को हिला कर रख दिया था। यह ऐसा समय था जब मानवता ने अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना किया। आज, जब हम उस समय को पीछे मुड़कर देखते हैं, तो हमें याद आता है कि कैसे यह वैश्विक संकट हमारे जीवन के हर पहलू को प्रभावित कर गया। हालांकि अब हम उस संकट से उबर चुके हैं, लेकिन उन दिनों की यादें हमारे मन में सजीव है।

महामारी की शुरूआत और भय का माहौलः

कोविड–19 की शुरूआत 2019 के अंत में चीन के वुहान शहर से हुई। यह वायरस इतनी तेजी से फैलने लगा कि कुछ ही महीनों में इसने वैश्विक महामारी का रूप ले लिया। देश–विदेश में लोग भयभीत थे, अस्पतालों में भीड़ थी, और जीवन रूक सा गया था। लॉकडाउन, क्वारंटाइन और सोशल डिस्टेंसिंग जैसे शब्द हमारे जीवन का हिस्सा बन गए थे।

लॉकडाउन और उसके प्रभाव

लॉकडाउन के कारण जीवन ठहर सा गया। सड़कों पर सन्नाटा था, स्कूल, कॉलेज, कार्यालय सब बंद थे। हर किसी को घर में रहने की हिदायत दी गई थी। इस दौरान आर्थिक गतिविधियाँ ठप हो गईं और मजदूरों को सबसे ज्यादा कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। अनेक लोग अपनी नौकरी खो बैठे और भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गई।

स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की चुनौतियाँः

इस महामारी ने स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की सीमाओं को भी उजागर किया। अस्पतालों में बिस्तरों की कमी, वेंटिलेटर्स की कमी और दवाओं की अनुपलब्धता ने स्थिति को और भी गंभीर बना दिया। डॉक्टर और नर्सें अपने जीवन को खतरे में डालकर दिन–रात मरीजों की सेवा में लगी रहीं। इस दौरान हमने देखा कि कैसे मानवता की सेवा में लगे लोग असाधारण प्रयास करते हैं।

मानवता की सेवा और सहयोगः

इस संकट के समय में अनेक उदाहरण देखने को मिले जहाँ लोगों ने मानवता की सेवा की। स्वयंसेवी संगठन, सामाजिक कार्यकर्ता और आम लोग आगे आए और जरूरतमंदो की मदद की। भोजन वितरण, मास्क निर्माण और आर्थिक सहयोग जैसे कार्यों ने यह साबित किया कि संकट के समय मानवता एकजुट होकर काम कर सकती है।

वैक्सीन का विकास और राहतः

2020 के अंत तक वैक्सीन का विकास एक महत्वपूर्ण उपलब्धि थी। वैक्सीन आने के बाद लोंगों में उम्मीद जगी और जीवन धीरे–धीरे सामान्य होने लगा। टीकाकरण अभियान ने महामारी पर नियंत्रण पाने में अहम भूमिका निभाई।

भविष्य के लिए सीखः

कोविड–19 महामारी ने हमें कई महत्वपूर्ण सीख दी है। सबसे प्रमुख है स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत बनाना और हर संभव तैयारियाँ करना ताकि भविष्य में ऐसी किसी भी महामारी का सामना किया जा सके। इसके अलावा, यह महामारी हमें यह भी सिखा गई कि हम एक–दूसरे के बिना अधूरे हैं और संकट के समय एकजुटता और सहयोग की आवश्यकता होती है।

रजनी गौतम, बी.ए.
द्वितीय वर्ष

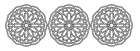

भारत एक महान देश

भारत एक महान देश है, जो अपनी अद्वितीय सांस्कृतिक धरोहर, विविधता और गौरवशाली इतिहास के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। यहाँ की विशेषताएँ और विविधताएँ इसे विशेष बनाती हैं, जो इसे अन्य देशों से अलग और विशेष स्थान प्रदान करती हैं। सबसे पहले भारत की सांस्कृतिक धरोहर पर ध्यान देना आवश्यक है। यहाँ की संस्कृति विश्व की सबसे प्राचीन संस्कृतियों में से एक है। भारतीय संस्कृति में अनेक परम्पराएँ, धर्म, कला और साहित्य शामिल हैं, जो इसे समृद्ध और विविधतापूर्ण बनाती हैं। वेद, उपनिषद, महाभारत, रामायण जैसे ग्रंथ भारतीय संस्कृति के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। भारत की विभिन्न भाषाएँ, नृत्य शैलियाँ, संगीत और त्यौहार इसे और भी रंगीन बनाते हैं।

भारत की धार्मिक विविधता भी इसे महान बनाती है। यहाँ हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन, पारसी और यहूदी धर्म के अनुयायी शांति और सदभाव से रहते हैं। इस धार्मिक सहिष्णुता और भाईचारे का उत्कृष्ट उदाहरण भारत ही है, जहाँ विभिन्न धार्मिक स्थलों, पर्वों और रीति–रिवाजों का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। भारत की भौगोलिक विविधता भी इसे विशेष बनाती है। यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता अद्वितीय है, जिसमें

हिमालय की उँचाइयाँ, गंगा–यमुना की पावन नदियाँ, राजस्थान के रेगिस्तान, केरल की हरियाली, और गोवा के समुद्र तट शामिल है। भारत की विविध भौगोलिक विशेषताएँ न केवल पर्यटकों को आकर्षित करती हैं, बल्कि यहाँ के लोगों के जीवन भी समृद्ध बनाती हैं।

भारत की आर्थिक और तकनीकी प्रगति भी उसकी महानता का प्रमाण है। आज भारत सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी देशों में से एक है। भारतीय वैज्ञानिक और इंजीनियर पूरे विश्व में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो ने भी अपने सफल अंतरिक्ष अभियानों से विश्वभर में भारत का नाम ऊचाँ किया है। भारत की लोकतांत्रिक प्रणाली भी इसकी महानता का एक महत्वपूर्ण पहलू है। यहाँ की लोकतांत्रिक प्रणाली ने विश्वभर में सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में एक मिशाल कायम की है। यहाँ की जनता को अपने प्रतिनिधियों को चुनने और अपने अधिकारों का प्रयोग करने की पूरी स्वतंत्रता है।

भारत की सामरिक शक्ति और रक्षा क्षमता भी उसे महान बनाती है। भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना विश्व की सबसे मजबूत सेनाओं में से एक है। उन्होने न केवल देश की सुरक्षा सुनिश्चित की है, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय शांति बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अंत में, भारत का महान होना उसके लोगों की उदारता, आतिथ्य और सहिष्णुता में निहित है। यहाँ के लोग अपनी परंपराओं और मूल्यों का पालन करते हुए भी आधुनिकता को अपनाते हैं।

संक्षेप में, भारत एक महान देश है, जो अपनी सांस्कृतिक, धार्मिक, भौगोलिक, आर्थिक और लोकतांत्रिक विविधता के लिए जाना जाता है। यहाँ की महानता केवल उसकी भौतिक संपदा में नहीं, बल्कि उसकी आत्मा और संस्कृति में बसी है। भारत की महिमा को शब्दों में समेटना कठिन है, लेकिन यह निश्चित है कि यह देश अपनी विशेषताओ के कारण विश्व के मानचित्र पर एक अनमोल रत्न के समान है।

हर्ष कुमार, बी.ए.
प्रथम वर्ष

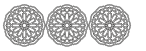

राजनीति विज्ञान क्यों पसंद है

राजनीति विज्ञान एक ऐसा विषय है जो मुझे हमेशा से ही आकर्षित करता है। इस विषय के प्रति मेरा लगाव कई कारणों से है। सबसे पहले, राजनीति विज्ञान हमें समाज की संरचना और कार्यप्रणाली को समझने में मदद करता है। यह जानना दिलचस्प होता है कि कैसे विभिन्न सरकारें काम करती हैं, कैसे नीतियां बनाई जाती हैं और उनका समाज पर क्या प्रभाव पड़ता है। दूसरा, राजनीति विज्ञान हमें ऐतिहासिक और वर्तमान घटनाओं को विश्लेषण करने की क्षमता देता है। उदाहरण के लिए, जब हम स्वतंत्रता संग्राम, विश्व युद्ध या हाल की चुनाव प्रक्रियाओं के बारे में पढ़ते हैं, तो हमें उन घटनाओं के पीछे के कारण और परिणामों को गहराई से समझने का मौका मिलता है। तीसरा, राजनीति विज्ञान हमें नागरिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक बनाता है। एक जागरूक नागरिक के रूप में, हमें अपनी सरकार और उसके कार्यों के बारे में जानकारी होनी चाहिए। यह विषय हमें वोट देने, सरकारी नीतियों पर सवाल उठाने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करता है।

इसके अतिरिक्त, राजनीति विज्ञान एक बहुआयामी विषय है जो अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, इतिहास और कानून जैसे कई अन्य विषयों के साथ जुड़ा हुआ है। यह इसकी अध्ययन प्रक्रिया को और भी रोचक और समृद्ध बनाता है। राजनीति विज्ञान का अध्ययन करने से हमें विविध दृष्टिकोणों को

समझने और विचारशील निर्णय लेने की क्षमता मिलती है।

अंत में राजनीति विज्ञान समाज में न्याय, समानता और शांति की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस विषय का अध्ययन करने से हमें न केवल अपने देश के बारे में बल्कि वैश्विक संदर्भ में भी सोचने की प्रेरणा मिलती है। यही कारण है कि राजनीति विज्ञान मेरा प्रिय विषय है। यह न केवल मेरे ज्ञान को समृद्ध करता है बल्कि मुझे एक बेहतर नागरिक बनने में भी मदद करता है।

नैन्सी, बी.ए.
द्वितीय वर्ष

संगीत की रोगोपचारक शक्ति

संगीत सिर्फ मनोरंजन का साधन ही नहीं है बल्कि एक ऐसी शक्ति है जो शरीर में प्रविष्ट होती है तो नाड़ियों तथा मस्तिष्क को प्रभावित करती है। प्राचीन काल से ही संगीत के द्वारा मनुष्य अपने मनोभावों को व्यक्त करता है। जन्म के समय बच्चे के पास भाषा नहीं होती, वह स्वरों के उतार चढ़ाव द्वारा स्वयं को व्यक्त करता है। संगीत की भाषा विश्व भाषा है जिसमें ध्वनियों में निहित भाव मनुष्य की स्मृतियाँ और भावों से है। इन्हीं गुणों के कारण संगीत का प्रयोग रोगोपचार में किया जाता रहा है। संगीत के बारे मे कहा गया है–

संगीत है शक्ति ईश्वर की,
हर सुर में बसे हैं राम।
रागी जी सुनाए रागिनी,
रोगी को मिले आराम

संगीत भक्ति का माध्यम तो है ही इसके साथ ही चिकित्सा के क्षेत्र में विश्व के सभी देशों में संगीत थैरेपी के नाम से इसके द्वारा रोगों का इलाज किया जाता है।

ध्वनि चिकित्सा के जितने भी रूप हैं उनमें संगीत चिकित्सा सर्वाधिक लोकप्रिय है। सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड की संरचना संगीतमय है। प्रकृति के कण–कण में स्वर व लय विद्यमान है। इसीलिए मानव जीवन भी अपने प्राकृतिक रूप में संगीतमय है। हमारे शरीर में भावनात्मक आवेंगों का नियंत्रण जैसे हर्ष, सुख, दुख, काम, क्रोध आदि कोई भी हो, हार्मोन द्वारा ही नियंत्रित होते हैं। उदाहरण के लिए जब क्रोध आता है या दुख होता है, तो एड्रीनल हारमोन उत्पन्न होकर रक्त में मिलता है। इसी प्रकार आनन्द और हर्ष के विचार आते ही सिरेटोनिन, डोपामाइन जैसे हारमोन उत्पन्न होने लगते हैं। इसी आधार पर संगीत द्वारा विभिन्न रोगों का उपचार किया जाता है। संगीत ध्वनि पर आधारित है और यही ध्वनि तरंगे मनुष्य की मनोदशा पर गहरा प्रभाव डालती है, जिससे शरीर के रसायन तन्त्र में भी संगीत का प्रयोग मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक विकारों के उपचार में किया जाता है। यह एक प्राचीन कला है। जिसका उपयोग अनेक संस्कृतियों में स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए किया जाता रहा है।

संगीत तनाव और चिंता को कम करता है, दर्द को कम करता है, स्मृति और एकाग्रता में सुधार करता है, और मानसिक विकारों जैसे अवसाद आदि के उपचार में सहायता करता है। यह शारीरिक विकारों जैसे ह्रदय रोग, स्ट्रोक, और कैंसर के उपचार में भी सहायता करता है। संगीत के द्वारा रोगोपचार के अनेक प्रकार हैं। कुछ संगीत चिकित्सक गीत का उपयोग करते हैं। कुछ संगीत चिकित्सा कार्यक्रमों में रोगियों को संगीत रचना करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जबकि अन्य में संगीत सुनने पर जोर दिया जाता है। संगीत के द्वारा रोगोपचार एक सुरक्षित और प्रभावी चिकित्सा पद्धति है जिसका उपयोग विभिन्न आयु वर्ग के लोगों पर किया जा सकता है। यह एकल रूप में

अथवा अन्य चिकित्सा पद्धतियों के साथ संयोजित रूप में किया जा सकता है। एक प्राचीन भारतीय ग्रन्थ के अनुसार भारतीय संगीत में कुल 72 राग होते हैं और संगीत के ये 72 राग शरीर की 72 मुख्य नाडियों को प्रभावित करते हैं। कुछ राग जिनके द्वारा रोगों का उपचार किया जाता है, इस प्रकार है–

- **हृदय रोग**– इस रोग में राग दरबारी और राग सारंग से संबंधित संगीत सुनना लाभदायक होता है। सितार वादन की मध्य लय से भी लाभ होता है। तेज संगीत नहीं सुनना चाहिए।
- **अनिद्रा**–इस रोग में राग भैरवी तथा राग सोहनी से संबंधित संगीत सुनना लाभदायक होता है। बिस्तर पर शांतिचित होकर मध्यम लय में बांसुरी बादन सुनना भी ठीक रहता है।
- **पित्त रोग**–इस रोग में राग खमाज सुनने में लाभकारी होता है।
- **कमजोरी**–इस रोग में राग जयजयवंती सुनना चाहिए और तेज संगीत सुनना चाहिए जिससे शरीर में स्फूर्ति आये।
- **याददाश्त**–कमजोर याददाश्त में राग शिवरंजनी से फायदा होता है। वीणा वादन और बांसुरी सुनने से भी याददाश्त तेज होती है।
- **खून की कमी**–इस रोग में राग पीलू से संबंधित संगीत सुनना लाभदायक होता है। मृदंग और ढोलक सुनना भी लाभकारी है।
- **मनोरोग या डिप्रेसन**–इस रोग में राग विहाग और राग मधुवंती से संबंधित संगीत लाभदायक होता है। घुँधरू और तबला वादन सुनना भी मन को शांति देता है।
- **रक्तचाप**–उच्च रक्तचाप में धीमी गति और निम्न रक्तचाप में तीव्रगति का संगीत लाभ देता है। वीणा वादन सुनने से बहुत लाभ होता है।
- **साँस संबंधित रोग**–जैसे अस्थमा आदि रोग में राग मालकौंस और राग ललित से संबंधित संगीत सुनना लाभदायक होता है। भक्ति संबंधित संगीत सुनने गाने से भी होता है। प्राकृतिक संगीत जैसे समुद्र की लहरें, बहते पानी की कल–कल की आवाज सुनना भी लाभदायक होता है।

नाजिया, बी.ए.
द्वितीय वर्ष

शीर्षकःविकसित @2047: भारत का निर्माण

समय ने अपने परिवर्तन के साथ चलते हुए भारत को नए दिशानिर्देश में ले जाने की दिशा में कई कदम बढ़ाए हैं। विकसित भारत @2047 उस सपने की यात्रा का हिस्सा है जिसमें हम अपने देश को समृद्ध प्रगतिशील और समावेशी बनाने का लक्ष्य रखते हैं। इस लेख में, हम विकसित भारत के विचार को समझेंगें और उसके महत्वपूर्ण दिशानिर्देशों पर ध्यान देंगे।

भारत @ 2047: सपना और संविधान

भारत के संविधान के निर्माण के समय से लेकर आज तक, हमारा सपना हमेशा एक विकसित, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत का रहा है। 2047 में, जब हमारा देश अपनी स्वतंत्रता के सौ वर्ष पूरा करेगा, हम यह सपना पूरा करने के लिए अग्रसर होंगे। हमें एक ऐसे भारत की और बढ़ना होगा जो अपने नागरिकों को शिक्षित, स्वस्थ और समर्थ बनाता है।

सामृद्धिकरण की राह

विकसित भारत @2047 के लिए हमें अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और समृद्धिशील बनाने की दिशा में कदम उठाने की जरूरत है। उच्च गति वाली तकनीकी

विकास, ऊर्जा संवर्धन, और उद्यमिता को बढ़ावा देने के माध्यमों का विकास हमारे लक्ष्य को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सामाजिक समावेश

विकसित भारत के लिए हमें सामाजिक समावेश के माध्यमों को मजबूत करने की आवश्यकता है। शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत सुविधाओं तक पहुँच में समानता और न्याय की सबसे अधिक प्राथमिकता होनी चाहिए।

संवैधानिक मूल्यों की सुरक्षा

विकसित भारत की यात्रा में, हमें अपने संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करने और देश की एकता, सौहार्द, और अखंडता को सुनिश्चित करने का संकल्प लेना होगा। विकसित भारत /2047 हमारे देश की ओर बढ़ने का सपना है, जो समृद्ध, समावेशी और आत्मनिर्भर हो। इस सपने को साकार करने के लिए हमें सम्मान, समर्थन, और साझेदारी की जरूरत है।

नंदनी त्यागी, बी.कॉम
द्वितीय वर्ष

दैनिक जीवन और रसायन

संपूर्ण ब्रह्माण्ड रसायनों का विशाल भंडार है। जिधर भी दृष्टि जाए, हमें विविध आकार प्रकार की वस्तुएँ नजर आती हैं। ये सभी किसी न किसी पदार्थ से निर्मित हैं। ये ठोस, द्रव या गैस अवस्था में हो सकती हैं। सजीवों में पोषण, वृद्धि, पाचन, उत्सर्जन, प्रजनन की प्रक्रियाएँ रासायनिक अभिक्रियाएँ हैं। मानव के संवेदी अभ्यास अनुभवों जैसे शब्द, स्पर्श, रूप, रूस तथा गंध इन सभी के पीछे रासायनिक क्रियाएँ उत्तरदायी हैं।

रसायन विज्ञान का संबंध हमारी रोजमर्रा की जिंदगी से है। शुरूआत सुबह की चाय से करते हैं जो कि दूध, चीनी, चाय पत्ती के साथ उबला हुआ जलीय घोल है। पश्चिमी देशो में बिना दूध की चाय लेने का प्रचलन है जिसे काली चाय यानी ब्लैक टी कहा जाता है। रोटी, कपड़ा और मकान जैसी बुनियादी जरूरतें पूरा करने में रसायन की भूमिका है। दैनिक इस्तेमाल जैसेः ब्रश, मंजन, कंघी, शीशा, कागज, कलम, दवाईयाँ, प्लास्टिक इत्यादि सबमें रसायन व्याप्त है। यातायात, परिवहन तथा दूरसंचार के पीछे रसायनों की भूमिका है। मानव जीवन को आरामदायक बनाने में रसायन विज्ञान ने अप्रतिम भूमिका निभाई है।

वास्तव में देखा जाए तो इक्कीसवीं सदी में रसायनों की पहुँच कल–कारखानों, उद्योगों से लेकर हमारे चूल्हे चौके तथा ग्रामीण भारत के खेत खलिहानों तक जीवन के हर क्षेत्र में हो चुकी है।

1. साबुन तथा अपमार्जक

आज घर–घर में साबुन का इस्तेमाल होता है चाहे वह शहर हो या फिर गाँव देहात। साबुन, स्टीएरिक एसिड, पामिटिक एसिड, ओलिक एसिड तथा लिनोलेइक एसिड जैसे वसीय अम्लों के सोडियम या पोटैशियम लवण होते है। साबुन निर्माण की प्रक्रिया को साबुनीकरण कहा जाता है। सोडियम वाले साबुन ठोस तथा कठोर होते हैं जब कि पोटेशियम वाले साबुन मृदु तथा द्रव होते हैं।

2. आहार तथा रसोई में रसायन

हमारे आहार के छह मुख्य रासायनिक घटक है। ये हैः कार्बोहाइड्रेटस, प्रोटीन, लिपिड, विटामिन्स, खनिज लवण एवं जल। कार्बोहाइड्रेटस, कार्बन, ऑक्सीजन और हाइड्रोजन से बने हुए यौगिक होते हैं। चावल, आलू , चीनी, रोटी, चुकन्दर आदि कार्बोहाइड्रेटस बहुल स्त्रोत है। दूसरा खाद्य समूह है प्रोटीन का ये हमारे शरीर के अंगो, उपांगों तथा उत्तकों का निर्माण करते हैं। प्रोटीन हमें दूध, पनीर, अंडा, माँस, मछली,

दालों तथा कुछ मात्रा में गेहूँ, सेब आदि से प्राप्त होता है। कुछ प्रोटीनों में सल्फर और फास्फोरस भी होता है।

3. फल तथा तरकारियाँ

हमारे घरों में तमाम रसायन प्रयोगों में लाए जाते हैं पेट की शिकायत में सिरका का सेवन गुणकारी माना जाता है। सिरका वास्तव में एसिटिक एसिड (CH_3COOH) होता है। खाने का सोड़ा यानी सोडियम बाइकार्बोने ($NaHCO_3$), धावन सोडा (Na_2CO_3) , खाने का नमक (Nacl), सेंधा नमक(Kcl), फिटकरी (K_2SO_4 Al_2 $(SO_4)_3$ $24H_2O$), बैटरियों में गंधक का अम्ल (H_2SO_4), बुझा चूना ($CaCoHl_2$), अल्कोहलिक पेय पदार्थो में इथेनॉल (C_2H_5OH), रसायनों के उदाहरण है फूलों की सुगन्ध में फ्लेवोन्स तथा फ्लेवोनायइस, रास्पबेरी की गंध में आयोडिन, केले की गंध के पीछे आइसोएमाइल एसीटेट तथा नीबू की ताजगी के पीछे लिमोनिन यौगिक की भूमिका है जबकि इसके खटटेपन के लिए सिट्रिक अम्ल जिम्मेदार होता है एसिडिटी होने पर हम जो एन्टासिड दवाईयाँ लेते हैं उनमें मैगनिशियम हाइड्रॉक्साइड होता है। यह आमाश्य में मौजूद एचसीएल अम्ल से अभिकिया करके मैग्नीशियम क्लोराइड तथा पानी बनाता है इस तरह पेट में अम्लता कम हो जाती है और हमें जलन तथा खट्टी डकार से राहत मिलती है।

4. कीटाणुनाशक दवाई में

डेटॉल बहुत ही प्रचलित कीटाणु–नाशक है जिसका आमतौर पर प्रयोग होता है इसे 4 क्लोरो, 3,5– डाईमिथाइल फीनॉल कहते हैं। इसके अलावा फिनाइल नामक रसायन का भी बहुतायत से प्रयोग होता है। अल्कोहल तथा बोरिक एसिड सबसे सुलभ जीवणु रोधी है। चोट की मरहमपट्टी करने से पहले डॉ घाव को 6 प्रतिशत हाइड्रोजन परॉक्साइड के घोल का प्रयोग करते हैं। कैल्शियम हाइपोक्लोराइट जिसे हम आमतौर पर ब्लीचिंग पाउडर कहते हैं का प्रयोग जल स्त्रोतों की सफाई, नालियों, परनालों वगैरह को साफ करने के लिए करते हैं।

5. सौंदर्य प्रसाधन में

सौन्दर्य प्रसाधन में रसायनों का अद्भुत संगम है ये सभी घरों में इस्तेमाल किए जाते हैं। कुछ खास का जिक्र यहाँ किया जा रहा है।

क्रीम या कोल्ड क्रीमः जैतून या कोई खनिज, तेल, मोम, पानी और बोरेक्स के मिश्रण से चेहरे के लिए क्रीम बनती है जिससे कोई सुगन्ध, इत्र इत्यादि डाल दिया जाता है। पुष्पों की सुगन्ध के लिए अल्कोहल,, एल्डिहाइड, कीटोन, फीनॉल इस्तेमाल किया जाता है।

पाउडरः इसमें खडिया, टैलकम, जिंक आक्साइड, चिकनी मिट्टी का चूर्ण, माँड, रगेन का पदार्थ, सुगन्ध आदि होते हैं।

लिपिस्टिकः अधिकतर यह किसी मोम से बनाई जाती है जिसमें तारकोल से निर्मित रंग सामग्री पड़ी होती है।

भारती, बी.एस.सी
तृतीय वर्ष

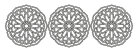

रसायन विज्ञान

भूमिकाः आज का युग विज्ञान का युग है। आज के वैज्ञानिक युग ने मनुष्य के जीवन में बहुत ही प्रभाव उत्पन्न किया है। आज मनुष्य के जीवन में जितनी भी गतिविधियाँ हो रही हैं वो सब विज्ञान की वजह से ही संभव हो पायी हैं। आज के समय में पुराने रहस्यों को भी खोज लिया गया है। आज विज्ञान की वजह से आकाश की उँचाईयों से लेकर पाताल की गहराईयों को नापना संभव हो पाया है।

रसायन विज्ञान का महत्वः रसायन विज्ञान, विज्ञान की वह शाखा है जसके अंतर्गत कई प्रकार के पदार्थो तथा द्रव्यों की संरचना, संगठन, गुण उनकी प्रतिक्रियाएं, उनमें होने वाले परिवर्तन उनके भौतिक तथा रासायनिक गुण आदि के बारे में विस्तृत अध्ययन किया जाता है। आज के समय में रसायन विज्ञान

एक ऐसी शाखा बन के आई है जिसका मानव जीवन में उपयोग 80 प्रतिशत से अधिक किया जाता है। रसायन विज्ञान के जनक Antoine Lavoisier को कहा जाता है।

मानव जीवन में रसायन विज्ञान का महत्वः रसायन विज्ञान, विज्ञान की एक ऐसी शाखा है, जिसमें समस्त प्रकार की वस्तुओं, पदार्थों, ठोस, द्रव, गैस आदि के गुण–लाभ उनका संगठन, संरचना आदि का अध्ययन करके मनुष्य का जीवन सरल और सुविधापूर्ण बनाने का प्रयास किया जाता है। मनुष्य के खाने से लेकर मनुष्य के पहनने तक समस्त चीजों का निर्माण रसायन विज्ञान के द्वारा ही किया जा रहा है। यहाँ तक कि मनुष्य के सुखी जीवन की कामना रसायन विज्ञान के बिना कर ही नहीं सकते। मनुष्य के स्वास्थ्य तथा मनुष्य की रक्षा के लिए समस्त सामग्री का निर्माण रसायन विज्ञान की ही देन है। मानव जीवन में रसायन विज्ञान के महत्व के कुछ उदाहरण निम्नलिखित है।

खाद्य सामग्री में रसायन विज्ञानः मनुष्य के आहार के मुख्य घटकों में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, विटामिन, खनिज और जल को स्वस्थ किया गया है। इसके बिना मनुष्य स्वस्थ नहीं रह सकता है और यदि यह सब दूषित अवस्था में मनुष्य सेवन करता है तो मनुष्य कई प्रकार के रोगों से ग्रसित हो जात है।

घरेलू वस्तुओं के निर्माण में रसायन विज्ञानः मनुष्य के दैनिक जीवन में कई प्रकार की ऐसी वस्तुएँ होती हैं जो वह हर वक्त उपयोग में लाता है और इन वस्तुओं का निर्माण रसायन विज्ञान के अंतर्गत ही किया जाता है। मेटलर्जी के द्वारा कई प्रकार की उपयोग में आने वाली वस्तुएं, बर्तन, मूर्तियां, सिक्के आदि कांसे, पीतल, ताम्बें के बनाये जाते हैं। इसलिए दैनिक जीवन में रसायन विज्ञान का बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान है।

स्टेशनरी और फोटोग्राफी में रसायन विज्ञानः रसायन विज्ञान स्टेशनरी निर्माण और फोटोग्राफी में एक उल्लेखीय भूमिका निभाता हैं, लकड़ी से कागज का निर्माण करना रसायन विज्ञान की प्रक्रिया के अंतर्गत ही आता है। इसके साथ ही स्याही के निर्माण, रबर, पेंसिल, इत्यादि का निर्माण रसायन विज्ञान की ही देन है।

सौंदर्य प्रसाधन में रसायन विज्ञानः रसायन विज्ञान सौंदर्य प्रसाधन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, क्योंकि आजकल हर एक व्यक्ति सुंदर तथा आकर्षक दिखना चाहता है, जिसके लिए रसायन विज्ञान ने विभिन्न प्रकार के उत्पाद भी बना लिए है।

साफ़ सफाई में रसायन विज्ञानः रसायन विज्ञान साफ–सफाई में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि अगर मनुष्य साफ सफाई से नहीं रहेगा तो विभिन्न प्रकार के रोगाणु और जीवाणु उत्पन्न होंगे। जिससे मनुष्य को कई प्रकार के रोगों का सामना भी करना पड़ सकता है इसलिए रसायन विज्ञान ने दैनिक जीवन में विभिन्न प्रकार के ऐसे रसायन का निर्माण किया है जो प्रत्येक घर में उपयोग किए जाते हैं, जिनसे जीवाणुओं और रोगाणुओं से मुक्ति मिल जाती है। उदाहरणार्थ–विरंजक चूर्ण, फिनाइल, डिटर्जेंट आदि।

मनुष्य की सुरक्षा में रसायन विज्ञानः रसायन विज्ञान ने मनुष्य को विभिन्न प्रकार के सुख सुविधाओं से नवाजा तो है ही साथ ही साथ मनुष्य की सुरक्षा के लिए भी रसायन विज्ञान ने अद्भुत साधन उपलब्ध कर दिए है। आज भारत परमाणु बम संपन्न देश बन गया है। भारत में परमाणु बम के साथ–साथ मिसाइलें, फाइटर प्लेन आदि भी उपलब्ध हैं जो देश की रक्षा करते हैं।

दवाईयों के निर्माण में रसायन विज्ञानः रसायन विज्ञान का सबसे महत्वपूर्ण कदम

दवाईयों के निर्माण में है, क्योंकि प्रत्येक मनुष्य बीमार होता है और आज के समय में विभिन्न प्रकार की घातक से घातक बीमारियाँ उत्पन्न हो रही है। वही पोलियो, आदि कई प्रकार के रोगों के लिए निर्मित परिजैविकों के टीकों का निर्माण रसायन विज्ञान के द्वारा ही संभव हुआ है।

कृषि के क्षेत्र में रसायन विज्ञानः रसायन विज्ञान का महत्व कृषि में भी है। रसायन विज्ञान ने कृषि के क्षेत्र में भी अद्‌भुत प्रयास किए है। हरित क्रांति के द्वारा मनुष्य ने गेंहू तथा चावल के उत्पादन में 5 से 7 गुणा बढ़ोत्तरी की है।

अत्यधिक साधन तथा कीटनाशको के प्रयोग से विभिन्न प्रकार की फसलों की उत्पादन क्षमता बढ़ गई है। मिट्‌टी के गुण तथा उनके संगठन के बारे में अध्ययन करके विभिन्न प्रकार की उपयुक्त फसले लगाई जाती हैं। कई प्रकार के कीटनाशकों तथा उर्वरकों के द्वारा विभिन्न फसले कम जगह में अधिक उपजायी जा रही है जो समय के अनुसार रसायन विज्ञान की ही देन है।

निष्कर्षः अंततः यह कहना गलत नहीं होगा कि रसायन विज्ञान का हमारे जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान है तथा यह हमारे दैनिक जीवन का एक महत्पूर्ण हिस्सा बन चुका है।

निशा, बी.एस–सी
तृतीय वर्ष

मोबाइलःयुवाओं के लिए हानिकारक

आज के आधुनिक युग में मोबाइल फोन एक अनिवार्य हिस्सा बन गया है। हालांकि, इसके उपयोग के साथ कई नकारात्मक प्रभाव भी जुडे हुए हैं, विशेष रूप से युवाओं के लिए। मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग युवाओं के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है। इस निबंध में, हम मोबाइल फोन के उपयोग के कुछ प्रमुख नकारात्मक प्रभावों पर चर्चा करेंगे।

मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभावः मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर अधिक समय बिताने से आत्म–सम्मान में कमी और अवसाद जैसी मानसिक समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। वे अक्सर अपने दोस्तों और परिचितों के साथ अपनी तुलना करते हैं, जिससे असुरक्षा की भावना बढ़ती है। इसके अलावा, साइबर बुलिंग (साइबर उत्पीड़न) का खतरा भी बढ़ जाता है, जिससे मानसिक तनाव और चिंता बढ़ती है।

शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रभावः मोबाइल फोन का लगातार उपयोग युवाओं के शारीरिक स्वास्थ्य पर भी हानिकारक प्रभाव डालता है। लंबे समय तक मोबाइल स्क्रीन के सामने बैठने से आंखो में तनाव, धुंधलापन और दृष्टि की समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा, मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग नींद की गुणवत्ता को भी प्रभावित करता है। देर रात तक मोबाइल का उपयोग करने से नींद पूरी नहीं हो पाती, जिससे दिनभर थकान और कार्यक्षमता में कमी आती है।

सामाजिक जीवन पर प्रभावः मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से युवाओं का सामाजिक जीवन भी प्रभावित होता है। वे अपने परिवार और दोस्तों के साथ कम समय बिताते हैं और अधिकतर समय अपने फोन में व्यस्त रहते हैं। इससे सामाजिक कौशल में कमी आती है और वास्तविक जीवन में संबंध कमजोर होते जाते हैं। इसके अलावा, मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग एकाग्रता में भी बाधा डालता है जिससे पढ़ाई और

कार्य प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

सुरक्षा पर प्रभावः मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग सुरक्षा के लिए भी खतरा साबित हो सकता है। कई युवा मोबाइल फोन का उपयोग करते समय यातायात नियमों की अनदेखी करते हैं, जिससे सड़क दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। इसके अलावा, मोबाइल फोन का उपयोग करते समय व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से गोपनीयता का उल्लंघन और साइबर अपराध का खतरा भी बढ़ता है।

निष्कर्षः मोबाइल फोन के उपयोग के कई लाभ हैं, लेकिन इसके अत्यधिक और अनियंत्रित उपयोग से युवाओं के जीवन पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं। मानसिक, शारीरिक, सामाजिक और सुरक्षा संबंधी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए, युवाओं को मोबाइल फोन का संयमित और सटीक उपयोग करना चाहिए। अभिभावकों और शिक्षकों को भी इस दिशा में युवाओं का मार्गदर्शन करना चाहिए ताकि वे मोबाइल फोन के नकारात्मक प्रभावों से बच सकें और एक स्वस्थ और सुरक्षित जीवन जी सकें।

रितेश कुमार, बी.ए.
द्वितीय वर्ष

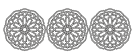

चुनाव क्यों महत्वपूर्ण है?

निर्वाचन (Election) एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण है जो एक लोकतंत्र के स्वाभाविक और अभिन्न हिस्से होते हैं। ये न केवल एक देश के नागरिकों को नए नेताओं का चयन करने का एक माध्यम प्रदान करते हैं, बल्कि ये एक समाज की सोच, विचार और दिशा को भी प्रभावित करते हैं।

पहले तो, निर्वाचन एक लोकतंत्र की बुनियाद होते हैं। ये नागरिकों को अपनी पसंद के अनुसार नेता चुनने का अधिकार देते हैं। इसके माध्यम से, एक समाज की जनता अपने मौजूदा सरकार को नुकसान पहुंचाने वाले नेता को हटाकर, नए नेता को चुन सकती है। इससे सार्वजनिक स्वास्थ्य, शिक्षा, अर्थव्यवस्था, और सामाजिक न्याय को बेहतर बनाने का मार्ग मिलता है।

दूसरे, निर्वाचन सामाजिक सचेतता और जागरूकता को बढ़ाते हैं। निर्वाचन अभियानों, वोटिंग और परिणामों के माध्यम से, लोगों को राजनीतिक मुद्दों के प्रति जागरूकता मिलती है। इससे समाज की सामूहिक चेतना में वृद्धि होती है और लोग अपने मतदान का महत्व समझते हैं।

तीसरे, निर्वाचन एक समर्थ और प्रभावशाली सरकार का निर्माण करने में मदद करते हैं। एक चुने हुए सरकार को जनता के अनुसार कार्रवाई करनी पड़ती है जिससे समाज की सामाजिक, आर्थिक, और राजनीतिक आवश्यकताओं का समाधान हो सके।

अंत में, निर्वाचन समाज के सभी वर्गों को समानता और न्याय का एक स्तर प्रदान करते हैं। यहाँ, हर व्यक्ति के एक ही मत का महत्व होता है और कोई भी अत्यधिक सत्ता में नहीं रहता।

इस प्रकार, निर्वाचनों का महत्व एक स्वस्थ और सशक्त लोकतंत्र के लिए अथक नींव होता है। इनके माध्यम से लोगों को अपने नेताओ का चयन करने का अधिकार मिलता है और हम समाज की प्रगति और उत्थान के मार्ग की दिशा में कदम बढ़ाते हैं।

नैन्सी, बी.ए.
द्वितीय वर्ष

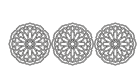

जलवायु परिवर्तनःएक विप्लव

आजकल, जलवायु परिवर्तन विश्वभर में एक बड़ी चिंता बन गयी है। यह एक गंभीर समस्या है जो मानव जाति के साथ–साथ पूरे पृथ्वी को भी प्रभावित कर रही है। जलवायु परिवर्तन का मुख्य कारण मानव गतिविधियों में हो रहे बदलाव है, जैसे कि जल, हवा और मिट्टी के संरक्षण की कमी, ऊर्जा उत्पादन और उपयोग में बदलाव, वनस्पति की कटाई, वायु प्रदूषण और ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन।

जलवायु परिवर्तन के प्रमुख प्रभावों में तापमान में वृद्धि, बारिशों के पैटर्न में परिवर्तन, बाढ़ों, सूखावृत्तियों, तूफानों, बारिश की अधिकता या कमी, जल स्तर में बढ़ोतरी, ग्लेशियरों की वनस्पति और जीव जंतुओं में परिवर्तन आदि शामिल है।

जलवायु परिवर्तन के असरों का सीधा प्रभाव हमारे समुद्र तटों, जलधाराओं, खेती, खाद्य संसाधनों, और वन्यजीवों पर होता है। यह लोगों के जीवन को अस्थिर बनाता है और अर्थव्यवस्था पर भी प्रभाव डालता है।

इस समस्या का समाधान बहुत महत्वपूर्ण है। हमें समुद्र तटों की रक्षा करनी चाहिए, पर्यावरण को संरक्षित रखना चाहिए और नई और साफ ऊर्जा स्त्रोतों का उपयोग करना चाहिए। साथ ही, हमें वन्यजीवों की संरक्षण के लिए प्रयास करना चाहिए और जल संसाधनो का सदुपयोग करना चाहिए।

जलवायु परिवर्तन एक गंभीर समस्या है जिसका हम सभी को मिलकर सामना करना होगा। हमें अपनी गतिविधियों को बदलने और पर्यावरण को संरक्षित रखने के लिए सक्रिय रूप से काम करना होगा। यह हमारे भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ और सुरक्षित पृथ्वी मिल सके।

रजनी गौतम, बी.ए.
द्वितीय वर्ष

गज़ल

ग़जल शब्द का उच्चारण कुछ भाषाओं में गुजल और अन्य में गु–जाह किया जाता है, हालाँकि दोनों में कण्ठस्थ जी लगभग बारव के च के समान होता है। माना जाता है कि, यह नाम उस ध्वनि से आया है जो एक घायल चिकारा मरते समय निकालती है।

गजल आज भी प्रयोग में आने वाली सबसे पुरानी काव्य शैली है।

हालाँकि, गजल में सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन 10वीं शताब्दी में ईरान में इसकी शुरूआत के दौरान हुए प्रारंभिक फारसी गजलों ने बडे पैमानों पर अरबी गजल के विषयों और स्वरूप का अनुकरण किया है। इन अरबी, फरसी गजली ने अपनी अरबी काव्यात्मक जड़ो की तुलना में दो अंतर पेश किए। सबसे प्रथम हिन्दी गजल लेखक के रूप में दुष्यंत कुमार को माना गया है इन्होने सबसे पहली गजल लिखी यह बहुत बड़े महान कवि रहे हैं इनका जन्म 1 सिंतबर 1933 को हुआ।
आज की कुछ मशहूर गजले...

1.तुझे डूब जाने से क्या रोकता है।
उतर जा इन आँखो में क्या सोचता है।
मुझे देखता है बड़े गौर से तू
मेरे यार मुझमे तू क्या खोजता है
तू मेरे मुसलसल ग़जल में है सागर
मेरे चंद शोरों को क्या देखता है।
2.तुम इतना जो मुस्कुरा रहे हो
क्या गम है जिस को छुपा रहे हो।
3.झुकी झुकी सी नजर।
4.चुपके चुपके रात दिन आँसू बहाना याद है।
5. सितारों से आगे जहाँ और भी है।
6. चिट्ठी ना कोई संदेश।
7. मेरी तरह तेरा दिल।
8. तुमको देखा तो ये ख्याल आया।
9. होठों से छूलो तुम मेरा गीत अमर कर दो
10.चिट्ठी आई है आई है।

ग़जल एक ही बहर और वजन के अनुसार लिखे गए शेरों का समूह है।

इसके पहले शेर को मतल कहते हैं।

ग़जल के अंतिम शेर को मक्ता कहते हैं।
मक्ते में सामान्यतः शायर अपना नाम रखता है।

कनिष्का कुशवाह, बी.ए.
द्वितीय वर्ष

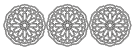

सूफी संगीत

परिचयः सूफी संगीत सूफियों के भक्ति संगीत को संदर्भित करता है, जो रूमी, हाफिज, बुल्ले शाह, अमीर खुसरो और ख्वाजा गुलाम फरीद जैसे सूफी कवियों के कार्यों से प्रेरित हैं।

कव्वाली सूफी संगीत का सबसे प्रसिद्ध रूप है और दक्षिण एशिया में सूफी संस्कृति में सबसे अधिक पाया जाता है।

सूफी संगीत का इतिहासः सूफी परंपरा की शुरूआत मोहम्मद गौरी ने की जो गायकी के अति प्रेमी थे। और आप भी गाते थे। सूफी संतो ने सूफी मत के विस्तार के लिए साहित्य और संगीत का सहारा लिया। समय–समय पर प्रसिद्ध भक्ति लहरों ने संगीत के माध्यम से अपने विचारो को आम जनता तक पहुँचाया। सूफी मत समकालीन प्रज्वलित भक्ति लहरों से अलग होकर उभर के सामने आया।

सूफीवाद इस्लाम और पैगंबर मुहम्मद की शिक्षाओं से अविभाज्य है इसकी उत्पत्ति प्रारंभिक उमरायद काल 661–749 की सांसारिकता के विरूद्ध हुई थी सूफीवाद का मध्ययुगीन भारत पर गहरा प्रभाव पड़ा है, जिसने शासकों के धार्मिक दृष्टिकोण को प्रभावित किया और उन्हे नैतिक दायित्वों की याद दिलाई।

उदाहरणः मुगल सम्राट अकबर के धार्मिक दृष्टिकोण और नीतियों को सूफीवाद के तहत बहुत कुछ आकार दिया गया था।

सूफीवाद की कुछ विशेषताओं में शामिल हैः-

- भावनात्मक अपील
- गायन, नृत्य और संतो की पूजा जैसी नई प्रथाएँ
- आंतरिक आध्यात्मिक जीवन को विकसित करने पर ध्यान दें।

सूफी संगीत वर्तमान काल मेंः सूफी परम्परा से जुड़े सन्तों ने साधनागत सांगीतिक परम्परा का निर्वाह करते हुए देश, समाज, धर्म की बहुत महत्वपूर्ण सेवा की है। सूफी भक्ति परम्परा में जिक्र था जिकरी, जारी नुत्कः ख्याल, गजल, कव्वाली आदि संगीत पद्धतियों को अपनाकर जनसामान्य को अभूतपूर्व रूपसे अपनी और आकृष्ट किया।

सुहैल, बी.एस.सी.
तृतीय वर्ष

बायोटेक्नोलॉजी की परिभाषा

बायो यानी जीवित प्रणाली और टेक्नोलॉजी मतलब तकनीक है। इसके मुताबिक बायोटेक्नोलॉजी का मतलब है जीवित प्राणियों पर तकनीक का इस्तेमाल करना। किसी विशेष उत्पादों या पदार्थों को विकसित करने या बनाने के लिए जीवित प्रणालियों और जीवों का उपयोग किया जाता है, जिसे बायोटेक्नोलॉजी कहते हैं। बायोटेक्नोलॉजी को हिंदी में जैव प्रौद्योगिकी कहा जाता है।

बायोटेक्नोलॉजी को अकसर बायोइंजिनियरिंग (bio engineering), बायोमेडिकल इंजीनियरिंग (biomedical engineering), मॉलिक्यूलक इंजीनियरिंग (molecular engineerning), इत्यादि के क्षेत्रों के साथ जोड़कर देखा जाता रहा है। हजारों सालों से, मानव ने कृषि, खाद्य उत्पादन और दवा में जैव प्रौद्योगिकी का उपयोग किया है।

बायोटेक्नोलॉजी का इस्तेमाल

बायो इन्फॉर्मेटिक्सः-

बायो इन्फॉर्मेटिक्स यानी जैव सूचना विज्ञान एक ऐसा क्षेत्र है जो कम्प्यूटेशनल तकनीकों का उपयोग करके जैविक समस्याओं को संबोधित करता है। यह तेजी से कार्य करने के साथ–साथ जैविक डेटा के विश्लेषण को भी संभव बनाता है।

ब्लू टेक्नोलॉजीः-

ब्लू बायोटेक्नोलॉजी एक ऐसा शब्द है जिसका उपयोग जैव प्रौद्योगिकी के समुद्री जलीय अनुप्रयोग का वर्णन करने के लिए किया गया है। समुद्र आदि में जब बायोटेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाता है, तब उसे ब्लू टेक्नोलॉजी कहा जाता है।

ग्रीन बायोटेक्नोलॉजीः-

ग्रीन बायोटेक्नोलॉजी एक ऐसी जैव प्रौद्योगिकी की शाखा है,जो खेती आदि से संबंधित विषयों पर लागू होती है। इसका एक उदाहरण यह है कि पौधे में ही कीटनाशक बनाने के लिए एक पौधे की इंजीनियरिंग है, जिससे बाहर से कीटनाशक डालने की आवश्यकता समाप्त हो जायगी।

रेड बायोटेक्नोलॉजीः-

रेड बायोटेक्नोलॉजी यानी लाल जैव प्रौद्योगिकी चिकित्सा प्रक्रियाओं पर लागू होती है। रेड बायोटेक्नोलॉजी के कुछ उदाहरण एंटीबायोटिक्स का उत्पादन करने के लिए जीवों की डिजाइनिंग, और जेनेटिक हेरफेर के माध्यम से आनुवांशिक इलाज की इंजीनियरिंग है।

वाइट बायोटेक्नोलॉजीः-

औद्योगिक जैव प्रौद्यागिकी के रूप में भी जाना जाने वाला वाइट बायोटेक्नोलॉजी यानी सफेद जैव प्रौद्यागिकी, औद्योगिक क्षेत्र में काम आता है। इसका एक उदाहरण है कि एक उपयोगी रसायन का उत्पादन करने के लिए एक जीव का डिजाइन, जो रसायन बना सके।

कविता, बी.एस.सी
तृतीय वर्ष

काव्य-पीयूष

वियोगी होगा पहला कवि, आह से उपजा होगा गान।
उमड़कर नयनों से चुपचाप, बही होगी कविता अनजान।।
(सुमित्रानंदन पंत)

हर दिन हम मुस्कुराएंगे

कुछ दिन हम गाएंगे।
कुछ दिन गुनगुनाएंगे।
कुछ दिन धूप खाएंगे।
कुछ दिन हंसेंगे,
कुछ दिन मुस्कुराएंगे

कुछ दिन मोती की माला बनाएंगे।
कुछ दिन मुरझाए फूलों में मुस्कुराएंगे।
कुछ दिन याद आएंगे।
कुछ दिन भूल जाएंगे

कुछ दिन जीतेंगे,
कुछ दिन हार जाएंगे।
फिर भी न गम मनाएंगे।
हर दिन हम मुस्कुराएंगे।।

और इस तरह हम जीत जाएंगे।

डॉ. ज्योति यादव
एसोसिएट प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग

कॉलेज के दिन

कॉलेज के दिन, वो सुनहरे पल, याद रहेंगे
सदा, जैसे खिले फूल।
सीख, अनुभव और यारी, कॉलेज की यादें, दिल
के करीब हैं सारी।

कॉलेज की दुनिया में कदम रखा, सुमनों की
बुनियाद यहाँ पर रखी।
मित्रों के संग हँसी–ठिठोली, क्लासेस में कभी
सीरियस, कभी भोली।

पढ़ाई का दबाव और एग्जाम की रातें, कभी–
कभी मुश्किल, कभी–कभी बातें।
प्रोफेसर्स की डाँट और गाइडेंस की सीख,
भविष्य का निर्माण, यही है इनकी रीत।

चाय की चुस्कियों का मजा, गपशप और गाने,
सबको रास आता।

कभी मस्ती में डूबे, कभी पढ़ाई की फ्रिक,
दोस्तों के संग बीतता हर एक लम्हा सच्चा।
फेस्टिवल्स की रौनक, रंग–बिरंगी शामें,
कॉलेज की यादें, दिल में बसाएं।

सपनों की उड़ान, उँचाईयों का सफर, कॉलेज
की दुनिया, अद्‌भुत ये सफर।
जब भी लौटूँगा यादों के उन गलियारों में,
मुस्कान आएगी चेहरे पर, खुशी की बौछारों में।
कॉलेज की वो बातें, वो हँसी ठहाके, दिल में
बस जाएँगी, सदा के लिए मेरे।

किसी ने सच कहा, कॉलेज का समय अनमोल,
यहाँ मिली सीख, बनेगी भविष्य की नींव।
याद रहेगा मुझे यह सफर हमेशा, कॉलेज की
दुनिया, अनमोल ये रिश्ता।

विकास मावी, बी.ए.
द्वितीय वर्ष

शिक्षक पर एक कविता

गुरूजी, आप हैं ज्ञान के सागर,
आपसे ही सजी है मेरी यह डगर।
प्रकाशित कर रहे हर कोने को आप,
आपके बिना अधूरी हर रात।

आपने सिखाया सही राह पर चलना,
हर मुश्किल में धैर्य से संभलना।
आपकी बातें सजीव होती हैं, सपनों को
हकीकत में बदलती है।

कभी प्यार से समझाया आपने,
कभी डाँट से राह दिखायी आपने।
आपके आर्शीवाद से हूँ यहाँ, आपकी शिक्षा से
चमका है जहाँ।

किताबों में छुपे ज्ञान के मोती,
आपने हम तक पहुँचाए हैं।
हमेशा हमें सिखाया, जीवन में आगे बढ़ना है।
आपके लिए मेरे दिल में सम्मान, आपकी सीख
सदा महान।

शिक्षकों के लिए यही कामना, आपका जीवन
हो सदा सुहाना।
धन्यवाद कहूँ या नमन करूँ,
आपके बिना मैं अधूरा हूँ।
प्रणाम है आपको दिल से, आप मेरे प्रिय शिक्षक,
जीवन के हर पल से।

विकास मावी, बी.ए.
द्वितीय वर्ष

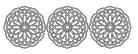

हमारा राष्ट्रीय कैडेट कोर

राष्ट्रीय कैडेट कोर का गर्वित झंडा लहराए,
युवा शक्ति का प्रतीक, हर दिल में बस जाए।
अनुशासन, साहस, और सेवा का संकल्प,
एनसीसी के कैडेट्स का अद्वितीय लक्ष्य।

देशभक्ति का जज्बा, दिलों में जगाए,
हर परिस्थिति में कर्तव्य निभाए।
राष्ट्र सेवा का प्रण, है जीवन का मान,
एनसीसी के कैडेट्स का यही है अभिमान।

हर सुबह का परेड, अनुशासन का पाठ,
सैनिकों की तरह, है दृढ़ संकल्प की बात।
फिजिकल ट्रेनिंग में शरीर को ताजगी,
मन की मजबूती में, नयी ऊर्जा है जगी।

आर्मी, नेवी, और एयरफोर्स की झलक,
एनसीसी का है हर कदम सशक्त।
संकट की घड़ी में, हमेशा तैयार,
देश की रक्षा में, सदा रहते वफादार।

समाज सेवा का भी, है इनमें समर्पण,
प्राकृतिक आपदाओं में देते हरदम अर्पण।
स्वच्छता अभियान हो, या रक्तदान का कार्य,
एनसीसी कैडेट्स सदा रहते अग्रणी और
पारंगत।

विविधताओं में एकता, यह है इनका नारा,
भारत माता के वीर, हैं ये अद्वितीय सितारा।
राष्ट्रीय कैडेट कोर, है युवाओं का भविष्य,
इनकी मेहनत और लगन, देश का सच्चा
आदर्श।

राष्ट्रीय कैडेट कोर का यह महान संगठन,
युवाओं को सिखाता है, सेवा और समर्पण।
देश के प्रति निष्ठा और बलिदान का भाव,
एनसीसी के कैडेट्स को, सलाम हमारा हर
बार।

लेफ्टिनेंट डॉ0 मीनू वार्ष्णेय
असि. प्रो. जन्तु विाान

जीव विज्ञान का पाठ

जीव विज्ञान का अद्भुत संसार,
जहां जीवों का होता अनोखा व्यापार।
प्रकृति की हर धड़कन में बसा,
जीवन का हर रंग यहीं पर सजा।

जीवों की रचना में बसी है कला,
प्रकृति की छांव में सजी है माला।
जीव विज्ञान हमें सिखाता है,
जीवन का हर रूप हमें दिखाता है।

कोशिका की गहराई में छिपी है कहानी,
हर जीव के जीवन की अनोखी बानी।
जीवन के रहस्य को जब हम जानें,
प्रकृति के संग–संग और मानें।

जंगल का राजा शेर गर्जता है,
पक्षियों की उड़ान में सपने सजाता है।
जल की गहराई में मछलियाँ खेलतीं,
जीव विज्ञान हमें सब कुछ कहती।

मनुष्य भी इस सृष्टि का हिस्सा,
प्रकृति के नियमों का पालन करिए।
जीव विज्ञान हमें सिखाता है,
सृष्टि का हर जीव हमें बताता है।

प्रकृति का संतुलन बनाए रखना है,
जीवों के संग जीवन को सजाना है।
जीव विज्ञान का यह पाठ,
जीवन को सुंदर और सजीव बनाए साथ।

ऋषभ वशिष्ठ, बी.एस.सी
तृतीय वर्ष

जीवन-शैली

मेरी जीवन–शैली कैसी हो,
ये प्रश्न ही अनमोल है
क्योंकि कुछ कर गुजरने से पहले
किसी समस्या का समाधान ढ़ढनें से पहले
समाज, देश दुनिया पर उगंली उठाने से पहले
आत्ममंथन करना है जरूरी।

कौन है हमारी समस्याओं की जनक
क्यों न लगी किसी को
इनके दुष्परिणाम की भनक
भौतिक जीवन की दौड़ में भागा मैं ऐसा
छूट गया पीछे जीवन का सुख–चैन सारा।

उन सुख सुविधाओं को भोगने की चाह में
आभासी सुखों को न छोड़ पाने के मोह में
जीवन शैली मेरी कुछ ऐसी हो गई
ना भूत को संजोया, न भविष्य को सुधारा
और अपना वर्तमान भी स्वयं ही गंवाया

आओ अब ये प्रण लें, कि कुछ नया करें
न छूट पाने वाली आदतों को कुछ कम करें
पिज्जा, बर्गर को छोड़ मोटे अनाजों को चुनें
यूं तो जीते है, जमाने में सभी
और हम औरों के लिए कुछ प्रेरणादायक करें।

रोहित सिंह
बी.ए. भूतपूर्व छात्र
वर्ष–2021–22

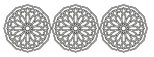

अध्यापक

जीवन में जो मार्ग दिखाए
सही पथ पर चलना सिखाये
सही गलत को जो आसान बनाएं

माता–पिता से पहले आए
अपने बच्चों जैसा प्यार जताए
जीवन भर जो सर पर हाथ फिराए
वह कोई और नहीं, अध्यापक कहलाए

रोहित, भूतपूर्व छात्र
वर्ष 2022–23

वार्षिक क्रीड़ा दिवस एवं क्रीड़ा प्रतियोगिताएँ

वार्षिकोत्सव उल्लास के कुछ मनोरम पल

स्मार्टफोन वितरण एवं मतदाता जागरूकता कार्यक्रम की एक झलक

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक झलक पार्ट-1

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक झलक पार्ट-2

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक झलक पार्ट-3

विभागीय परिषद् गतिविधियाँ-2023-24 पार्ट-1

विभागीय परिषद् गतिविधियाँ-2023-24 पार्ट-2

पर्यावरण क्लब द्वारा संचालित गतिविधियाँ पार्ट-1

पर्यावरण क्लब द्वारा संचालित गतिविधियाँ पार्ट-2

मिशन शक्ति एवं महिला प्रकोष्ठ - 2023-24

एन.सी.सी. इकाई द्वारा संचालित गतिविधियाँ

एन.एस.एस. इकाई द्वारा क्रियान्वित कार्यक्रम पार्ट-1

एन.एस.एस. इकाई द्वारा क्रियान्वित कार्यक्रम पार्ट-2

रोवर्स-रेंजर्स शिविर की कुछ झलकियाँ पार्ट-1

रोवर्स-रेंजर्स शिविर की कुछ झलकियाँ पार्ट-2

सड़क सुरक्षा कार्यक्रम 2023-24

समाचारपत्रों में महाविद्यालय

विद्यार्थियों ने विजय दिवस पर बनाए पोस्टर

वि. गाजियाबाद : मा. कांशीराम राजकीय महाविद्यालय में कारगिल विजय दिवस मनाया गया। महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डा. ज्योति यादव, एनसीसी लेफ्टिनेंट मीनू वार्ष्णेय, डा. उपदेश वर्मा, मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर शलभ सोलत व विशिष्ट अतिथि कर्नल कुलदीप नंदा ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। एनसीसी कैडेट्स ने देशभक्ति पर आधारित कार्यक्रम पेश किए। मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर शलभ सोलत ने कारगिल युद्ध एवं विजय दिवस के बारे में बताया। प्रतियोगिता में भाग लेकर विद्यार्थियों ने सुंदर-सुंदर पोस्टर भी बनाए। पौधारोपण भी किया गया।

बैडमिंटन में पूजा कुमारी व भाला फेंक में प्रीति रहीं प्रथम

हिंदी के प्रति बढ़ रहा है युवाओं का रुझान

कविता पाठ प्रतियोगिता में अंकुर रहे प्रथम

गाजियाबाद। नंदग्राम स्थित मान्यवर कांशीराम राजकीय पीजी कॉलेज में भारत रत्न व पूर्व राष्ट्रपति अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ मां सरस्वती व अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। प्राचार्य प्रो. संगीता गुप्ता ने अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन चरित्र पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस दौरान कविता पाठ प्रतियोगिता में छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। बीएससी द्वितीय वर्ष के छात्र अंकुर यादव ने पहला, शैलजा कुमारी ने दूसरा व प्रथम वर्ष की छात्रा अनु ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में डॉ. ज्योति यादव, डॉ. श्वेता शर्मा शामिल रहीं। संवाद

शिक्षक दिवस पर पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को किया याद

छात्रों को बताया विज्ञान का महत्व

गाजियाबाद। नंदग्राम स्थित मान्यवर कांशीराम कॉलेज में विज्ञान दिवस के अवसर पर सोमवार को कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं को विज्ञान की महत्ता और इसमें भविष्य की संभावनाओं के बारे में समझाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज की प्राचार्य डॉ. संगीता गुप्ता ने किया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. उपदेश वर्मा ने वैज्ञानिक उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर डॉ. राजीव वर्मा, डॉ. जितेंद्र, डॉ. अनु मिश्रा, डॉ. वसीम मंसूर, डॉ. प्रियंका, डॉ. निधि शुभानंद मौजूद रहे। संवाद

मरीजों की सेवा करने पर चिकित्सक सम्मानित

चिकित्सक दिवस पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित

रोवर रेंजर्स शिविर में स्काउट्स ने सीखे हुनर, साझा की राज्यों की संस्कृति और परंपरा

फूड प्लाजा में कावेरी व विंध्याचल ग्रुप रहे प्रथम

भाषण प्रतियोगिता में एनसीसी कैडेट्स शैलजा सिंह रहीं प्रथम

रोजगारपरक शिक्षा का महत्व बताया

विवेकानंद के आदर्शों पर चलने के लिए किया प्रेरित

बच्चों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

वाहन चलाते समय स्वयं और दूसरों की जान की रक्षा करें

गाजियाबाद संभाग की बेटियों ने बाजी मारी

महाविद्यालय में कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. संगीता गुप्ता ने मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान आयोजित हुई कविता प्रतियोगिता में बीए चतुर्थ सेमेस्टर के दीपक ने पहला, चंदना, रितेश ने दूसरा व बीकॉम की छात्रा पूजा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में आरती ने पहला, माया, अंजलि ने दूसरा व स्नेहा डागर, प्रिया चौधरी को संयुक्त रूप से तीसरा पुरस्कार दिया गया। स्लोगन प्रतियोगिता में पहला स्थान गुलशन कुमार, दूसरा स्थान काजल व तबस्सुम सैफी को तीसरा स्थान मिला। वहीं, निबंध प्रतियोगिता में निकिता ने पहला, हिमानी ने दूसरा, माया व रिहाना ने संयुक्त से तीसरा स्थान प्राप्त किया।

शंभू दयाल पीजी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. अखिलेश कुमार मिश्रा ने हिंदी की वैश्विक स्तर पर बनी पहचान विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि देश को शक्तिशाली बनाने में हिंदी का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। हिंदी विभाग की अध्यक्ष प्रो. गीता पांडेय ने राष्ट्र निर्माण में हिंदी की भूमिका विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने भी हिंदी विषय के भविष्य व संभावनाओं पर अपना

भाषण प्रतियोगिता में एनसीसी कैडेट्स शैलजा सिंह रहीं प्रथम

सड़क सुरक्षा के लिए नियमों के पालन की ली शपथ

EXPRESSIONS

"It is the supreme art of the teacher to awaken joy in creative expression and knowledge"

Albert Einstein

The Melodies of Days

Some days you plant,
Some days you just plan,
Some days you clean,
Some days you just rust.

Some days are bright,
Some days are snowy,
Some days it blooms,
Some days it is only gloom.

Some days it is cloud,
Some days it is roof,
Some days it is sun and
Someday's it is rose.

Eventually, you will discover
A bigger plan, an overleaf map,
Tracing you to the zenith of your top.

Dr. Jyoti Yadav
Associate Professor
Deptt of English

Animal Models Used in Science: A Critical Tool for Advancing Knowledge

Animal models are essential in scientific research, helping scientists understand complex biological processes and develop treatments for various diseases. By studying animals, researchers can gain insights into human health and disease, as animals often share significant genetic, physiological, and anatomical similarities with humans. This essay explores the types of animal models used in science, their applications, ethical considerations, and the future of animal research.

Types of Animal Models

Animal models can be broadly categorized based on the animals used and the purpose of the research. Here are some common types:

1. **Rodents:** Mice and rats are the most used animals in research. They reproduce quickly, are easy to handle, and have genetic similarities to humans. Mice are especially valuable because they can be genetically modified to study specific diseases.
2. **Non-Human Primates:** Monkeys and chimpanzees are used because of their close genetic relationship to humans. They are particularly useful in studying complex brain functions and diseases like HIV/AIDS. However, their use is limited due to ethical concerns and high costs.
3. **Zebrafish:** These small, tropical fish are used in genetic and developmental studies. Their embryos are transparent, making it easy to observe development in real-time. Zebrafish share many genetic pathways with humans, making them useful for studying gene function and disease.
4. **Dogs and Cats:** These animals are used in research on cardiovascular diseases, neurological disorders, and genetics. Dogs have been valuable in studying inherited diseases due to their well-

documented pedigrees.

5. **Rabbits:** Rabbits are commonly used in immunology and ophthalmology research. They are valuable for studying antibody production and eye diseases.

Applications of Animal Models

Animal models are used in a wide range of scientific research areas, including:

1. **Understanding Disease Mechanisms:** Animal models help researchers understand how diseases develop and progress. For example, mice with genetic modifications can mimic human diseases like cancer, diabetes, and Alzheimer's, allowing scientists to study these conditions in detail.
2. **Drug Development:** Before new drugs can be tested on humans, they must be evaluated in animal models to ensure they are safe and effective. Animal testing helps identify potential side effects and determine appropriate dosages.
3. **Genetic Research:** Animals, particularly mice, are used to study the role of specific genes in health and disease. By manipulating genes in animals, researchers can observe the effects and better understand gene function.
4. **Toxicology:** Animal testing is crucial for assessing the safety of chemicals, drugs, and other substances. This helps determine safe exposure levels and prevent harmful effects on humans.
5. **Regenerative Medicine:** Research on animals has advanced the field of regenerative medicine, including stem cell therapy and tissue engineering. Studies in animals help scientists understand how to repair and regenerate damaged tissues and organs.

Lt (Dr) Meenu Varshney
Assistant Professor Deptt. of Zoology

Decoding Caffeine : The Chemistry Behind Your Daily Boost

Introduction

Caffeine is a widely consumed stimulant that occurs naturally in some foods. Nature serves as the prime storehouse of caffeine. Significant quantities of caffeine are present in coffee beans, tea leaves, cacao pods and kola nuts. These plants utilize caffeine as a defense system against pests because caffeine carries a bitter taste and acts as a natural pesticide with neurotoxic properties to deter herbivores. But, for humans, its properties are relatively different, leading to increased alertness and cognitive function. Every day, millions of people drink coffee to increase wakefulness, alleviate tiredness and improve attention. The food and Drug Administration (FDA) recommends a maximum consumption of 400 mg of caffeine in a day, or two to three cups of coffee. Caffeine is an interesting molecule with a complex chemistry that exerts its own effects on the human body.

Molecular Structure

Caffeine is a xanthine alkaloid with a multifaceted molecular structure. It comprises carbon, hydrogen, nitrogen and oxygen atoms with distinct arrangements, which is responsible for its characteristic properties. The molecular formula, $C_8H_{10}N_4O_2$, clearly indicates its complex composition. The structure of caffeine is as follows **(Figure1)**

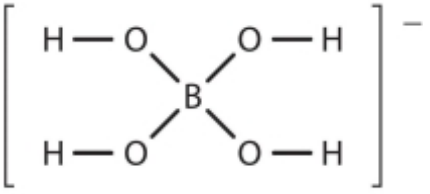

Functional mechanism & metabolism of Caffeine

After consumption, caffeine rapidly passes into the blood and then to the brain, where it employs its effects. A neurotransmitter, adenosine, binds to its receptors and then indorses relaxation and sleepiness. The structure of caffeine is similar to that of adenosine and it also competes for these receptors but does not activate the identical soothing response. Instead of this, it leads to enhanced attentiveness and wakefulness.

The metabolism of caffeine mainly occurs in the liver. This metabolic transformation of caffeine is facilitated by enzymes such as cytochrome P450 1A2 (CYP1A2). After many pathways, caffeine is fragmented into some metabolities, like paraxanthine, theobromine and theophylline. Ultimately, they are further processed and excreted from the human body, mostly through urine.

Caffeine's impacts on the body

The effect of caffeine on the body depends on various aspects, such as dosage, frequency of consumption and individual sensitivity.. Moderate intake of caffeine is generally considered safe and has various benefits, such as improved alertness, increased concentration and physical performance, Additionally, it may be helpful in providing short-term relief from fatigue and sleepiness. Moreover, some research has found that lifelong consumption of caffeine may reduce the risk of Parkinson's and Alzheimer's disease. Consumption of a maximum of 400 mg of caffeine or two to three cups of coffee a day is recommended by the Food and Drug Administration.

However, excessive intake can result in various adverse effects, like anxiety, insomnia, palpitations, muscle breakdown, gastrointestinal discomfort, high blood pressure, jitteriness, addiction, frequent urination and urgency.

Conclusion

The chemistry of caffeine is as elaborate as its widespread acclaim. Originating from nature and having significant effects on the human body, this molecule remains a fascinating topic for scientists and consumers. Whether it is your morning espresso or a post-lunch chamomile, exploring the scientific underpinnings of caffeine deepens our grasp of this pervasive compound. Comprehending the mechanisms behind caffeine's effects not only elucidates its stimulating

nature but also advises its prudent utilization. Thus, when you choose your beloved caffeinated drink, pause for a moment to consider the intricate chemistry that fuels your daily euphoria.

Dr. Anu Mishra
Assistant Professor
Department of Chemistry

The Chemistry of Slime

The Slime-making craze is sweeping schools and homes world-wide there we investigate the ingredients and science behind slime's gooey properties.

Making of Slime

Most slime recipes use a combination of PVA glue which contains polyvinyl acetate and polyvinyl alcohal and laundry detergent which contain sodium tetraborate decahydrate, or borax in the european union, where borax is not a part of detergents people use borax-containing contact lens solutions.

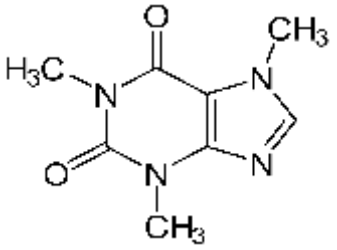

Slime's Properties

Tetrahydroxyborate ions from cross-links between PVA polymer chains. This creates a three dimensional network that traps water creating a semisolid gol.

when squeezed, slime shows viscous behaviour becouse the cross links between its polymer chains can breaks and re-form. But slime will break if it's pulled apart abruptly.

Acid + slime —>liquid—>slime

Adding acids such as vinegar lactic acid to become a liquid. Then adding a base such as baking soda sodium bicarbonate neutralizes the acid allowing the cross-links and slime to re-form.

Yasha Rani
B.Sc. III

Ice Cream

Introduction

In 200 BC the people of China used to boil milk and rice and keep it in ice to make ice cream. In 37-68 AD. king Nero of Romo used to eat snow brought from th emountains mixed with fruit juice "Marco Polo" introduced it to italy by bringing ice cream from China between 1254-1324 he learned to make it during his visit to China.

Definition

A rich sweet, Creamy frozen food made from variously flavoured Cream and milk products churned or stirred to a smooth consistency during the freezing process and often containing gelatin eggs fruits, nuts etc.

Side effects of ice-Cream

1. If you consume ice cream in excess quantity than it increase your weight the amount of fat in it is very high.
2. Fructose syrup is added to ice cream which becomes the most important factor in increasing the level of

diabates in your body.

3. It contains a lot of saturated fat which is harmful for health and can increase the chances of heart attack.

Benefits of ice cream

1. Eating ice cream gives a feeling of freshness it is also helpful in relishing fatigue.
2. Ice cream made from milk, sugar and dry fruits fulfills many nutrients in the body.
3. The calcium present in it makes bones strong and potassium controls blood pressure.
4. By eating ice cream the body also get a proteins which increase the growth of cells in the body.

Suhail
B.Sc. III

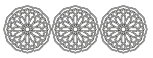

Global Warming

Global warming or climate change has become a major threat to the mankind. The earth's temperature is on the rise and these are various reasons for it such as green houses gases emanating from carbon dioxide (Co2) emissions burning of fossil fuels or deforestation.

Impact of Green House Gas:-

The rise in the levels of carbon dioxide (Co2) leads to substantial increase in temperature. It is because Co2 remains concentrated in the atmosphere for even hundreds of years. Due to activities like fossil fuel combustion for electricity generation, transportation, and heating human beings have contributed to increase in the Co2 concentration in the atmosphere.

A Gradual Phenomenon

Recent years have been unusually warm causing world wide concern. But the fact is that the increase in carbon dioxide actually began in 1800. Due to the deforestation of a large chunk of north eastern American basic forested parts of the world, things became worse with emission in the wake of the industrial revolution, leading to increase in carbon dioxide level by 1900.

Cause of Concern

According to the Intergovernmen -tal panel on climate change (IPCC) global temperature is likely to rise by about 1-3.5 celsius by the year 2400. It has also suggested that the climate might be warmer by as much as 10 degree fahrenheit the next 100 years.

Impact of Global Warming

- The Sea levels are constantly rising as fresh water marshlands lowlying cities and islands have been indundated with seawater.
- There have been changes in rainfall patterns leading to droughts and fires in some areas and flooding in other areas.
- Ice caps are constantly melting posing a threat to polar bear as their feeding reason stands reduced.
- Glaciers are gradually melting.

Conclusion :- As per kyoto protocol, developed countries are required to cut back their emissions. There is a need to reduce cool-fired electricity, increase energy efficiency natural gas generation.

Arya Sharma
B.A. I

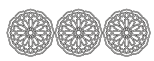

Ganga: A Lifeline for Indian

The Ganga River, often revered as the lifeline of India, holds a profound significance in the cultural, spiritual, and ecological fabric of the nation. Stretching over 2,500 kilometers from the Himalayas to the Bay of Bengal, the Ganga is not merely a geographical entity: it embodies a sacred essence that has sustained civilizations and enriched the lives of millions for millennia. Here's an essay on why the Ganga River is considered a lifeline for India. The Ganga holds a revered position in Indian mythology and spirituality. It is worshipped as goddess Ganga Ma, whose water is believed to cleanse one's sins and bestow spiritual liberation. The river is mentioned in ancient scriptures like the Rigveda and the Mahabharata and its banks have been the cradle of India's rich cultural heritage. The cities along its course. such as Varanasi, Haridwar and Prayagraj are centers of pilgrimage where millions congregate to perform rituals, seek blessings, and immerse the ashes of their loved ones, believing in the cycle of life and death.

The fertile plains of the Ganga basin form the breadbasket of India, supporting extensive agriculture and sustaining millions of livelihoods. The river's water is crucial for irrigation, enabling the cultivation of crops like rice, wheat, sugarcane, and cotton. The Ganga basin encompasses some of the most densely populated regions of India and its waters are essential for drinking, domestic use and industrial activities, contributing significantly to the nation's economy. The Ganga River basin is one of the most biodiverse regions in the world, home to a plethora of flora and fauna. The river sustains a diverse ecosystem, including several endangered species like the Ganges river dolphin, the Gharial crocodile, and freshwater turtles. The wetlands and marshes along its banks serve as vital habitats for migratory birds and support rich aquatic life. Moreover, the Ganga acts as a natural regulator of the climate, influencing weather patterns and mitigating the impacts of climate change.

Throughout history, the Ganga has been a witness to the rise and fall of empires, serving as a strategic waterway for trade and commerce. Its banks have been the cradle of ancient civilizations like the Indus Valley and the Mauryan Empire, shaping the course of Indian history. Moreover, the Ganga's geopolitical significance extends beyond India, as it flows through multiple countries, including Nepal and Bangladesh, fostering transboundary cooperation and diplomacy. Despite its immense importance, the Ganga faces numerous threats such as pollution, deforestation, unsustainable development, and climate change industrial discharge, untreated sewage and agricultural runoff have severely contaminated its waters posing serious health hazards to millions who depend on it for drinking and bathing. However, concerted efforts are underway to revive the Ganga through initiatives like the Namami Gange program, which focus on pollu-

tion control, riverfront development, and sustainable management of the river basin.

In conclusion, the Ganga River is much more than a waterway; it is the embodiment of India's cultural heritage the backbone of its economy, and the cradle of its civilization. Its preservation and rejuvenation are not only imperative for the well-being of millions but also essential for safeguarding the ecological balance of the region. As custodians of this sacred river, it is our collective responsibility to ensure that the Ganga continues to flow as the eternal lifeline of India, nurturing life and spirituality for generations to come.

Harsh Kumar
B.A. I

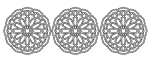

Embracing Democracy: Empowering Voices on Campus

In the vibrant tapestry of college life, the principles of democracy weave through the very fabric of our campuses. From spirited debates in lecture halls to student-led organizations championing change, colleges are fertile grounds for the cultivation of democratic values and active citizenship. As we navigate the complexities of the modern world, it becomes increasingly vital to understand and uphold the essence of democracy within our academic communities.

Understanding Democracy

At its core democracy embodies the belief in the power of the people to govern themselves, fostering inclusivity, equality, and freedom of expression. It is more than just a system of governance; it is a philosophy that thrives on dialogue, diversity, and the exchange of ideas. In the college setting, democracy manifests in various forms, from student government elections to grassroots activism, serving as a microcosm of the broader democratic society we aspire to build.

Fostering Civic Engagement

Colleges play a pivotal role in nurturing the next generation of informed and engaged citizens. Through civic education initiatives, service-learning programs, and community partnerships, students are provided with opportunities to deepen their understanding of democratic principles and actively participate in civic life. Whether volunteering at local nonprofits, registering voters, or organizing rallies, students are empowered to make a tangible impact on issues they care about, bridging the gap between theory and practice.

Embracing Diversity of Thoughts

Central to the vitality of democracy is the recognition and celebration of diverse perspectives. Colleges serve as melting pots of cultures, ideologies, and lived experiences, enriching the discourse and challenging preconceived notions. Embracing intellectual diversity not only broadens our horizons but also fosters empathy, tolerance, and critical thinking skills essential for constructive civic engagement. By creating inclusive spaces where all voices are heard and valued, colleges

cultivate an environment conducive to meaningful dialogue and collective action.

Navigating Challenges

On college campuses, issues such as censorship, polarization, and voter apathy can pose significant obstacles to the realization of democratic ideals, It is imperative for students, faculty, and administrators to confront these challenges head-on, engaging in difficult conversations, promoting civil discourse, and safeguarding the principles of academic freedom and free speech. By actively addressing these issues, colleges can strengthen their commitment to democracy and uphold the rights and dignity of all members of the campus community.

Looking Ahead

As we chart the course forward, let us reaffirm our commitment to democracy as the cornerstone of our college communities. By embracing the principles of inclusivity, civic engagement, and diversity of thought, we can create campuses that not only educate minds but also nurture active citizens capable of shaping a more just and equitable society. Through dialogue, collaboration, and collective action, let us continue to uphold the ideals of democracy and empower the voices that propel positive change on campus and beyond.

Muskan Attrey
B.Com. II

Embracing Women: A Case Study on Entrepreneurship in India

Women entrepreneurship in India has seen remarkable growth in recent years, with women breaking barriers and venturing into diverse sectors of the economy. This case study focuses on the journey of Priya Sharma, a young entrepreneur who founded her own tech startup in Bangalore, highlighting the challenges she faced and the strategies she employed to overcome them.

Priya Sharma, a computer science graduate from a prestigious university, had always dreamt of starting her own business. Despite facing skepticism from friends and family due to her gender, Priya was determined to pursue her entrepreneurial aspirations. With a passion for technology and a keen eye for innovation, she embarked on her journey to establish a startup that would revolutionize the e-commerce industry.

Challenges Faced

1. **Gender Bias:** Priya encountered gender bias and discrimination while seeking funding for her startup. Many investors were skeptical about investing in a female-led venture, citing perceived risks and concerns about her ability to lead a tech company.
2. **Access to Capital :** Securing initial funding was a major challenge for Priya. Despite having a promising business idea and a well-thought-out business plan, she struggled to

convince investors to invest in her startup.

3. **Network Constraints:** Building a network of contacts and mentors in the male-dominated tech industry proved to be challenging for Priya. She often felt excluded from networking events and faced difficulties in finding female role models to guide her entrepreneurial journey.
4. **Work-Life Balance:** Balancing her entrepreneurial pursuits with family responsibilities posed a significant challenge for Priya. She often found herself torn between dedicating time to her startup and fulfilling her familial obligations.

Strategies Employed

1. **Building a Strong Support System:** Priya sought support from like-minded individuals and organizations that championed women entrepreneurship. She actively participated in women-focused networking events and mentorship programs, which helped her expand her network and gain valuable insights from experienced entrepreneurs.
2. **Leveraging Alternative Funding Sources:** Unable to secure traditional venture capital fundings, Priya explored alternative funding sources such as crowdfunding platforms and government schemes for women entrepreneurs. This allowed her to raise the initial capital needed to kickstart her business.
3. **Embracing Technology:** Priya leveraged technology to streamline operations and reach a wider audience. She utilized social media platforms and digital marketing strategies to promote her startup and attract customers.
4. **Prioritizing Self-Care:** Recognizing the importance of maintaining a healthy work-life balance, Priya prioritized self-care and adopted time management techniques to effectively balance her professional and personal commitments.

Despite the challenges she faced, Priya's perseverance and determination paid off. Her startup gained traction in the e-commerce market, attracting a loyal customer base and garnering attention from investors. With her innovative approach and unwavering resolve, Priya emerged as a trailblazer in the field of women entrepreneurship in India, inspiring countless aspiring female entrepreneurs to pursue their dreams.

Priya Sharma's journey exemplifies the resilience and tenacity of women entrepreneurs in India. Despite facing numerous challenges and obstacles, she successfully navigated the entrepreneurial landscape and emerged as formidable leader in the tech industry. Her story serves as a testament to the transformative power of women entrepreneurship in driving innovation, economic growth, and societal change in India.

Sumit Pal
B.Com. II

Some Fun Facts about Accounting

1. **The Origin of Double-Entry Accounting :** Double-entry accounting the foundation of modern accounting was developed by an Italian mathematician named Luca Pacioli in the 15th century. He detailed the system in his book "Summa de Arithmetica," published in 1494. He is often referred to as the "Father of Accounting."
2. **Accounting Jokes Exit!:** Believe it or not, there are jokes about accounting. For example: "Why did the accountant break up with the calculator? Because he couldn't count on it!" Accountants sometimes enjoy poking fun at their own profession.
3. **The Oldest Known Record of Accounting:** The oldest known record of accounting dates back over 7,000 years. It's a clay tablet from Mesopotamia (modern-day Iraq), which records simple accounting transactions involving barley.
4. **The Big Four Accounting Firms :** The four largest accounting firms in the world, commonly referred to as the "Big Four," are Deloitte, Price water house Coopers (PWC), Ernst & Young (EY), and KPMG. These firms provide a wide range of professional services, including auditing, tax advisory, and consulting.
5. **Accountants on Screen:** Accountants have made appearances in popular culture, often portrayed with stereotypical characteristics such as being meticulous, detail-oriented, and sometimes at bit boring. However, there are also instances where accountants are depicted as quirky or even heroic characters.
6. **The Language of Business:** Accounting is often referred to as the "language of business" because it communicates the financial health and performance of an organization Accountants use standardized methods and terminology to prepare financial statements that can be understood by stakeholders such as investors, creditors, and regulators.
7. **Accounting in Space:** Even astronauts need to keep track of their expenses! NASA employs accountants to manage the agency's finances, ensuring that budgets are properly allocated and expenditures are accounted for.
8. **Forensic Accounting:** Forensic accountants use their investigative skills to uncover financial fraud and other irregularities. They may work with law enforcement agencies, lawyers, or firms to analyze financial records and provide expert testimony in legal proceedings.
9. **The Bean Counter:** The term "bean counter" is sometimes used as s playful (or not-so-playful) nickname for accountants. It's believed to have originated from the practice of counting beans, which was once a common method of keeping track of inventory.
10. **Accounting in Ancient Egypt:** The ancient Egyptians were among the first civilizations to develop rudi-

mentary accounting systems. They kept detailed records of taxes, trade transactions, and agricultural production using hieroglyphics inscribed on papyrus scrolls.

Shreya Tripathi
B.Com. II

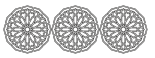

Embracing the Journey: The Importance of College Life

College life is often described as a transformative journey. Beyond the classroom lectures and textbooks, the college experience offers a myriad of oportunities for students to discover their passions, expand their horizons, and shape their identities. In this article, we delve into the importance of college life and why it serves as a foundational period in one's journey towards adultood.

Academic Explorations and Intellectual Growth

College provides a unique environment for academic exploration and intellectual growth. It offers students the opportunity to delve deeper into subjects they are passionate about, engage in critical thinking, and develop analytical skills. Through coursework, research projects, and discussions with peers and professors, students are challenged to expand their knowledge and broaden their perspectives.

Personal Development and Self-Discovery

College is a time of self-discovery and personal development. Away from the familiar comforts of home, students are encouraged to step out of their comfort zones, explore new interests, and embrace diverse experiences. Whether it's joining clubs and organizations, studying abroad, or participating in community service, college offers countless opportunities for students to discover their strengths, values, and aspirations.

Building Lifelong Friendships and and Networks

College is a hub of social interaction and networking, where students from diverse backgrounds come together to form lasting friendships and connections. These relationships often extend beyond the college years, serving as a support system and professional network in the future. The bonds forged during college can be invaluable, providing a sense of belonging and camaraderie that lasts a lifetime.

Preparation for Career Success

College serves as a stepping stone to future career success by providing students with the knowledge, skills, and experiences necessary to excel in their chosen field. Whether through internships, programs, or experiential learning opportunities, college equips students with real-world experience and practical skills that are highly valued by employers. Additionally, college fosters essential qualities such as teamwork, leadership, and adaptability, which are integral to professional success.

Personal Responsibility and Independence

College is a time of transition from adolescence to adulthood, where students learn to navigate the complexities of independence and responsibilities. From managing finances and balancing academic and extracurricular commitments to making decisions about their future, college fosters a sense of autonomy and self-reliance. It offers students the freedom to explore their interests, make mistake, and learn from their experiences, all of which are essential aspects of personal growth and development.

In conclusion, college life is a transformative journey that shapes individuals academically, personally, and professionally. It provides a supportive environment for academic exploration, personal development, and the cultivation of lifelong friendships and networks. As students embark on this journey, they are empowered to discover their passions, pursue their dreams, and become the leaders and changemakers of tomorrow.

Sahib Singh
B.Com. II

Digital India: Transforming the Nation through Technology

The Digital India initiative, launched on July 1, 2015, by the Government of India. is a landmark program aimed at transforming India into a digitally empowered society and knowledge economy. Spearheaded by Prime Minister Narendra Modi, this initiative seeks to ensure that government services are made available to citizens electronically by improving online infrastructure and increasing Internet connectivity. It also aims to empower citizens through digital literacy and create a robust digital ecosystem. The vision of Digital India rests on three key areas: digital infrastructure as a utility to every citizen, governance and services on demand, and digital empowerment of citizens.

One of the foundational pillars of the Digital India initiative is the creation of robust digital infrastructure that serves as a utility for every citizen. This includes providing high-speed Internet to rural areas, creating unique digital identities for citizens through Aadhaar, and ensuring the availability of mobile phones and bank accounts to every individual. The BharatNet project, which aims to connect all 250,000 gram panchayats(Village councils) in the country with high-speed Internet, is a crucial component of this endeavor. This infrastructure enables citizens to access various services and participate in the digital economy.

Digital India aims to make government services available services available to citizens on demand, ensuring that every service is available online and on mobile platforms. The E-Kranti initiative, a major aspect of Digital India, focuses on electronic delivery of services in areas such as education, healthcare, agriculture, and justice. Various mobile apps and web portals

have been developed to provide services such as applying for passports, paying utility bills, filing taxes, and accessing healthcare services. These initiatives not only enhance transparency and efficiency but also reduce the need for physical visits to government offices, thereby saving time and resources.

Empowering citizens through digital literacy and skills is another core objective of Digital India. The National Digital Literacy Mission aims to make at least one person in every household digitally literate. This involves training individuals to use computers, access the Internet, and utilize various digital tools and services. Additionally, the Pradhan Mantri Gramin Digital Saksharta Abhiyan (PMGDISHA) aims to impart digital literacy to 60 million rural households. By enhancing digital skills, the initiative seeks to create a knowledgeable and skilled workforce capable of thriving in the digital economy.

Impact on various sectors:

The Digital India initiative has had a profound impact on various sectors, driving economic growth and improving the quality of life for citizens.

Digital platforms like SWAYAM and DIKSHA provide access to quality educational resources and online courses enabling lifelong learning. The COVID-19 pandemic highlighted the importance of digital education and initiatives like PM Vidya ensured continued learning during school closures. The eSanjeevani platform facilitates telemedicine consultations, allowing patients in remote areas to access medical advice and treatment. The Ayushman Bharat Digital Mission aims to create a digital health ecosystem, providing unique health IDs and electronic health records for citizens. Digital tools and apps like Kisan Suvidha provide farmers with information on weather forecasts, market prices, and best practices. The use of drones and IoT devices in agriculture has improved crop management and productivity The Jan Dhan-Aadhaar-Mobile (JAM) trinity has revolutionized financial inclusion, enabling ditext benefit transfers and ensuring that subsidies and welfare benefits reach the intended beneficiaries without leakages.

Despite its significant achievements, the Digital India initiative faces several challenges and issues such as digital divide, cybersecurity threats, and inadequate digital infrastructure, areas needs to be addressed. Ensuring data privacy and protection is also critical as more citizens and services come online.

To overcome these challenges, continuous efforts are needed to expand digital infrastructure, enhance cybersecurity measures, and promote digital literacy. Public-private partnerships can play a crucial role in accelerating the implementation of digital initiatives. Furthermore, policies and regulations must evolve to keep pace with technological advancements and ensure a safe and inclusive digital environment.

Conclusion

Digital India is a transformative initiative that has the potential to redefine the socio-economic landscape of

the country. By leveraging technology to improve governance, empower citizens, and drive economic growth, Digital India aims to create a digitally inclusive society. The success of this initiative depends on collaborative efforts from the government, private sector, and citizens. As India continues its digital journey, the vision of a digitally empowered and knowledge-based economy is gradually becoming a reality, promising a brighter and more connected future for all.

Ritesh Kumar
B.A. II

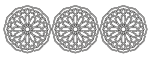

Importace of Mathematics In Our Life

Importance Of Mathematics:-

It seems natural that the majority of the population knows almost nothing about mathematics and their relation to math is limited to the four rules. Mathematics is at the center of our culture and its history is often confused with that of philosphy. Just as the cosmological and evolution theories have exerted considerable influence on the conceptions that humans have of our selves, the non-euclidean geometries have allowed new ideas about the universe and theorems of mathematical lagic have revealed the limitations of the deductive method.

We bring you another 7 reasons why your child should be concerned with math and why is it important for his future.

Maths makes your child smarter. Mathematics for learning is the same as the strength and durability for sport basis that allows your child to surpass others and himself. Your child cannot become a big sports stars if he is not strong and has problems with his health. Your child cannot become an authority in his work or prominent in his profession one day, if he doesn't think smart and critically and maths, to a large extent, can help him with that.

Use of Mathematics

- Mathematics is all around us, it's every where we go.
- It's in our kitchen, in our house and in our surroundings.
- Mathematics is used in running shops, business, cooking and in every single activity we do in our daily life.

Bharti
B.Sc. III

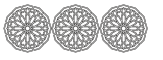

Exploring the Intersection of Science and Career: The B.Sc Journey

In the realm of academia and professional development, Bachelor of Science (B.Sc) Programs serve as a cornerstone for students venturing into the diverse world of science whether it's unravelling the mysteries of the universe through astrophysics, delving into the complexities of the human body in biology or engineering innovative solutions for societal challenges, the B.Sc journey offers a rich tapestry of

knowledge and experiences.

Embracing the Multidisciplinary Landscape

One of the defining features of a B.Sc program is its multidisciplinary nature encompassing a wide array of scientific disciplines, from physics and chemistry to computer science and environmental studies, students have the opportunity to explore various fields and discover their passion. The interdisciplinary approach not only fosters a holistic understanding of the natural world but also cultivates critical thinking and problem-solving skills essential for success in the scientific arena.

Hands on Learning and Research Opportunities

Beyond the confines of traditional lectures, B.Sc programs empha size on hands on learning and research experiences. Whether it's conducting experiments in state of the art laboratories, participating in fieldwork expeditions or collaborating on research projects with esteemed faculty members, students are actively engaged in the scientific process. These experiential learning opportunities not only reinforce theoretical concepts but also ignite curiosity and inspire innovation.

Navigation career pathways

As students progress through their B.Sc journey, they explore various career pathways aligned with their interests and aspirations, whether it is pursuing graduate studies, or embarking on a career in academia, industry, or research institutions. B.Sc graduates are equipped with a versatile skill set and a solid foundation in scientific principles. Moreover, the demand for STEM (Science, Technology, Engineering and Mathematics) professionals continues to rise, opening doors to a plethora of rewarding career opportunities in diverse sectors.

Conclusion

In conclusion, the B.Sc journey represents a transformative experience that prepares students for a dynamic and ever changing world. By embracing the multidisciplinary landscape, engaging in hands on learning and research, exploring diverse career pathways, adapting to technological advancements, and fostering collaboration and innovation, B.Sc graduates emerge as versatile and resilient individuals poised to make a positive impact on the realm of science and beyond. As we navigate the complexities of the 21st century, the B.Sc journey serves a beacon of knowledge, discovery and endless possibilities.

Ashwani Garg
B.Sc. III

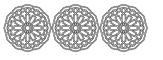

Artificial Mathematics

Exploring the Intersection of Mathematics and Artificial Intelligence

In recent years, the marriage of mathematics and artificial intelligence (AI) has revolutionized countless industries and transformed the way we approach complex problems. Artificial Mathematics, a burgeoning field at the intersection of there two disciplines,

harnesses the power of mathematical principles to advance Al technologies and drive innovation across various domains.

At its core, Artificial Mathematics leverages mathematical concepts such as algorithms, optimization techniques, and probability theory to design and optimize Al by applying rigorous mathematical algebra algorithms. Using a strong framework, researchers and practitioners can develop Al systems that exhibit greater efficiency, accuracy and robustness in tackling real-world challenges.

One of the key areas where Artificial Mathematics has made lsignificant strides in learning is machine subset of AI focused on enabling computers to learn from data without explicit programming. Through mathematical, modeling and statistical learning analysis, researchers predict modeling and machines to recognize patterns and adapt to new information with remarkable precision.

Soniya Sharma
B.Sc. III

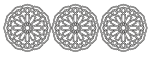

Swachh Bharat Mission

Introduction:- As per estimates, poor hygiene and sanitation facilities cost India 600,000 lives annually. It is also due to diarrhea and other such diseases. As per the government data of 2011, India is home to 450 million people who do not have access to toilets and they defecate in the open.

Swachh Bharat Mission or clean India mission was launched by the Prime Minister of India, Narendra Modi, on the 145th birth anniversary of Mahatma Gandhi on October 2, 2014 at Rajghat in New Delhi. This national campaign initiated by the Government of India covers 4041 statutory towns across the country and aims to make the streets, roads and other infrastructure clean by October 2, 2019, Mahatma Gandhi's 150th birth anniversary.

How it is being Managed- This mission to clean India's cities and villages is estimated to cost around Rs. 62,000 crore. It's the most celebrated scheme of recent times which aims to combat dirtiness and generate awareness among the citizens of India about the importance of sanitation and hygiene. Millions of people including celebrities, politicians, academic institutions, NGOs and local community centres across the country joined this cleanliness initiative of the government by organizing cleanliness drives across the country.

Historical Perspective- The government of India launched the total sanitation compaign with effect from April 1, 1999. To provide a major flip to the TSC, the government launched an incentive scheme in June 2003 in the form of an award for comprehensive sanitation coverage, preservation and protection of environment, and open defection free panchayat villages.

The Main objectives of SBM- The mission aims to eradicate open defecation by 2019. The Prime Minister while launching the SBM, called for making the goal of Swachh Bharat a mass move-

ment, with people taking a pledge to neither litter nor to let others litter.

Citing a world Health Organization estimate, that an average of Rs 6500 per person was lost in india due to the lack of cleanliness and hygiene. He underlined that sanitation should not be seen as a political tool but as a manifestation of patriotism and a contribution towards nation-building. This mission aims to eliminate open defecation by constructing toilets for households and communities, abolishing manual scavenging, ushering in advanced municipal solid waste management practices, encouraging private sector involvement in the sanitation sector and last but not the least, by bringing about change in attitude with regard to sanitation.

Conclusion- Though the government has greatly publicized this mission, yet there is a lack of adequate awareness about making India clean, which is a major cause of concern. If each and every person starts making efforts for keeping their surroundings clean, we would definitely see positive results soon.

Nancy
B.A. II

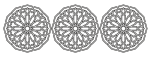

Deepening the Understanding of Mental Well-being

Mental well-being is a complex and multifaceted aspect of our lives that goes beyond mere emotional health. It is the foundation upon which we build our thoughts, emotions, and behaviour, influencing our ability to manage stress, interact with others, and make decisions. In this detailed exploration, we will examine the intricate layers of mental well-being, its determinants, and the practices that can enhance our mental health.

The Spectrum of Mental Well-being

Mental well-being exists on a spectrum, ranging from flourishing mental health to severe psychological distress. It is a dynamic state, often fluctuating with life's ups and downs. The key components of mental well-being include-

Emotional Regulation: The ability to manage and express emotions in a healthy way.

Resilience: The capacity to recover quickly from difficulties

Self-awareness: Understanding one's thoughts, feelings, and behaviour.

Cognitive Functioning: The ability to think clearly, learn, and remember.

Determinants of Mental Well-being

A variety of factors can influence mental well-being, and they often interact in complex ways.

Genetic Predisposition: Inherited traits that may affect mental health and behaviour.

Neurochemical Factors: The balance of chemicals in the brain that regulate moods and behaviour.

Psychological Factors: Personality traits, self-esteem, and coping mechanisms.

Environmental Influences: Socioeconomic status, community, and living conditions.

Physical Health: Chronic illness,

disability, and diet can impact mental well-being.

Cultural and Societal Norms:
Expectations and pressures that shape our mental health.

Enhancing Mental Well-being Through Practices

There are several evidence-based practices that can improve mental well-being

Mindfulness and Meditation:
Practices that focus on the present moment can reduce health challenges.

Therapeutic Interventions: Counselling or therapy can provide tools to manage mental health challenges.

Social Support: Strong relationships provide emotional support and a sense of belonging.

Physical Activity: Regular exercise has been shown to improve mood and reduce anxiety.

Adequate Sleep: Quality sleep is essential for cognitive function and emotional regulation.

Healthy Nutrition: A balanced diet supports brain health and affects mood.

Work-Life Balance: Managing work demands and personal life can prevent burn out.

Barriers to Mental Well-being

Despite the known strategies for improving mental health, several barriers can impede progress:

Stigma: Negative attitude towards mental illness can prevent people from seeking help.

Access to Care: Economic and geographic barriers can limit access to mental health services.

Lack of Awareness: Without knowledge of mental health, individuals may not recognize the need for help.

Cultural Barriers: Cultural beliefs and values can influence attitudes toward mental heath care.

The Role of Society in Mental Well-being

The society plays a crucial role in shaping the mental well-being of its members. Public policies, healthcare systems, and community programs can either support or hinder mental health. Efforts to improve mental well-being at a societal level include.

Education and Awareness: Increasing knowledge about mental health in schools and workplaces.

Healthcare Accessibility: Ensuring that mental health services are available and affordable.

Community Support: Building strong networks that foster connection and mutual aid.

Policy Initiatives: Implementing laws and regulations that promote mental health and protect those with mental illness.

Conclusion

Mental well-being is an essential part of our overall health and quality of life. It requires attention and care, just like physical health. By understanding the complex factors that contribute to mental well-being and actively engaging in practices that promote it, we can all work towards a mentally healthier society.

Aakansha Mudgal
B.A. III

Apiculture Scientific Method of Rearing Honeybees

The word 'apiculture' comes from the Latin word 'apis' meaning bee. So, apiculture or beekeeping is the care and management of honeybees to produce honey and wax. In this method, bees are bred commercially in apiaries, an area where a lot of beehives can be placed. Usually, apiaries are set up in areas where there are sufficient bee pastures – such as areas that have flowering plants.

Common varieties of bees

The beekeepers mostly take care of only those bee species whose names start with "Apis"- as they are the only species which produce honey. Common species of honey bees that are reared are as follows

Apis dorsata: It is also referred to as the rock bee. It is a giant bee and produces about 38 to 40 kg of honey per colony.

Apis indica: It is also referred to as the Indian bee. It can be easily domesticated and is most used for honey production. The annual yield of honey is 2 to 5 kg per colony.

Apis florea: It is also referred to as the little bee. It rarely stings and thus honey extraction from its hive is easy. It produces about 1 kg of honey per colony per year.

Apis mellifera: It is also referred to as the Italian bee. This species has a very typical dance routine to indicate food availability, and like the little bee, stings less. As the common name suggests, this species is not local. However, because of the high amount of honey produced, it is often reared by beekeepers.

Working at the Beehive

In a colony, there are 10,000 to 60,000 bees! But all of them do not collect nectar, there is a strict division of labour. The queen bee and female bees lay thousands of eggs. Larvae that hatch are fed royal jelly and the duration that they are fed will decide their role as a worker or queen. The drone bees are male and their job is only to help in fertilizing the eggs laid by the queen, and the worker bees do the actual work of collecting nectar.

Products obtained

Bees are mainly reared for their honey. Besides that, we also obtain beeswax through beekeeping. Bees produce honey from the sugary secretions of plants. Although honey is an important ingredient in many food dishes, beeswax holds a lot of commercial significance too. It is used in the cosmetic and medical industry, as well as a coating for cheese, and as a food additive. It is also used as the main component for making candles, preparing polishes for the shoe, furniture, etc.

Importance of Beekeeping

The main advantages of beekeeping are:

- Provides honey, which is the most valuable nutritional food.
- Provides bee wax which is used in many industries, including cosmetics industries, polishing industries, pharmaceutical industries, etc.
- Plays an excellent role in pollination. Honey bees are the best pollinating agents which help in increasing the yield of several crops.

According to the recent studies,

the honey bee's venom contains a mixture of proteins which can potentially be used as a prophylactic to destroy HIV that causes AIDS in humans.

Neha
B.Sc. III

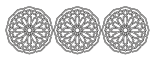

What is Light Pollution

Most environmental pollution on earth comes from earth humans and their inventions.

Take for Example

The automobile or that miraculous human made material plastic.

- Light pollution is a global issue.
- Light pollution is the presence of any unwanted inappropriate or exressive artificial lighting.
- Light pollution can be understood not only as a phenomenon resulting from a specific source or kind of pollution but also as a Contributor to the wider Collective impact of various sources of pollution.

Types of Light Pollution

- There are main four types of light pollution including glare, skyglow, clutter and trespass
- All four types are caused by people leaving on the light at night and can negatively affect humans an surrounding wildlife
- These are important types of light pollution.

Causes of Light Pollution

There are various causes of light pollution depending on the location of one light source and how bright it.

- Light pollution can come from any source that is illuminated artificially which includes any lightbulb that emits into the night.
- Light pollution is a side effect of industrial civilization.

Sources of light pollution includes building exterior and interior lighting, advertising, outdoor area lighting such as car parks offices, factories, street light and illuminated sporting venues.

Effects fo Light Pollution

- An increased amount of light at night lowers melatonin production which results in Sleep deprivation, fatigue, headaches, stress, anxiety and other health problems.
- Research suggests that artificial light at night can negatively affect human health increasing risks for abesity, depression, diabetes, breast cancer and more.
- Light pollution causes waste of energy and puts a strain on the already depleting resources of heath.

Prevention of Light Pollution

- Only install outdoor lights if really needed. The best way to prevent light pollution is to avaid the use of any outdoor lights.
- Use white light low energy LED Lamps.
- Only switch on outdoor lights when absolutely necessary.

Impacts of Light Pollution

- Disrupts the Ecosystem and wildlife (Nocturnal Animals, birds etc.)
- Harms Human Health (Disturbing biological clock creating blue light etc.)
- Decrease Safety (glare from bright lights difficult to adjust to low light

conditions.)

- Increase energy consomption

Shivani Sharma
B.Sc. III

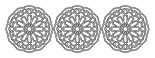

Biodiversity

Biodiversity describes the richness and variety of life an Earth. It is the most complex and important feature of our planet. Without biodiversity, life would not sustain.

The term biodiverstiy was coined in 1985, it is important in natural as well as artificial ecosystem. It deals with nature's variety and the biosphere. It refers to variabilities among plants, animals and microorganism species.

Biodiversity includes the number of different organisms and their relative frequencies in an ecosystem. It also refers the organization of organisms at different levels.

Biodiversity holds ecological and economic significance. It provides us with nourishment, housing fuel, clothing and several the other resources.

It also extracts monetary benefits through tourism therefore, it is very important to have a good knowledge of biodiversity for a sustainable livelihood.

Types of Biodiversity

There are the following three different types of biodiversity:

- Genetic Biodiversity
- Ecological Biodiversity
- Species Biodiversity

- **Genetic Biodiversity-** It refers to the variations among the genetic resaurces of the organisms. Every individual if a particular species differ from each other in their genetic constitution. That is why every humans looks different from each other. Similarly, there are different varieties in the same species of rice, wheat, maize, barley etc.
- **Species Biodiversity**- Species diversity refers to the variety of different types of species found in a particular area. It is the biodiversity at the most basic level. It includes all the species ranging from plants to different micro-organisms. No two individuals of the same species are exactly similar.

For Example:- Humans show a lot of diversity among themselves.

- **Ecological Biodiversity** An ecosystem is a collection of living and nonliving organisms and their interaction with each other. Ecological biodiversity refers to the variations in the plant and animal species living together and connected by food chains and food webs. It is the diversity observed among the different ecosystems in a region. Diversity in different ecosystems like. deserts, rainforests mangroves, etc. include ecological diversity.

Importance of Biodiversity

Biodiversity and its maintenance are very important for sustaining life on Earth. A few of the reasons exploring the importance of biodiversity are.

1. Biodiversity is a reservoir of resources for the manufacture of food, cosmetic products and pharmaceuticals.
2. Crops livestock, fishery, and forests

area a rich sources of food.

3. Wild plant such as cinchona and clove plants are used for medicinal purposes.
4. Wood, fibres, perfumes, lubricants, rubber, resins, poison and cork are all derived from different plant species.
5. The national park and sanctuaries are a source tourism. They are a source of beauty and joy for many people.

Ethical Importance

All species have a right to exist. Humans should not cause their voluntary extinction. Biodiversity preserves different cultures and spiritual heritage. Therefore, it is very important to conserve biodiversity.

Biodiversity in India

India is one of the most diverse nations in the world. It ranks ninth in terms of plant species richness. The world's 25 biodiversity hotspots are found in India. It is the origin if important crops species such as pigeon pea, eggplant, cucumber, cotton and sesame. India is also a centre of various domesticated species such as cereals, legumes, vegetables, medicinal and aromatic crops etc.

India is equally diverse in its formal wealth there are about 91000 animal species found here.

Shivani Sharma
B.Sc. III

Gir National Park

Introduction

The Gir National Park and wildlife sanctuary (also called Sasan Gir) is a wildlife sanctuary and forest located at Talala Gir, Gujarat. It is the only known habitat of the asiatic lion. Established in 1965, it is part of the khathiar Gir deciduous forest ecosystem.

History of Gir National Park.

In the 19th century, the rulers of Indian princely states used to invite the British colonists for hunting expeditions. At the end of the 19th century, only about a dozen Asiatic lions were left in India, all of them in the Gir Forest, which was part of the Nawab of Junagarh's private hunting grounds. British viceroys brought the drastic decline of the lion population in Gir to the attention of the Nawab of Junagadh, who established the sanctuary. Today, it is the only area in Asia where Asiatic lions occur and is considered one of the most important protected areas in Asia because of its biodiversity. The Gir ecosystem with its diverse flora and fauna is protected as a result of the efforts of the government forest department, wildlife activists and NGOs. It is now considered the jewel of Gujarat's ecological resources.

Famous In Gir Forest

The Gir forest is famous for Asiatic lions. Gir forest is also a home for many wild animals and bird species. In 1945 the Gir got the status of a national park only for a reason to conserve Asiatic lions. The Gir national park in Gujarat is famous for lions all over the world. A large number of

Asiatic Lions are spotted.

Type of Forest

The Gir National Park comprises of mixed deciduous forest including teak, Acacia and Banyan trees, scrub and grassland, dry deciduous forest and some marshland.

New Name

Gir National Park also known as "Sasan Gir" is a national park and wildlife sanctury.

End Note

The Gir National Park is the only sanctury where asiatic lions are found. As a result of efforts by the government forest department and wildlife activists The Gir wildlife sanctury is a thriving ecosystem with a diverse flora and fauna. It is now considered an essential fort of Gujarat's ecology

Suhail
B.Sc. III

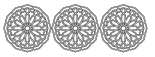

Hydrophonics

Soil is an essential source of nutrients and minerals for growing plants. It also helps in gaseous exchange between the atmosphere and roots and helps to protect plants against erosion and facilitates water retention. However, this article discuses a system. Hydrophonics where plants can be grown without soil.

What is Hydrophonics:-

The hydrophonics definition states that it is the cultivation of plants in water. It is a subcategory of hydroculture and is useful technique of growing plants without soil. In this technique, roots absorb the nutrients present in water and fulfil their growth requirement. Furthermore, through this method, one can grow plants in liquid, sand or gravel by simply adding some nutrients to it.

In recent years, hydrophonics has found application in the field of commercial production and horticulure. Similarly, residents of cities with limited space are using this method to grow fresh plants in their home and surroundings.

In hydrophonics the photosynthesis process is expressed as-

Carbondioxide+water=glucose+oxygen

or $6CO_2+6H_2O=C_6H_{12}O_6+6O_2$

some of the most common hydrophonics examples include the production of artichokes sprouts cabbage peas onions tomatoes and yarns.

Types of Hydrophonics Systems

Here are the different types of hydrophonics systems.

1. Wick System:- In this system the nutrient are pumped from the reservoir and transmitted to plant roots through wick's capillary movement.

2. EBB and Flow:- It is also called the flood and drains system and is often automated via a pump with nutrient solution and is subsequently drained back.

3. Water Culture:- Plants are kept in pots and are placed on a floating platform on top of a container of water and nutrients. To facilities growth and development, the suspended roots are stretched out into the oxygenated solution which is rich in nutrients.

4. Drip System Recovery:- In this setup the nutrient solutions are pumped through a tube and then dropped onto roots through drip lines.

Advantages of Hydroponics:-

The following advantages make the uses of hydroponics more feasible and effective-

1. Higher Yield.
2. Controlled level of nutrition.
3. Plants are healthier and they mature faster.
4. Can be easily eliminated.
5. susceptibility to pests and diseases is negligible.
6. Automation is possible.
7. Water present in the system can be reused which facilitates water conservation.
8. Ease of harvesting.
9. Crops produced are fitter for consumption.
10. Small production space can be optimised effectively.

Irrespective of its benefits and uses hydroponics has its share of disadvantages too.

Disadvantage of Hydroponics

1. The initial cost of investment.
2. The requirement of technical apparatus.
3. The process is often tough and time-consuming.
4. Only specific soluble nutrient are used.
5. The recirculation system is prone to waterborne infection.

Yasha Rani
B.Sc. III

Carbon Footprint

A carbon footprint (or greenhouse gas footprint) is a calculated value or index that makes it possible to compare the total amount of greenhouse gases that an activity, product, company or country adds to the atmosphere carbon footprints are usually reported in tonnes of emissions Co2 equivalent per unit of comparison.

Definition

A formal definition of carbon footprint is as follows. "A measure of the total amount of carbon dioxide (CO_2) and methane (CH_4) emissions of a defined population, system or activity, considering all relevant sources sinks and storage within the spatial and temporal boundary of the population, system or activity of interest. Calculated as carbon dioxide equivalent using the relevant 100 year global warming potential (G WP 100).

Types of greenhouse gas emissions

The greenhouse gas protocol is a set of standards for tracking greenhouse gas emissions. The standards divide emissions into thee scopes (scope 1,2,3) within the value chain.

Direct Carbon emissions (Scope-1)

Direct or scope-1 carbon emissions come from sources on the site that is producing a product or delivering a sevice.

Indirect carbon emission (Scope-2)

Indirect carbon emissions are emissions from sources upstream or downstream from the process being studied. They are also known as scope 2 or scope 3 emissions.

Other Indirect Carbon Emission (Scope-3)

Scope 3 emissions are all other indirect emissions derived from the activities of an organization. But they are from sources they do not own or control. The international sustainability standars board is developing a recommendation to include scope 3 emissions in all GHG reporting.

Purpose and Strengths

The current rise in global average temperature is more rapid than previous changes. It is primary caused by humans burning fossil fuels. The increase in green house gases in the atmosphere is also due to deforestation and agricultural and industrial practices. This include cement production.

Underlying concepts for calculations

The calculation of the carbon footprint of a product service or sector requires expert knowledge and careful examination of what is to be include. Software such as the "Scope 3 Evaluator" an help companies report emissions throughout their value chain.

Problems

Shifting responsibility from corporations to individuals

Critics argue that the original aim of promoting the personal carbon footprint concept was to shift responsibility away from corporations and institutions and to personal lifestyle choises.

Reported Values:- Greenhouse gas (GHG) emissions from human activities intensify the greenhouse effect. The contributes to climate change. Carbon dioxide (CO_2), from burning fossil fuels such as coal, oil, and natural gas, is one of the most imported factors in causing climate change.

Reducing the Carbon footprint

Climate change mitigation (or decarbonisation) is action to limit the greenhouse gases in the atmosphere that cause climate change.

Reducing industry's carbon footprint:- Carbon offsetting can reduce a company's overall carbon footprint by providing it with a carbon credit.

History

The term carbon footprint was first used in a BBV vegetarian food magazine in 1999 though the broader concept of environmental footprint had been used since at least 1979.

The carbon footprint is derived from the language of ecological footprinting. Willian Rees wrote the first academic publication about ecological footprints

Trends and Similar Concepts The International sustainability standards Board (ISSB) aims to bring global, rigorous oversight to carbon footprint reporting. It was formed out of the International financial reporting standards. It will require companies to report on their scope 3 emissions. The ISSB has taken on board criticisms of other initiatives in its aims for universality.

As of early 2023, Great Britain and Nigeria were preparing to adopt these standards.

Nisha
B.Sc. III

Her Mental Health

When I searched for happiness, I looked at others. Only one who searched me was my Mother.

Yes, today I am talking about the person who makes our house home since childhood. We have learned that mother is like God, mother is the strongest. She is capable of anything, Yes she is. But what about the price she has to pay for being the strongest and the amount of untold stories she keeps inside herself just to be a perfect mother. We live in a time when people are more open on topics like anxiety, depression, child's mental health, but we have deeply neglected the mother's mental health. Society is always vocal about women empowerment and wants them to be undependent, strong and care free but it is wrong to pursue a career if she is a mother. If she is a mother, she cannot get holidays. "and she has to always be there for her husband, her son! daughter, apart from all this she cannot have mental health problems because it is socially incorrect. According to some studies about 85% of women suffer from postpartum depression. Therefore, it is important to take care of their mental health at the right time. As time passes, when Kids want their own & pace, husband need, ironed clothes, hot food, clean house no one, wants a mother / wife who asks for a day off. A mom who wants to go to her parents' house for a day. E specially no one wants a sick mother who can not cook hot food and who prefers to share her day with her children.

After reading this if, some of you are still thinking that this is not such a big problem, remember this quote.

"Do it or regret it." That's why it's important that we should not just post Mother's Day status but start asking her about her day. We must first treat her as person who has her own opinions and self respect. It is true that she will never talk about herself or her dreams but you can. Because one day you will have free time and lots to say have free time and lots to say but she will not be there to listen.

Bhumika Raj
Alumna B.A.
Batch of 2021-22

Embracing Present

Life is not an exam to evaluate,
It's like a song to dance to every rhythm.
It's not about bursting with every hurt,
It's like a balloon, enjoying its journey after each jerk.
It's not about fearing uncertainty,
It's the way that leads us to our true self.
It's not about holding the past and worrying about the future,
It's about becoming an observer of the present.
It's not about the end of suffering,
It's about the continuous process of learning.
And we can't define life in few lines,
Because it is a blessing of the divine.

Sakshi Tyagi
Alumna B.A.
Batch of 2020-21

My Most Inspiring Moment: The Power of Solitude

Life is all about getting inspired or inspiring others. It's inspiration that we all seek for and that drives us all. But when the inspiration is within us that is just something else because experience is not what happens to us but it is what we do with what happens to us.

So basically talking about my most inspiring moment, this time it's me who inspired me the most and reason being truly spiritual and having immense faith in Almighty.

Talking about my journey in the form of inspiration, from 2023 onwards, I captivated a sense of loneliness, numbness and depressed state of mind as I was alone at home I don't have anyone to talk to or to look at and steadily I kept drowning in it like I couldn't sleep. I did not feel like doing anything 24*7 and soon it became my routine for a couple of months.

Then one day I realised that it needed to be stopped and I started analysing myself because there was nobody else. I did not feel like talking to anyone and then what actually helped me was only my faith in God and if He is there what else would I need more and then it became my own source of inspiration and support. Listening to bhajans, talking to God, talking to myself, having felt it as an ultimate source of peace , enjoying myself -my peaceful company surrounded by nature, listening to music, dancing and living freely I came to meet myself. And it is when I realised how sacred solitude actually is and nothing can be more beautiful than that. Soon I realised that peace too craves solitude and vice versa.

I found myself happiest finding happiness in the smallest things - especially nature and its beauty. The calmness and stillness it provides us is what we all crave for.

Managing all the household chores, studies and all the hectic days sometimes I find myself down but I along with God, nature and in the best company of books cheer me up. The entire journey is so overwhelming for which I am extremely grateful, initially the worst but turn out with the best part of life.

The best lessons I learn here are:

- Being spiritual is the foundation of our happiness; it guides us in the times of turmoil and grounds us in the times of joy.
- I realised the power of having a positive state of mind while dealing with problems constructively.
- I got to know the principle of gratitude and positivity in the bleakest situation is the fundamental key towards peace and joy within.
- Best thing I learned was reflecting upon myself regularly and for me it has always been the smallest things - smiling in trouble, gathering stress from distress, growing brave by reflection, and having a firm heart who believes in Karma and doing good for making this world a better place in each way possible, stay grounded and leading a simplified life.

The power of Solitude:- Some people may call it bad/worst but in my opinion it's the best way to live our life filled with peace, joy and gratitude within. We just need to have faith, transparency, compassion, self awareness within us and firmness in God. Nothing else doesn't even matter. Keep going in the direction of your dreams, nothing could stop you.

Aakansha Mudgal
B.A. III

Most Inspiring Persons in Life - My Parents

My family is very inspiring to me. I am very thankful that my parents brought me into this world. Growing up my parents always showed me how exactly things work in life. One of the hardest things that I had to accept was that I could not have everything I wanted. There were times when my parents spoiled me but I was always taught to be thankful of the things that I had and to not be selfish. Having one other sibling helped me prevent the want of being selfish. I do not know what I would do without my family. My family is my very inspiring because they show me all aspects on how I should live my life through their experiences like education, parenting and work ethic. My family's past experiences also teach me how to live my life the best way possible. For ex:- my parents did not finish college, so they were not able to obtain lucrative careers. Not finishing or not even going to college can take a toll on your life. If my parents finished college, our life would have been more successful financially. Although my parents did not have the best money. No matter what the circumstances were my parents worked wherever for how- ever long to give us the life we deserved. When my sibling and I were little, my mom would stay home and take care of us and my dad works two jobs. My mom always told me that my dad would never complain about working, just as long as he would afford to keep a roof over our head and food on table, he was happy. My father would even come home late nights, play with us and I loved every moment of it. As my sibling and I got older my mom went back into the work force and just like my dad would work as long as she could every day. My parents both have stuck with the same jobs for years. Seeing this made me learn that once you have something you are good at, you have to maintain it. Even though it may not be the best job, you still are able to show how good of a work ethic you. My parents inspire me the most because they never give up on my dreams and they always encouraged me to pursue my passions and follow my dreams.

Taniya Verma
B.A. III

Restoring Earth, Building Resilience Against Desertification and Drought

Introduction

World Environment Day, celebrated annually on June 5th, serves as a global platform for raising awareness and taking action on pressing environmental issues. The theme for this year, "Restoring Earth: Building Resilience Against Desertifi-

cation and Drought," highlights the urgent need to address land degradation, desertification, and drought, which pose significant threats to ecosystems, livelihoods, and biodiversity worldwide.

Body

Desertification and drought are complex environmental challenges exacerbated by climate change, unsustainable land management practices, deforestation, and overexploitation of natural resources. These phenomena not only degrade soil quality but also disrupt ecosystems, diminish agricultural productivity, and increase vulnerability to food insecurity and poverty.

Restoring Earth entails implementing holistic strategies to mitigate desertification and drought while fostering resilience in affected regions. One approach is promoting sustainable land management practices such as agroforestry, conservation agriculture, and watershed management. These practices help restore soil fertility, enhance water retention, and prevent erosion, thereby revitalising degraded landscapes and improving agricultural productivity.

Furthermore, afforestation and reforestation efforts play a crucial role in restoring ecosystems and mitigating the adverse effects of desertification and drought. By planting native tree species and restoring degraded forests, we can enhance biodiversity, regulate water cycles, and create green corridors that support wildlife habitats and ecosystem services.

Building resilience against desertification and drought also requires strengthening community-based adaptation strategies and promoting sustainable livelihoods. Investing in climate-resilient agriculture, water harvesting techniques, and alternative income-generating activities empowers communities to adapt to changing environmental conditions while reducing their vulnerability to land degradation and water scarcity.

Moreover, integrating traditional knowledge and indigenous practices into sustainable land management initiatives fosters cultural resilience and enhances the effectiveness of conservation efforts. Indigenous communities have long-standing relationships with their land and possess valuable knowledge of local ecosystems, which can inform adaptive strategies and promote ecosystem restoration.

In addition to local actions, addressing desertification and drought requires coordinated efforts at the national and international levels. Governments, civil society organisations, and the private sector must collaborate to implement policy frameworks, provide financial incentives, and support research and innovation in sustainable land management and climate adaptation.

Furthermore, enhancing global cooperation through platforms such as the United Nations Convention to Combat Desertification (UNCCD) and the Paris Agreement fosters collective action and knowledge sharing to address transboundary land degradation and climate-related challenges.

Conclusion

Restoring Earth and building

resilience against desertification and drought are essential components of sustainable development and climate action. By embracing nature-based solutions, empowering communities, and fostering international cooperation, we can safeguard our planet's precious resources, protect vulnerable ecosystems, and create a more resilient and sustainable future for all. As stewards of the Earth, it is our collective responsibility to take bold and decisive action to restore and protect our planet for current and future generations.

Aakanksha Mudgal
B.A. III

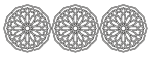

समाचारिका

सत्र-2023-24

सूचना विचार का बीज है तथा यह तभी
पनपता है जब इसे अनुकूल वातावरण मिले।
हेंज बी. बर्गेन

राष्ट्रीय सेवा योजना
2023-24

डॉ० अनुमिश्रा
(प्रभारी–प्रथम इकाई)
डॉ० जितेन्द्र कुमार
(प्रभारी–द्वितीय इकाई)

राष्ट्रीय सेवा योजना, भरत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा संचालित एक सक्रिय कार्यक्रम है, जिसके अंतर्गत युवा शक्ति के व्यक्तिगत व सर्वांगीण विकास हेतु विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। मान्यवर कांशीराम राजकीय महाविद्यालय, नन्दग्राम, गाजियाबाद में राष्ट्रीय सेवा योजना की दो इकाईयाँ संचालित है, जिसमें वर्ष भर स्वयंसेवकों द्वारा विभिन्न गतिविधियों में प्रतिभाग किया गया। प्रथम इकाई में 100 छात्रायें एवं द्वितीय इकाई में 100 छात्र–छात्रायें हैं। इस योजना का उद्देश्य छात्र–छात्राओं में विद्यार्थी जीवन से ही राष्ट्रहित एवं समाज सेवा के प्रति समर्पित होना है।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत 4 एक दिवसीय शिविर एवं 1 सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त वर्ष पर्यन्त निम्नवत् कार्यक्रम आयोजित किए गये–

1. दिनांक 27/07/2023 को सड़क सुरक्षा जुलाई माह के अंतर्गत पोस्टर, निबंध, क्विज प्रतियोगिता, रैली एवं सड़क सुरक्षा शपथ ली गई।
2. दिनांक 23/09/2023 को एनएसएस स्थापना दिवस गाँधी सेन्चुयरी डे के रूप में मनाया गया।
3. दिनांक 02/10/2023 को महात्मा गाँधी व शास्त्री जयंती के उपलक्ष्य में प्रभात फेरी, ध्वजारोहण, शपथ ग्रहण एवं महाविद्यालय परिसर की साफ सफाई की गई।
4. दिनांक 03/10/2023 को स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत निबंध लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई।
5. दिनांक 09/08/2023 को मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत पंच प्रण प्रतिज्ञा तथा सेल्फी विद माटी कार्यक्रम आयोजित किया गया।
6. दिनांक 11/08/2023 को मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई।
7. दिनांक 15/08/2023 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण, राष्ट्रगान एवं रैली आयोजित की गई।
8. दिनांक 18/10/2023 को आपदा प्रबंधन जन जागरूकता कार्यक्रम हुआ।
9. दिनांक 19/10/2023 को सड़क सुरक्षा अक्टूबर माह के अंतर्गत जन जागरूकता रैली निकाली गई।
10. दिनांक 17/10/2023 को मिशन शक्ति फेज 4.0 के अंतर्गत छात्राओं के स्वास्थ्य वर्धन, सशक्तिकरण, स्वालंबन हेतु अतिथि व्याख्यान आयोजित किया।
11. दिनांक 20/10/2023 को मिशन शक्ति 4.0 के अंतर्गत जन जागरूकता रैली निकाली गई।
12. दिनांक 30/10/2023 को बालिकाओं के स्वास्थ्यवर्धन व पोषण विषय पर एक निबंध व पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई।
13. दिनांक 30/10/23 से 04/11/ 2023 तक स्वयंसेवकों को स्वरक्षा हेतु मार्शल आर्टस/जूड़ो का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
14. दिनांक 31/10/2023 को मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के समापन समारोह में नई दिल्ली में स्वयंसेवकों व कार्यक्रम अधिकारी द्वारा प्रतिभाग किया गया।
15. दिनांक 02/11/2023 को महिला सुरक्षा हेतु गोष्ठी एवं परामर्श सत्र का आयोजन किया गया।
16. दिनांक 03/11/2023 को प्रथम एक

दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत आपदा प्रबंधन जन जागरूकता कार्यक्रम, प्रतियोगिताएँ एवं प्रेरणात्मक संवाद का आयोजन किया गया।

17. दिनांक 06/11/2023 को सड़क सुरक्षा नवंबर माह के अंतर्गत स्वयंसेवकों द्वारा मलीन बस्तियों में जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

18. दिनांक 07/11/2023 को एक योग सत्र आयोजित किया गया।

19. दिनांक 01/12/2023 को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर रैली, नुक्कड़ नाटक, पोस्टर, पेम्फलेट व स्लोगन द्वारा जनजागरूकता अभियान चलाया गया।

20. दिनांक 15/12/2023 को सड़क सुरक्षा दिसंबर माह के अंतर्गत जनजागरूकता रैली एवं नुक्कड़ नाटक आयोजित किया गया।

21. दिनांक 09/01/2024 को माय भारत पोर्टल पर पंजीकरण करने हेतु शिविर आयोजित की गई।

22. दिनांक 12/01/2024 को राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर द्वितीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया।

23. दिनांक 16/01/2024 को सड़क सुरक्षा जनवरी माह के अंतर्गत एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

24. दिनांक 20/10/2024 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में एक क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई।

25. दिनांक 23/01/2024 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में जन जागरूकता रैली व शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त सड़क सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत मानव श्रंखला, शपथ व जन जागरूकता रैली निकाली गई।

26. दिनांक 24/01/2024 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर स्लोगन व पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई।

27. दिनांक 25/01/2024 को नमो मतदाता कार्यक्रम का सजीव प्रसारण छात्र–छात्राओं को दिखाया गया।

28. दिनांक 06/02/2024 को सड़क सुरक्षा फरवरी माह के अंतर्गत जन जागरूकता रैली निकाली गई।

29. दिनांक 26/02/2024 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में विश्व युवक केन्द्र, नई दिल्ली व व्यापक फाउन्डेशन द्वारा एक गोष्ठी आयोजित की गई।

30. दिनांक 28/02/2024 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर एक डॉक्यमेन्ट्री दिखाई गई।

31. दिनांक 29/02/2024 को तीसरे एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया।

32. दिनांक 01/03/2024 से 07/03/2024 तक राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया जिसकी थीम "स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत" व "बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं" रखी गई। इस शिविर के अंतर्गत साइबर सिक्युरिटी, साइबर क्राइम, महिला सशक्तिकरण, व्यक्तित्व विकास, कैरियर के अवसर, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, एजुकेशन का महत्व, सर्वांगीण विकास, वृक्षारोपण एवं क्रीडा का महत्व, योग व्यायाम एवं संगीत का महत्व, समाज कल्याण, दर्शन का जीवन में महत्व, स्ट्रेस मैनेजमेन्ट आदि महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान आयोजित किये गये। शिविर के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा आस–पास के इलाकों की साफ–सफाई की गई। इन अवसरों पर विभिन्न प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की गई जैसे–पर्यावरण संरक्षण के अंतर्गत कागज के थैले बनाना, पोस्टर प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, जन जागरूकता रैली आदि। इसके अतिरिक्त षष्ठम दिवस में एक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत आंख, ब्लड ग्रुप टेस्ट, सीबीसी, शुगर, ब्लड प्रेशर आदि की जाँच की गई। शिविर के समापन पर

प्राचार्या प्रो0 (डॉ0) संगीता गुप्ता द्वारा स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया तथा शिविर के सफल समापन हेतु बधाई देते हुए समाज सेवा की भावना को जीवंत रहने के लिए प्रेरित भी किया एवं आश्वासन लिया।

33. दिनांक 11/03/2024 को चतुर्थ एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया।

समस्त कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 जितेन्द्र कुमार व डॉ0 अनु मिश्रा द्वारा किया गया। इन अवसरों पर महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक गण व कर्मचारी उपस्थित रहे। समस्त कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो0 (डॉ0) संगीता गुप्ता के कुशल निर्देशन व मार्गदर्शन में सम्पन्न हुए।

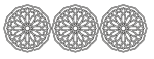

राष्ट्रीय कैडेट कोर

ए0एन0ओ0 ले0 (डॉ0) मीनू वार्ष्णेय
प्रभारी

एन0सी0सी0 कैडेट्स के द्वारा "लाइफ मिशन कार्यक्रम" (पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली) के अन्तर्गत पर्यावरण जनसहभागिता एवं संवेदीकरण हेतु "ऊर्जा संरक्षण" विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता, स्लोगन लिखो प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया गया। ई वेस्ट रिसाइकलिंग विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता, नुक्कड नाटक तथा जनजागरूकता हेतु रैली का आयोजन एन0सी0सी0 यूनिट द्वारा किया गया।

योग दिवस की पूर्व संध्या पर कैडेट्स द्वारा योगा की फाइल बनायी गयी जिसमें योग का संक्षिप्त परिचय, इतिहास तथा विभिन्न आसनों के करने की विधि, लाभ तथा बरती जाने वाली सावधानियों के बारें में लिखा गया। योगदिवस पर महाविद्यालय में कैडेट्स द्वारा योग किया गया।

दिनांक 1/07/2023 को कैडेट्स ने एम0एम0जी0 अस्पताल जाकर डॉक्टर्स को ग्रीटिंग कार्ड व फूल देकर उन्हे सम्मानित किया तथा उनके साथ डॉक्टर्स डे मनाया। (दैनिक जागरण, अमर उजाला में प्रकाशित)

महाविद्यालय की एन0सी0सी0 यूनिट द्वारा महाविद्यालय के प्रांगण में आम, जामुन, अमरूद, शीशम आदि का वृक्षारोपण किया गया (दैनिक जागरण में प्रकाशित)। दिनांक 26/07/2023 को महाविद्यालय में कैडेट्स के द्वारा कारगिल विजय दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कारगिल फतह का वीडियो भी दिखाया गया।

सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के अन्तर्गत कैडेट्स द्वारा भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया गया। अगस्त माह में महाविद्यालय में आयोजित स्वतंत्रता दिवस पर कैडेट्स ने बढ़ चढ़कर कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

माननीय प्रधानमंत्री के आहवाहन पर महाविद्यालय की एन0सी0सी0 यूनिट ने स्वच्छता ही सेवा अभियान के अन्तर्गत महाविद्यालय प्रांगण की सफाई कर श्रमदान किया (दैनिक जागरण में प्रकाशित)।

सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान में आयोजित रोड सेफ्टी शेसन में कैडेट्स ने नियमों की जानकारी प्राप्त की (दैनिक जागरण में प्रकाशित)।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर एन0सी0 सी0 कैडेट्स ने पोस्टर बनाकर आई0टी0एस मोहन नगर में आयोजित कार्यक्रम में उनकी प्रदर्शनी लगाई। उक्त सभी कार्यक्रमों का संचालन 13 यू0पी0 गर्ल्स बटालियन की ए0एन0ओ0 व महाविद्यालय की प्रवक्ता ले0 (डॉ0) मीनू वार्ष्णेय द्वारा किया गया तथा महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो0 (डॉ0) संगीता गुप्ता का कुशल मार्ग निर्देशन प्राप्त हुआ।

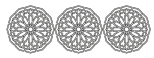

रोवर्स-रेंजर्स

डॉ श्वेता शर्मा (रेंजर्स प्रभारी)
डॉ भगत सिंह (रोवर्स प्रभारी)

महाविद्यालय में स्काउट–गाइड स्कीम के अन्तर्गत रोवर्स इकाई व रेंजर्स इकाई

कार्यरत हैं। पूरे सत्र पर्यन्त रोवर्स–रेंजर्स इकाई के अन्तर्गत महाविद्यालय में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गयी। जुलाई माह में रोवर्स–रेंजर्स ने स्वच्छता एवं सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली निकाली व पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की। 15 अगस्त को स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर रोवर्स–रेंजर्स ने सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये। 02 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गयी व महाविद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाकर सफाई की गयी। नवम्बर माह में रोवर्स–रेंजर्स ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस पर स्लोगन बनाकर रोवर्स–रेंजर्स नें एड्स जागरूकता रैली निकाली। 25 जनवरी को रोवर्स–रेंजर्स ने मतदान दिवस के अवसर पर मतदान की शपथ ली व नवमतदाता सम्मेलन का सजीव प्रसारण देखा। 23 जनवरी को रावर्स–रेंजर्स ने श्रृंखला बनाकर सड़क सुरक्षा की शपथ ली।

दिनांक 08/02/2024 से 12/02/2024 तक महाविद्यालय में रोवर्स–रेंजर्स के पाँच दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया जिसमें विक्रान्त रोवर्स क्रू एवं रानी लक्ष्मी बाई रेंजर्स दल ने प्रतिभाग किया। शिविर के प्रथम दिवस उद्घाटन सत्र के पश्चात ट्रेनर मधुबाला ने रोवर्स–रेंजर्स को विभिन्न अवसरों पर बजायें जाने वाली तालियां, गांठे व स्काउट–गाइड नियमावली के विषय में जानकारी प्रदान की। रोवर्स–रेंजर्स को पुल व स्ट्रेचर निर्माण करना भी सिखाया गया। शिविर के अन्तर्गत कु. मायावती राजकीय महिला स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय की सलाहकार **डॉ सुशीला ने भारत स्काउड–गाइड के अन्तर्गत रोजगार के अवसर** विषय पर रोवर्स–रेंजर्स को अतिथि व्याख्यान प्रदान किया जिससे छात्र–छात्रायें अत्यन्त लाभान्वित हुये।

शिविर के द्वितीय दिवस स्काउट झंडारोहण व गीत के साथ कैम्प का शुभारम्भ हुआ। कु0 मायावती राजकीय महिला स्नात्तकोतर महाविद्यालय, गाजियाबाद की रेंजर्स प्रभारी **डॉ बॉबी यादव ने बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट** विषय पर रोवर्स–रेंजर्स को लाभकारी व्याख्यान प्रदान किया व कार्यशाला करायी। डॉ बॉबी यादव ने खाली कोल्ड ड्रिंक की बोतल से सुन्दर आकर्षक फ्लावर/प्लान्ट पॉट का निर्माण करना सिखाया। ट्रेनर मधुबाला ने रोवर्स–रेंजर्स को योग एंव विभिन्न प्रकार की मुद्रायें करना सिखाया। उन्होनें लाठियों एंव रस्सी के माध्यम से टैन्ट निर्माण का अभ्यास कराया।

शिविर के तृतीय एवं चतुर्थ दिवस स्काउट–गाइड ट्रेनर श्रीमति मधुबाला ने रोवर्स–रेंजर्स को लाठी व रस्सी के माध्यम से विभिन्न मॉडलों का निर्माण करना सिखाया। ट्रेनर ने विभिन्न योग मुद्रायें भी सिखयी। रोवर्स–रेंजर्स ने महाविद्यालय में वृहद् स्वच्छता अभियान चलाया व महाविद्यालय परिसर व बाहरी तल की साफ–सफाई की लाठी व रस्सी की सहायता से पुल व स्ट्रेचर निर्माण करना सिखाया।

शिविर के अन्तिम दिवस रोवर्स–रेंजर्स ने प्रान्तों के नाम पर अपने दल बनाकर टैन्ट लगाये। गंगा दल, यमुना दल, सतलज दल, कावेरी दल, नर्मदा दल, साबरमति दल रेंजर्स इकाई के व महाराष्ट्र प्रान्त, दक्षिण भारत व उत्तर भारत रोवर्स इकाई के टैन्ट रहे। अपने प्रान्तों की संस्कृति के तत्वों को टैन्ट के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। प्राचार्या जी के नेतृत्व में निर्णायक मंडल ने सभी टैन्टों का निरीक्षण किया। अपने प्रान्तों का भोजन भी फूड प्लाजा के माध्यम से छात्र–छात्राओं ने बनाया व सभी ने मिलकर सहभोज किया। रोवर्स–रेंजर्स ने अपने प्रान्तों के लोकनृत्यों का भी प्रदर्शन किया। समस्त शिविर का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर संगीता गुप्ता

के कुशल मार्गदर्शन में रेंजर्स प्रभारी डॉ श्वेता शर्मा व रोवर्स प्रभारी डॉ0 भगत सिंह द्वारा किया गया।

साहित्य सांस्कृतिक परिषद स्पंदन

डॉ निधि शुभानन्द
समारोहिका

महाविद्यालय के समेकित जीवन की अभिवृद्धि में शिक्षक सहगामी गतिविधियों का अभूतपूर्व योगदान रहता है। महाविद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों के साथ–साथ सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन छात्र–छात्राओं के चहुंमुखी विकास हेतु अत्यंत आवश्यक है। इन गतिविधियों से विद्यार्थियों में सामाजिकता की भावना, नेतृत्व के गुण, आपसी सहयोग, सहनशीलता जैसी महत्वपूर्ण भावनाओं का विकास होता है और वे भविष्य में आने वाले विभिन्न संघर्षो एवं कठिनाइयों से मुकाबला करने के लिए तैयार होते हैं।

मान्यवर कांशीराम राजकीय महाविद्या –लय, गाजियाबाद की साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद "स्पंदन" आदरणीय प्राचार्य, प्रो संगीता गुप्ता के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में विभिन्न राष्ट्रीय पर्व, महापुरूषों की जयंती एवं राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय महत्व के दिवसों पर विविध सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन कर विद्यार्थियों के सर्वज्ञ विकास में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करती है। सत्र 2023–24 में भी राष्ट्रीय महत्व के पर्वों यथा स्वतंत्रा दिवस, गांधी एवं शास्त्री जयंती तथा गणतंत्र दिवस का आयोजन महाविद्यालय में पूर्ण गरिमा के साथ उल्लास पूर्वक किया गया।

माह सितंबर में महाविद्यालय में शिक्षक दिवस के अवसर पर देश के द्वितीय राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉक्टर राधाकृष्णन को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों ने शिक्षा से जुड़े समसामयिक मुद्दों पर चर्चा की। महाविद्यालय के नव प्रवेशित छात्र–छात्राओं हेतु माह नवंबर में अभिविन्यास कार्यक्रम दीक्षारंभ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय में संचालित होने वाली समस्त गतिविधियों की जानकारी छात्र–छात्राओं को दी गई। साथ ही उन्हें महाविद्यालय के नियमों के विषय में भी बताया गया। दिनांक 31/10/2023 को महाविद्यालय में सरदार वल्लभभाई पटेल की जंयती के अवसर पर "राष्ट्रीय एकता दिवस" के कार्यक्रम को आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं को लौह पुरूष सरदार पटेल के कृतित्व एवं व्यक्तित्व से परिचित कराया गया। छात्र–छात्राओं सहित महाविद्यालय के समस्त शैक्षिक तथा गैर शैक्षणिक स्टाफ एवं प्राचार्य महोदय ने राष्ट्रीय एकता की शपथ ग्रहण की। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी महर्षि वाल्मीकि जयंती, पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई जयंती, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती आदि का आयोजन भव्यता पूर्ण ढंग से किया गया। राष्ट्रीय युवा दिवस एवं पराक्रम दिवस का आयोजन जनवरी माह में किया गया दिनांक 23/01/2024 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर छात्र–छात्राओं को नेताजी के अदम्य साहस देश प्रेम एवं अद्भुत समर्पण की भावना से परिचित कराया गया नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती को माहविद्यालय में गरिमा पूर्ण तरीके से पराक्रम दिवस के रूप में मनाया गया।

दिनांक 21/03/2024 को महाविद्या –लय के वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह "उल्लास" का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. श्याम सुंदर सिंह चौहान, रिटायर्ड एसोसिएट प्रोफेसर, राजकीय महाविद्यालय को आमंत्रित किया गया था।

विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती सुनीति गुप्ता ने समारोह की गरिमा बढ़ाई। इस अवसर पर वर्ष पर्यंत आयोजित होने वाली विविध प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्राचार्य तथा मुख्य अतिथि द्वारा मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर गत वर्ष की परीक्षा में विज्ञान, वाणिज्य एवं कला संकाय के प्रथम स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस प्रकार सत्र 2023–24 साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद द्वारा महाविद्यालय में विविध गतिविधियों का आयोजन कर छात्र–छात्राओं हेतु सुरूचि पूर्ण वातावरण के निर्माण में सहयोग प्रदान किया गया इस हेतु महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर संगीता गुप्ता, सांस्कृतिक समारोह समिति के सदस्यों एवं समस्त महाविद्यालय परिवार एवं छात्र–छात्राओं का अभूतपूर्व सहयोग प्राप्त हुआ।

पर्यावरण क्लब

डॉ ज्योति यादव
प्रभारी

सत्र 2023 – 24 पर्यावरण क्लब की गतिविधियों से भरपूर रहा। दिनांक 22.7.2023 को मान्यवर कांशीराम राजकीय महाविद्यालय गाजियाबाद में प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ) संगीता गुप्ता के सफल निर्देशन में तथा पर्यावरण क्लब के तत्वावधान में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें आम, जामुन, अमरुद, गुड़हल, चांदनी, चमेली, गुलमोहर तथा आंवला के लगभग 300 पौधे रोपित किए गए। इस कार्यक्रम में समस्त विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

अक्टूबर माह में महाविद्यालय परिसर में लगे गुलाब के पौधों की छंटाई से तैयार कलमों का पर्यावरण क्लब द्वारा दिनांक 11.10.2023 को क्यारियों में रोपण किया गया। महाविद्यालय में लगे समस्त पेड़ पौधों की समुचित वृद्धि एवं संरक्षण हेतु समय–समय पर उनकी गुड़ाई, छंटाई तथा आवश्यकतानुसार खाद एवं कीड़ों की दवाई आदि का छिड़काव किया जाता है। उक्त कार्य हेतु विद्यार्थी एवं महाविद्यालय कर्मचारी का विशेष परिश्रम एवं योगदान रहता है।

दिनांक 25 .10. 2023 को पर्यावरण क्लब, इनोवेशन काउंसिल एवं एन.एस.एस के संयुक्त तत्वावधान में **बेस्ट आउट ऑफ़ वेस्ट प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों द्वारा पुराने अखबार, जूट, नारियल तथा अन्य अनुपयोगी वस्तुओं से सुंदर शोपीस, वॉल हैंगिंग, पेन होल्डर आदि का निर्माण किया गया । इस प्रतियोगिता के विजेता है –

1. दिव्या आर्य, बीएससी प्रथम वर्ष (प्रथम)
2. तनु, बी.ए. द्वितीय वर्ष (प्रथम)
3. हर्ष कुमार, बीएससी प्रथम वर्ष (प्रथम)
4. डिंपल कुमारी, तृतीय वर्ष (द्वितीय)
5. संजना रानी, बीएससी प्रथम वर्ष (द्वितीय)
6. सिमरन, बी.ए. प्रथम वर्ष (द्वितीय)
7. अनु, बीएससी प्रथम वर्ष (द्वितीय)
8. तानिया वर्मा, बी.ए. तृतीय वर्ष (तृतीय)
9. सोहेब, बीएससी प्रथम वर्ष (तृतीय)
10. गुनगुन, बीएससी प्रथम वर्ष (तृतीय)
11. पूजा वर्मा, बी.ए. प्रथम वर्ष (सांत्वना)
12. राखी गुप्ता, बीएससी प्रथम वर्ष (सांत्वना)
13. अंशु यादव, बी.ए. प्रथम वर्ष (सांत्वना)

दिनांक 04.11.2023 तथा 06. 11.2023 को महाविद्यालय परिसर की सौंदर्य अभिवृद्धि हेतु पर्यावरण क्लब द्वारा सर्दी के मौसम के विभिन्न फूलों वाले पौधों साल्विया, पेटूनिया, गुलदाउदी आदि का रोपण किया गया।

पर्यावरण क्लब द्वारा महाविद्यालय परिसर में अक्टूबर माह के अंतिम सप्ताह में कैलेंडुला पौधे के बीजों का रोपण किया गया। लगभग चार सप्ताह की देखभाल से तैयार नन्हें पौधों का

विभिन्न क्यारियों में दिनांक 21.11. 23 से 23. 11.23 तक रोपण किया गया। इन पौधों के पल्लवित पुष्पों से महाविद्यालय परिसर के सौंदर्य में अभिवृद्धि हुई।

दिनांक 18.03.2024 से 30.03.24 तक पर्यावरण क्लब द्वारा महाविद्यालय परिसर में बीजों से तैयार सूरजमुखी के नन्हें पौधों का विभिन्न क्यारियों में रोपण किया गया जिसमें पर्यावरण क्लब के विद्यार्थियों एवं समस्त प्राध्यापकों का सहयोग प्राप्त हुआ । महाविद्यालय प्रांगण में रोपित करने के उपरांत बचे हुए पौधों को विद्यार्थियों में वितरित करके उन्हें भी प्रकृति के साथ जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया।

The Shakespearean Council (Department of English)

Dr. Jyoti Yadav
Associate Professor

"We are such stuff as dreams are made on, and our little life is rounded with a sleep"– Shakespeare (The Tempest)

The Department of English organizes many such events and activities from time to time that help enhance and develop the students' language and communication skills.On 05.06.2023, an enlightening online guest lecture was organized on the topic **"Indian Literature in Translation."** The lecture was delivered by Km. Rashmi, Assistant Professor, Deptt of English, NAS PG College, Meerut. She talked about the genre of translation and its procedure.

Career Counselling sessions

were conducted with the students on Sep. 15 and 16, 2023. Their choice of career was discussed with them, and they were advised properly as to what step-by-step process they should follow to achieve their goals. They were also advised to read newspapers and competitive exam-related magazines regularly and develop their own vocabulary bank.

Department of English Council was formed on 20.10.23. The following students were elected as part of the Council:

Chief Patron - Prof. (Dr.) Sangita Gupta.
Patron - Dr. Jyoti Yadav
President - Ms. Aakanksha Mudgal, BA III
Vice-President - Ms. Taniya Verma, BA III
Secretary - Ms. Anchal S. Sharma, BA III
Treasurer - Mr. Umesh, BA II
Members:-
1. Mr. Nikhil Kumar Singh, BA II.
2. Mr. Sushil Kumar, BA II.
3. Ms. Chandani,BA I.

Along with the members of the Association, the following class representatives were also elected –

1. BA III – Shaheen, BA III
2. BA II –Sonu Singh, BA II
3. BA I – Anshu Yadav, BA I

The first competition organized by the Shakespearean Council was **'My Most Inspiring Moment Competition'** on 30.10.23. In this competition, the students were asked to write an article on any important event in their lives that changed their attitude and perspective. The winners of this competition were –

1.Taniya Verma B.A. III -First Position
2.Aakansha Mudgal B.A. III - Second Position
3. Pooja Verma B.A. I - Third Position

'Creative Sketch / Poster Competition' was organized on 30.10.23 by the Shakespearean Council. In this competition, the students were asked to make a beautiful sketch / Poster of their favourite author or poet on a plain A4 size paper. The winners of this competition are –

1.Taniya Verma B.A. III - First Position
2.Vandana B.A. III - Second Position
3. Maya B.A. III - Third Position
4. Simran B.A. I - Third Position

Another online guest lecture on **"The Impact of the Renaissance on English Literature"** was organized on 03.11.2023. The lecture was delivered by Abhijeet Sharma, Research Scholar, Deptt of English, CCS University, Meerut. He discussed the Renaissance as a cultural movement that marked the transition from the Middle Ages to modernity.

Visual memories and visual experiences create a far deeper influence than things that are

only read and heard. Therefore, the Shakespearean Council organized screenings of the movies/ short movie/documentary which are based on the books prescribed in the syllabi of Deptt of English students. Screening of a short movie based on O. Henry's masterpiece **'The Last Leaf'** was organised on 05.12.23. Screening of a movie based on G B Shaw's popular comedy **'Arms and the Man'** was organised on 06.12.23. Screening of the movie **'King Lear'** on Shakespeare's famous tragedy 'King Lear' was organised on 07.12.23. Another screening of a movie based on **'She Stoops to Conquer'**, a comedy written by Oliver Goldsmith, was organized on 08.12.23. One more screening of the movie **'Murder in the Cathedral'** based on a play written by T S Eliot, was organised on 12.12.2023. An essay titled 'The Conquest of the world by Indian Thought' based on Swami Vivekanand's lecture is prescribed in the syllabus of BA I semester I. To familiarise the students more insightfully with his ideology and philosophy, yet another screening of a documentary on his 'Chicago Speech' was conducted on 13.12.23

A bilingual student seminar was organized on 19.03.24 by the Shakespearean Council in association with the Department of Home Science.The students expressed their views and gave presentations on the topics – **'Today's Youth and Social Media'** and **'The Role of Women in Present-day Society'.** The winners of the student seminar are –

1.Aakansha Mudgal B.A. III - First Position
2.Aanchal Sunil Sharma B.A. III-Second Position
3.Shivansh Pandey B.A. III - Second Position
4.Taniya Verma B.A. III - Third Position
5.Tripti Sunil Sharma B.A. III - Third Position
6.VandanaB.A. III - Third Position

A small English libraryis being continued by the Shakespearean Council. Books on English literature, general English, motivational, and self-help books are kept for the students. The students appreciated the idea and used this facility. To inculcate reading habits amongst students, a reading corner is created in the Department of English room where English newspapers and books are kept for their leisure reading.Wall Journalcontinues to give an opportunity to the Department of English students to enhance their creative writing and expression power.

E-content has become the need of the times. Therefore, e-contents were made for BA I, BA II and BA III in the form of video lecture, PPT and pdf etc. It was distributed through WhatsApp group of the students. 101 educational videos are already on YouTube channel to help the students for better preparation and revision. The videos have received 24,059 views from the students, which is very satisfying.

The Shakespearean Council and its alumni are bound to each other. The Shakespearean Council receives their articles, poems, and write-ups for the college magazine. The alumni of the Shakespearean Council have separate WhatsApp groups where communication takes place with one click only.

The Session 2023-24 was full of new learning and discovery. The students eagerly participated in all the activities, events, and competitions. They also displayed their poetic and literary interest and flair for writing by penning stories, poems, and articles for our college magazine, Abhivyakti. The Department of English, along with its students, will keep on striving for excellence and advancement with fervour and enthusiasm.

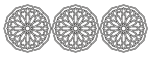

राजनीति विज्ञान विभाग परिषद्

डॉ० राजीव वर्मा
असि. प्रोफेसर

इस वर्ष, राजनीति विज्ञान विभाग ने अकादमिक उत्कृष्टता और सामुदायिक जुड़ाव में महत्वपूर्ण प्रगति की है। हमारे संकाय और छात्रों ने उल्लेखनीय सफलाताएँ हासिल की हैं, जो हमारे कॉलेज के जीवंत बौद्धिक जीवन में योगदान करते हैं। यहाँ, हम शैक्षणिक वर्ष 2023–2024 के लिए अपनी गतिविधियों और उपलब्धियों की मुख्य विशेषताएं प्रस्तुत करते हैं।

हमारे छात्रों ने अकादमिक रूप से उत्कृष्टता प्राप्त करना जारी रखा, पांचवे और छठें सेमेस्टर के सभी छात्रों ने देश की

महत्वपूर्ण राजनीतिक और सामाजिक चिंताओं के संबंध में प्रोजेक्ट फाइलें बनाई। प्रथम सेमेस्टर के नवप्रवेशित विद्यार्थियों ने अपने शैक्षणिक पाठयक्रम के एक भाग के रूप में अधिकारों और इसके महत्व पर उल्लेखनीय प्रस्तुतियां दीं। इसके अलावा, तीसरे सेमेस्टर के छात्रों ने सामाजिक मुद्दों का चयन किया और डेटा एकत्र किया, सावधानीपूर्वक उनका विश्लेषण किया और बाहरी परीक्षक के सामने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। शैक्षणिक व्यस्तताओं के अलावा, हमारे छात्रों ने खुद को सक्रिय सामुदायिक जुड़ाव में भी व्यस्त रखा। सबसे पहले, विभाग ने मतदाता शिक्षा पहल का नेतृत्व किया, मतदाता और मतदान जागरूकता बढ़ाने के लिए महाविद्यालय के संगठनों–एनएसएस, एनसीसी, रोवर्स रेंजर्स के साथ सहयोग किया। स्लोगन मेकिंग और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं के माध्यम से एसवीईईपी (SVEEP) पहल का उत्साहपूर्वक पालन किया गया। जैसे–जैसे हम आगे बढ़ते हैं, राजनीति विज्ञान विभाग एक कठोर शैक्षिणिक वातावरण को बढ़ावा देने, नवीन अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। हम संकाय, छात्रों, पूर्व छात्रों और सामुदायिक भागीदारों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं जिन्होने हमारी सफलता में योगदान दिया है। साथ में, हम राजनीति विज्ञान के अध्ययन और अभ्यास को आगे बढ़ाना जारी रखेंगे, हमारे छात्रों को सूचित और सक्रिय वैश्विक नागरिक बनने के लिए तैयार करेंगे।

इतिहास विभाग परिषद्

डॉ0 श्वेता शर्मा
असि. प्रोफेसर

इतिहास विभागीय परिषद के तत्वाधान में सत्र 2023–24 विभाग में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया व सर्मसम्मति से निम्न छात्र–छात्राओं को पदभार प्रदान किये गये–

संरक्षक–प्रो. संगीता गुप्ता
अध्यक्ष–डॉ. श्वेता शर्मा
उपाध्यक्ष–आकांक्षा मुदगल–बी.ए. तृतीय वर्ष
सचिव – रितेश कुमार – बी.ए. द्वितीय वर्ष
सह–सचिव–आव्या शर्मा–बी.ए. प्रथम वर्ष
कोषाध्यक्ष–खुशी–बी.ए. द्वितीय वर्ष

कक्षा प्रतिनिधि

बी.ए. प्रथम वर्ष – अंजली
बी.ए. द्वितीय वर्ष – उमेश कुमार
बी.ए. तृतीय वर्ष – कु0 बबीता

19 नवम्बर 2023 से 25 नवम्बर 2023 तक इतिहास परिषद के तत्वाधान में "विश्व धरोहर सप्ताह" का आयोजन किया गया। अपनी संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन हेतु विश्व विरासत सप्ताह आयोजित किया गया जिसके अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित करायी गयी।

पोस्टर प्रतियोगिता

"भारत की ऐतिहासिक इमारतें" विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें निम्न प्रतिभागियों ने स्थान प्राप्त किये–

प्रथम स्थान – सुमित पाल–बी.कॉम द्वितीय वर्ष
द्वितीय स्थान– आव्या शर्मा–बी.ए. प्रथम वर्ष
तृतीय स्थान– योगिता–बी.ए. तृतीय वर्ष

पी. पी. टी प्रस्तुतिकरण

विषय में डिजिटलाइजेशन को प्रोत्साहित करने हेतु "भारत में स्थापत्य कला" विषय पर पी.पी. टी प्रस्तुतिकरण किया गया। विषय वस्तु व प्रस्तुतिकरण के आधार पर निम्न छात्र–छात्राओं को स्थान प्रदान किये गये–

प्रथम – रितेश कुमार – बी.ए. द्वितीय वर्ष
द्वितीय – अंकुर यादव – बी.एस.सी द्वितीय वर्ष
तृतीय – सुमित कुमार – बी.कॉम द्वितीय वर्ष

स्टूडेन्ट सेमिनार

विषय – भारतीय संस्कृति के विविध पक्ष।

प्रथम – नैन्सी – बी.ए. द्वितीय वर्ष
द्वितीय – खुशी – बी.ए. द्वितीय वर्ष
तृतीय – आव्या शर्मा – बी.ए. प्रथम वर्ष

वाग्मिता प्रतियोगिता

प्रथम – आकांक्षा मुदगल – बी.ए. तृतीय वर्ष
द्वितीय – भरत सिंह – बी.एस.सी तृतीय वर्ष
तृतीय – मुस्कान – बी.ए. द्वितीय वर्ष

क्विज प्रतियोगिता

छात्र–छात्राओं के वस्तुनिष्ठ ज्ञान की वृद्धि हेतु भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन विषय पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सर्वाधिक सही जवाब देने वाली टीम को विजित घोषित किया गया।

विजेता टीम–टीमी सी (बी.ए. द्वितीय वर्ष)

1. रितेश कुमार
2. नैन्सी
3. खुशी
4. रजनी गौतम
5. दिव्या कश्यप

अतिथि व्याख्यान

कु0 मायावती राजकीय कन्या स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर, गौतमबुद्धनगर की भाषा संकाय (हिन्दी) की प्राध्यापिका डॉ बॉबी यादव ने **"भारतीय संस्कृति एवं साहित्य"** विषय पर अतिथि व्याख्यान प्रदान किया। इस व्याख्यान से छात्र–छात्राओं को संस्कृति एवं साहित्य के अन्योन्याजित संबंधो का ज्ञान प्राप्त हुआ। भारतीय इतिहास में साहित्य की भूमिका पर भी डॉ बॉबी यादव ने विस्तृत चर्चा की।

अंतरसंकाय अतिथि व्याख्यान

इतिहास परिषद् के तत्वाधान में सामाजिक विज्ञान संकाय व ललित कला संकाय के अन्तर्गत **"भारतीय इतिहास में संगीत कला"** विषय पर प्रभावपूर्ण व सुखद व्याख्यान प्रदान किया। संगीत विभाग के प्राध्यापक डॉ भगत सिंह ने छात्र–छात्राओं को इतिहास के विभिन्न कालों में संगीत कला के क्रमबद्ध विकास के विषय में जानकारी प्रदान की। उनका व्याख्यान प्रभाव पूर्ण रहा।

पूरे सत्र पर्यन्त इतिहास परिषद के समस्त कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य व परिषद की संरक्षक प्रो. संगीता गुप्ता के कुशल संरक्षण में इतिहास परिषद की प्रभारी व अध्यक्ष डॉ. श्वेता शर्मा द्वारा आयोजित कराये गये।

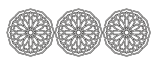

संगीत विभाग परिषद

डॉ0 भगत सिंह
असि. प्रोफेसर

संगीत कला के अन्तर्गत साहित्य एवं नाट्य का अंतर्भाव है। छात्र एवं छात्राओं के सर्वांगीण विकास में संगीत कला सहयोगी है। संगीत को वेद के एक अंग के रूप में गंधर्व वेद में रखा गया है। भारतीय शास्त्रीय संगीत का मूल सामवेद है। समस्त एशिया में भारत के इसी संगीत का प्रभाव है। रागदारी परम्परा भारतीय संगीत की अनोखी विशेषता है। मानवीय मन के अनेक सूक्ष्म भाव राग रागनियों में व्यक्त होते हैं। भारत की यह महान विरासत अक्षुण्ण रूप से प्रवाहित होती रहे इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में संगीत को पाठ्यक्रम में रखा गया है। महाविद्यालय के आख्या गत वर्ष 2023–24 में संगीत विभाग एवं प्रभार से संबंधित गतिविधियों एंव प्रतियोगिताओं का विवरण इस प्रकार है–

1. सत्र के आरम्भ में महाविद्यालय द्वारा आयोजित आगाज़ के अन्तर्गत संगीत के छात्रों सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।
2. गांधी जंयती (2 अक्टूबर) के अवसर पर सर्वधर्म समभाव के रूप में छात्र/छात्राओं द्वारा प्रार्थना एवं भजन गायन प्रस्तुत किया गया।
3. महाविद्यालय में आयोजित उल्लास के अन्तर्गत छात्रों द्वारा गीत संगीत की प्रस्तुति दी गई।

4. राष्ट्रीय पर्व 26 जनवरी, 15 अगस्त तथा समय पर आयोजित अन्य कार्यक्रमों में छात्र–छात्राओं द्वारा गीत संगीत की प्रस्तुति की गई।

महाविद्यालय में आयोजित सेमिनार में छात्र/छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं वार्षिकोत्सव के अवसर पर नाजिया, कनिष्का, सुहैल आदि छात्र–छात्राओं द्वारा **कव्वाली गायन** प्रस्तुत किया गया।

प्रतियोगिताएं

छात्र–छात्राओं में सांगीतिक कौशल एंव संगीत के प्रति अभिरूचि हेतु सांगीतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। संगीत विभाग में दो प्रतियोगिताएं कराई गई

1. शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता तथा
2. सुगम संगीत प्रतियोगिता

शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता में विजयी छात्र–छात्राओं के नाम इस प्रकार है–

प्रथम – कनिष्का कुशवाहा, बी.ए. द्वितीय वर्ष
द्वितीय – नाजिया, बी.ए. द्वितीय वर्ष
तृतीय – हिमान्शी, बी.ए. तृतीय वर्ष

सुगम संगीत प्रतियोगिता में विजयी छात्र–छात्राओं के नाम इस प्रकार हैं–

प्रथम – सुहेल, बी.एस.सी तृतीय वर्ष
द्वितीय – सागर, बी.ए. तृतीय वर्ष
तृतीय – सोनम, बी.ए. तृतीय वर्ष

विजयी छात्र/छात्राओं को महाविद्यालय की प्राचार्या द्वारा पुरूस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

गृह विज्ञान परिषद

डॉ प्रियंका
असि. प्रोफेसर

दिनांक 25/08/2023 को गृह विज्ञान विभाग परिषद् का गठन किया गया। जिसमें निम्न कार्यकारिणी का गठन किया गया।

उपाध्यक्ष–आँचल सुनील शर्मा बी.ए. III
सचिव–तृप्ति सुनील शर्मा बी.ए. III
सह–सचिव–गंगा बी.ए. III
कोषाध्यक्ष–चचंल बी.ए. II
सह–कोषाध्यक्ष–कोमल सागर बी.ए. I

विभिन्न कक्षाओं को प्रतिनिधित्व प्रदान करने हेतु निम्न कक्षा प्रतिनिधियो का भी चुनाव किया गया।

डिम्पल कुमारी – बी.ए. III
नाजिया – बी.ए. II
राधा – बी.ए. I

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह

गृह विज्ञान विभागीय परिषद् के तत्वाधान् में दिनांक 01/09/2023 से 07/09/2023 तक राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय पोषण सप्ताह 2023 की थीम "Healthy Diet Going Affordable for all" के अंतर्गत छात्र–छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्रतिभाग कर अपनी रचनात्मक, कलात्मक, लेखन शैली एवं बौद्धिक क्षमता का बहुत ही सुन्दर ढंग से प्रस्तुत किया है। राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के अन्तर्गत आयोजित सभी प्रतियोगिताएँ हमारे महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो0 डॉ0 संगीता गुप्ता के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में आयोजित की गई। आयोजित प्रतियोगिताएँ निम्नवत् हैः–

पोस्टर मेंकिग प्रतियोगिता

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
आकांक्षा मुदगल	बी.ए. III	प्रथम
तबस्सुम सैफी	बी.ए. III	द्वितीय
प्राची	बी.ए. III	तृतीय

कविता लेखन प्रतियोगिता

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
आकांक्षा मुदगल	बी.ए. III	प्रथम
प्रिया शर्मा	बी.ए. II	द्वितीय
आँचल	बी.ए. III	तृतीय

एक मिनिएट विडियो प्रतियोगिता

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम

तबस्सुम	बी.ए. III	प्रथम
तृप्ति	बी.ए. III	द्वितीय
डिम्पल	बी.ए. III	तृतीय

इसके साथ ही राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के षष्ठम दिवस दिनाँक 06/09/2023 को छात्र–छात्राओं को पोषण जागरूकता पर डाक्यूमेंट्री दिखाई गई जिसमें बड़े उत्साहपूर्वक सभी छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। यह सम्पूर्ण सप्ताह का आयोजन आदरणीय प्राचार्या मैम के दिशा निर्देशन एवं मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

दिनाँक 31/10/2023 को गृह विज्ञान परिषद् के तत्वाधान में मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विजित छात्र–छात्राओं के नाम निम्नवत् हैं।

पोस्टर मेंकिग प्रतियोगिता

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
गंगा	बी.ए. III	प्रथम
नैन्सी	बी.ए. II	द्वितीय
खुशी	बी.ए. II	तृतीय

दिनाँक 04/11/2023 को गृह विज्ञान परिषद् के तत्वाधान में "Let's be ECO Friendly" थीम के आधार पर रंगोली एंव दीया डेकोरेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजित छात्रों के नाम निम्नवत है।

रंगोली प्रतियोगिता

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
अनुष्का	बी.कॉम. I	प्रथम
मनीषा	बी.कॉम.I	प्रथम
मुस्कान	बी.ए. II	द्वितीय
निखिल	बी.ए. II	द्वितीय
उमेश	बी.ए. II	द्वितीय
विशाखा शर्मा	बी.एस.सी II	द्वितीय
दिव्या	बी.कॉम I	द्वितीय
ज्योति	बी.कॉम I	द्वितीय
गुलफसा	बी.ए. I	द्वितीय
पूजा वर्मा	बी.ए. II	द्वितीय
आचंल शर्मा	बी.ए. III	तृतीय
रवि	बी.ए. III	तृतीय
अभिषेक	बी.ए. III	तृतीय
रोहित	बी.ए. II	तृतीय
आयूष सिंह	बी.ए. III	सांत्वना
दीपक	बी.ए. III	सांत्वना
प्राची	बी.ए. III	तृतीय

दीया डेकोरेशन प्रतियोगिता

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
खुशबू	बी.ए. II	प्रथम
विशाखा	बी.ए. I	प्रथम
पूजा वर्मा	बी.एस.सी I	प्रथम
विशाखा	बी.एस.सी II	द्वितीय
डिम्पल	बी.ए. III	तृतीय
नाजिया	बी.ए. II	तृतीय
सुहेल	बी.एस.सी III	तृतीय

उक्त सभी प्रतियोगिताओं में छात्र–छात्राओं ने बड़े उत्साह के साथ काफी संख्या में प्रतिभाग किया।

दर्शनशास्त्र विभाग परिषद्

वसीम मंसूर
असि. प्रोफेसर

दर्शन विभाग ने वर्ष 2023–24 में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। इन गतिविधियों के माध्यम से छात्रों को विचारशीलता, ध्यान, और दर्शन विषयों में गहराई से समझने को मौका मिला। इस रिपोर्ट में, हम दर्शन विभाग की वार्षिक गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत कर रहे हैं।

दर्शन विभाग ने **योग के महत्व** पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया। इस व्याख्यान में छात्रों को योग की महत्वपूर्णता, उसके विभिन्न प्रकार, और शारीरिक-मानसिक लाभों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई।

दर्शन विभाग ने एक्सटेम्पोर का आयोजन किया, जिसमें छात्रों ने विभिन्न दार्शनिक विषयों पर आशु भाषण दिया। इस गतिविधि में छात्रों की बुद्धिमत्ता और वाणीशक्ति का परीक्षण हुआ और उन्हें स्वतंत्र विचार करने का मौका मिला।

दर्शन विभाग ने छात्रों के लिए विभिन्न दार्शनिकों की फाइल्स का आयोजन किया। इन फाइल्स में विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न दार्शनिकों के जीवन, दर्शन और सिद्धांतों पर विस्तृत जानकारी दी गई।

दर्शन विभाग ने विभिन्न विषयों पर शैक्षिक गतिविधियों का आयोजन किया, जैसे कि वार्तालाप, प्रश्नोत्तरी और विवादात्मक विचार–विमर्श। इन गतिविधियों के माध्यम से छात्रों को विभिन्न दार्शनिक विषयों पर गहराई से विचार करने का अवसर मिला।

मान्यवर कांशीराम राजकीय डिग्री कॉलेज के दर्शन विभाग ने वर्ष 2023–24 में विभिन्न गतिविधियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इन गतिविधियों में छात्रों को दार्शनिक विषयों में समृद्धता की दिशा में प्रेरित किया गया और उनका विचारशीलता का विकास हुआ।

हिन्दी विभाग परिषद्

विनोद कुमार
असि. प्रोफेसर

आदरणीय प्राचार्य प्रो0 संगीता गुप्ता के मार्गदर्शन में हिन्दी शैक्षणिक परिषद द्वारा हिन्दी सप्ताह का आयोजन दिनांक 7 सितम्बर से 14 सितम्बर 2023 के मध्य किया गया जिसके अन्तर्गत पोस्टर, स्लोगन, कविता पाठ, निबन्ध, भाषण एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई जिसके परिणाम निम्नवत रहेः–

कविता पाठ प्रतियोगिता

स्थान	नाम	कक्षा
प्रथम	दीपक	बी.ए. तृतीय वर्ष
द्वितीय	वन्दना	बी.ए. तृतीय वर्ष
तृतीय	रितेश कुमार	बी.ए. द्वितीय वर्ष

निबन्ध प्रतियोगिता

स्थान	नाम	कक्षा
प्रथम	निकिता	बी.ए. द्वितीय वर्ष
द्वितीय	हिमानी	बी.एस.सी द्वितीय वर्ष
तृतीय	माया	बी.ए. तृतीय वर्ष
तृतीय	रिहाना	बी.ए.तृतीय वर्ष

पोस्टर प्रतियोगिता

प्रथम	आरती	बी.एस.सी द्वितीय वर्ष
द्वितीय	माया	बी.ए. तृतीय वर्ष
द्वितीय	अंजलि शर्मा	बी.ए. द्वितीय वर्ष
तृतीय	स्नेहा डागर	बी.ए. द्वितीय वर्ष
तृतीय	प्रिया चौधरी	बी.ए. द्वितीय वर्ष
सांत्वना पुरूस्कार		वन्दना बी.ए. तृतीय वर्ष
सांत्वना पुरूस्कार		प्रीति बी.ए. तृतीय वर्ष

भाषण प्रतियोगिता

प्रथम	रितेश कुमार	बी.ए. द्वितीय वर्ष
द्वितीय	अंशु यादव	बी.ए. प्रथम वर्ष
तृतीय	अंशु	बी.ए. प्रथम वर्ष

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

प्रथम	वन्दना	बी.ए. तृतीय वर्ष
द्वितीय	मुस्कान कश्यप	बी.ए. द्वितीय वर्ष
तृतीय	उमेश कुमार	बी.ए. द्वितीय वर्ष
तृतीय	निखिल कुमार	बी.ए.द्वितीय वर्ष

स्लोगन प्रतियोगिता

प्रथम	गुलशन कुमार	बी.ए. द्वितीय वर्ष
द्वितीय	काजल कुमारी	बी.ए. द्वितीय वर्ष
द्वितीय	तबस्सुम सैफी	बी.ए. तृतीय वर्ष
तृतीय	स्नेहा डागर	बी.ए. द्वितीय वर्ष
तृतीय	प्रिया चौधरी	बी.ए. तृतीय वर्ष
सांत्वना पुरूस्कार	वन्दना	बी.ए. तृतीय वर्ष
सांत्वना पुरूस्कार	प्रीति	बी.ए. तृतीय वर्ष

निर्णायक मण्डल

कविता पाठ प्रतियोगिता में महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो0 संगीता गुप्ता एंव डॉ0 ज्योति यादव, निबन्ध प्रतियोगिता में डॉ0 उत्तम शर्मा एवं डॉ0 भगत सिंह, पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगिता में डॉ0 निधि शुभानन्द एवं डॉ0 प्रियंका, क्विज प्रतियोगिता में डॉ0 प्रियंका एवं डॉ0 श्वेता शर्मा तथा भाषण प्रतियोगिता में डॉ0 श्वेता शर्मा एवं डॉ0 उत्तम शर्मा ने निर्णायक मण्डल के रूप में योगदान किया।

हिन्दी छात्र/छात्रा परिषद्

हिन्दी विभागीय छात्र–छात्रा परिषद का गठन निम्नवत् किया गयाः–

अध्यक्षः मनु डागर बी.ए. तृतीय वर्ष

उपाध्यक्ष : वन्दना, माया बी.ए. तृतीय वर्ष

मंत्री : प्रीति, अर्चना बी.ए. तृतीय वर्ष

सचिव : उमेश कुमार बी.ए. द्वितीय वर्ष

संयुक्त सचिव : निखिल कुमार सिंह बी.ए. द्वितीय वर्ष

सदस्य : अंशु यादव, परी गुप्ता, अंशु, ज्योति, रोशनी (सभी बी.ए. प्रथम वर्ष)।

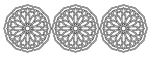

भौतिक विज्ञान विभाग परिषद्

डॉ0 उपदेश वर्मा
असि. प्रोफेसर

सत्र 2023–24 के प्रारम्भ में भौतिक विज्ञान विभाग के तत्वाधान में भौतिक विज्ञान विभागीय परिषद "EINSTEIN SOCIETY" का गठन किया गया। बैठक में उपस्थित सभी नवीन छात्र–छात्राओं का स्वागत किया गया तथा विभाग में संचालित विभिन्न गतिविधियों के बारे में बताया गया। सर्वसम्मिति से Einstein Society के पदाधिकारियो का चयन किया गया जो निम्नवत है–

अध्यक्ष	भरत रावत	B.SC III
उपाध्यक्ष	अंकुर यादव	B.SC II
सचिव	साक्षी	B.SC I
कोषाअध्यक्ष	अश्विनी गर्ग	B.SC III

सोसाइटी के संरक्षक डॉ उपदेश वर्मा, भौतिक विज्ञान विभागाध्यक्ष रहे।

विभागीय परिषद द्वारा सत्र 2023–24 में छात्र–छात्राओं के लिये विभिन्न प्रकार के Motivational कार्यक्रम/व्याख्यान आयोजित कराये। जिसमें मुख्य रूप से डॉ0 राजेश बवोरिया, पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगड का व्याख्यान जो कि Student के Carrier Guidance व विज्ञान के नवीन आयाम पर रहा डॉ0 केशव वालिया, Dean, D.A.V विश्वविद्यालय, जालंधर पंजाब ने विदेशों में कैसे Scholarships के लिये आवेदन कर सकते हैं, कहाँ–कहाँ छात्र–छात्रायें छात्रवृत्ति पर पढने जा सकते हैं इत्यादि विषयों पर अपना भाषण प्रस्तुत किया। प्रो0 ब्रजेश कुमार खंभोला जी जो कि वर्तमान में टोरंटो विश्वविद्यालय कनाड़ा में कार्यरत हैं ने भारतीय ज्ञान परम्परा के द्वारा सुरक्षित आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स का विकास और सुरक्षित भविष्य पर अपना व्याख्यान दिया। विभिन्न Online Webinar का भी आयोजन किया गया जैसे कि National Unity Day, (31 Oct 2023) Dremer's Day (15 Oct 2023) Relevence of IKS in NEP-14th Aug 2023, इत्यादि विभागीय परिषद द्वारा सत्र में विभिन्न प्रतियोगी परिक्षाओं का भी आयोजन किया गया जिनमें Physics Quiz प्रतियोगिता–

प्रथम

1. यश शर्मा (B.Sc II), निशा तिवारी (B.SC III)

द्वितीय

2. आदित्य कुमार (B.Sc II), भरत कुमार (B.SC III)

तृतीय

3. अनुराग उपाध्याय (B.Sc II), अश्वनी गर्ग (B.Sc III)

पॉवर पॉइंट प्रसेन्टेशन प्रतियोगिता

प्रथम

1. अंकुर यादव (B.Sc II), भरत सिंह (B.Sc III)
2. द्वितीय आदित्य कुमार (B.Sc II)
3. तृतीय यश शर्मा (B.Sc II)

भौतिक विज्ञान के छात्र–छात्राओं को एक दिन के सेमीनार के लिए IIT Delhi का भ्रमण भी कराया गया व L.R. College साहिबाबाद में भी प्रतियोगिता हेतु भेजा गया।

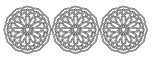

वनस्पति विज्ञान परिषद

'कल्पवृक्ष'

डॉ निधि शुभानन्द
असि. प्रोफेसर

छात्र–छात्राओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण उत्पन्न करने तथा विषयगत ज्ञान में अभिवृद्धि करने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष वनस्पति विज्ञान परिषद् "कल्पवृक्ष" का गठन किया जाता है। अकादमिक सत्र 2023–24 हेतु निम्न पदाधिकारियों का चयन किया गया–

प्रो. संगीता गुप्ता–प्राचार्या एवं संरक्षक
डॉ निधि शुभानन्द–प्रभारी
दिव्यांशी यादव–बीएससी, तृतीय वर्षःअध्यक्ष
तनु राज–बीएससी, तृतीय वर्षःउपाध्यक्ष
शिवानी पाल–बीएससी, तृतीय वर्षःसचीव
सुमैया त्यागी–बीएससी, द्वितीय वर्षःकोषाध्यक्ष

कल्पवृक्ष द्वारा छात्र–छात्राओं हेतु चार्ट मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका परिणाम निम्नवत रहाः–

दिव्यांशी यादव–बीएससी, तृतीय वर्ष, प्रथम
तनु राज–बीएससी, तृतीय वर्ष, द्वितीय
शिवानी पाल–बीएससी, तृतीय वर्ष, तृतीय

द्वितीय वर्ष के छात्र–छात्राओं हेतु मिनिएचर गार्डन मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के अंतर्गत छात्र–छात्राओं ने विभिन्न सामग्रियों तथा पौधों के साथ छोटे गमले में तरह–तरह की लैंडस्कैपिंग की। इस प्रतियोगिता के विजेता निम्न छात्र–छात्राए रहें :–

सुमैया त्यागी–बीएससी, द्वितीय वर्ष, प्रथम
आरती, कंचन गुप्ता–बीएससी, द्वितीय वर्ष–द्वितीय
अंजली कुमारी, खुशी कौशिक, नीलम, बीएससी द्वितीय वर्ष–तृतीय

कल्पवृक्ष द्वारा माह अप्रैल में लेखन कौशल के विकास पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत छात्र–छात्राओं को उत्तम एवं प्रभावशाली लेखन का प्रशिक्षण प्रदान किया गया कार्यशाला में छात्र–छात्राओं को महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका "अभिव्यक्ति" हेतु लेख लिखने का कार्य दिया गया। उत्कृष्ट लेखों को "अभिव्यक्ति" में प्रकाशित किया जाएगा।

समस्त कार्यक्रमो के सफल आयोजन में महाविद्यालय की प्राचार्या एवं कल्पवृक्ष की संरक्षक प्रो. संगीता गुप्ता का मार्गदर्शन एवं संरक्षण प्राप्त हुआ।

गणित परिषद

उत्तम कुमार शर्मा
असि. प्रोफेसर

विभाग में शैक्षिक गतिविधियों के अतिरिक्त अन्य ज्ञानवर्धन गतिविधियों के सफल आयोजन हेतु वर्ष 2023–24 के लिए गणित विभाग परिषद का नवंबर माह में गठन किया गया। जिसमें निम्न कार्यकारिणों समिति का गठन किया गया–

अध्यक्ष – अंकुर यादव
उपाध्यक्ष – अश्वनी
सचिव – भरत सिंह रावत
कोषाध्यक्ष – अनुराग उपाध्याय

गणित की विभिन्न कक्षाओं को प्रतिनिधित्व प्रदान करने हेतु निम्न कक्षा प्रतिनिधियों का भी चुनाव किया गया।

छात्र वर्ग–

1. रवि कुमार–बी0एस0सी 4th सेमेस्टर
2. यश शर्मा–बी0एस0सी 4th सेमेस्टर

छात्रा वर्ग-

1. सुहानी पांडे–बी0एस0सी 6th सेमेस्टर
2. भारती–बी0एस0सी 6th सेमेस्टर

फरवरी–2024 में गणित विभागीय परिषद के अंतर्गत क्विज प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता और लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गयी। प्रतियोगिताओं के परिणाम निम्न प्रकार रहें–

क्विज प्रतियोगिताः-

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
अंकुर यादव	बी0एस0सी 4th सेमेस्टर	प्रथम
विशी	बी0एस0सी 4th सेमेस्टर	द्वितीय
सुहानी पांडे	बी0एस0सी 6th सेमेस्टर	तृतीय

पोस्टर प्रतियोगिताः-

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
रवि कुमार	बी0एस0सी 4th सेमेस्टर	प्रथम
अश्विनी	बी0एस0सी6th सेमेस्टर	द्वितीय
भरत सिंह रावत	बी0एस0सी4th सेमेस्टर	तृतीय

लेखन प्रतियोगिताः-

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
अनुराग उपाध्याय	बी0एस0सी 4th सेमेस्टर	प्रथम
यश शर्मा	बी0एस0सी6th सेमेस्टर	द्वितीय
आदित्य कुमार	बी0एस0सी4th सेमेस्टर	तृतीय

जन्तु विज्ञान विभाग परिषद्

ले0 (डॉ) मीनू वार्ष्णेय
असिस्टेन्ट प्रोफेसर-जन्तु विज्ञान

जन्तु विज्ञान विभागीय परिषद के अन्तर्गत अकादमिक सत्र 2023–24 हेतु निम्न कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया–

अध्यक्ष – अंकित चौधरी बी0एस0सी0 III
उपाध्यक्ष – नीलम बी0एस0सी0 II
सचिव – ऋषभ वशिष्ठ बी0एस0सी0 III
कोषाध्यक्ष – अंजली कुमारी बी0एस0सी0 II

कक्षा प्रतिनिधि–

संजना रानी – बी0एस0सी0 I
सुमैया – बी0एस0सी0 II
कविता – बी0एस0सी0 III

छात्र–छात्राओं में वैज्ञानिक अभिरूचि जागृत करने तथा रचनात्मक प्रतिभा के विकास करने हेतु निम्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

1. चार्ट / पोस्टर प्रतियोगिता
2. प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

प्रतियोगिता के परिणाम निम्नवत् रहे–

प्रथम	नीलम	बी0एस0सी0 II
द्वितीय	कविता	बी0एस0सी0 III
तृतीय	द्विव्यांशी	बी0एस0सी0 I

प्रतियोगिता के परिणाम निम्नवत् रहे–

प्रथम	ऋषभ वशिष्ठ	बी0एस0सी0III
द्वितीय	अंजली कुमारी	बी0एस0सी0II
तृतीय	खुशी कौशिक	बी0एस0सी0II

उपरोक्त सभी पुरस्कार महाविद्यालय के वार्षिक समारोह में प्रदान किये गये। दिनांक 23.03.2024 को विभाग द्वारा बी0एस0सी0 III के छात्र–छात्राओं हेतु शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। छात्र–छात्राओं ने डॉ0डी0पी0 रस्तोगी होम्योपैथी केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, नोएडा का भ्रमण किया तथा वहाँ आयोजित आयुष दवाओं के फार्मेकोविजिलेन्स के लिये जागरूकता कार्यक्रम में प्रतिभाग कर प्रमाण पत्र प्राप्त किये। छात्र–छात्राओं ने होम्योपैथी दवाओं के परीक्षण विधि तथा जन्तु मॉडल के बारे में जानकारी प्राप्त की।

समस्त कार्यक्रम प्राचार्य महोदया के कुशल निर्देशन तथा मार्गदर्शन में सम्पन्न कराये गये।

रसायन विज्ञान विभाग परिषद्

डॉ अनु मिश्रा
असि. प्रोफेसर

रसायन विज्ञान विभागीय परिषद के अंतर्गत शैक्षिक सत्र 2023–24 में विभिन्न गतिविधियाँ कराने हेतु निम्न कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया–

संरक्षक – प्रो0 (डॉ0) संगीता गुप्ता
विभाग प्रभारी – डॉ0 अनु मिश्रा
अध्यक्ष – भरत सिंह रावत (B.Sc. III)
उपाध्यक्ष – निशा तिवारी (B.Sc. III)
सचिव – दिव्यांशी यादव (B.Sc. III)
सह–सचिव – अंकुर यादव (B.Sc. II)
कोषाध्यक्ष – रवि कुमार (B.Sc. III)
छात्र प्रतिनिधि – तन्नू राज (B.Sc. III)
सुमैया त्यागी (B.Sc. III)
छात्रा प्रतिनिधि–ऋषभ वशिष्ठ (B.Sc. III)
सुहेब (B.Sc. I)

रसायन विज्ञान विभागीय परिषद के तत्वावधान में छात्र–छात्राओं के बौद्धिक स्तर के विकास, अन्तर्निहित क्षमता के संवर्धन व नवाचार हेतु निम्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र–छात्राओं ने उत्साह के साथ प्रतिभाग किया।

चार्ट प्रतियोगिता–

दिनांक 15/12/2023 को रसायन विज्ञान विभाग में एक चार्ट प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसका परिणाम निम्नवत है–

प्रथम–भरत सिंह रावत पुत्र श्री मोहन सिंह रावत (B.Sc. III)
द्वितीय – प्रिया पाल पुत्री श्री नरेन्द्र सिंह (B.Sc. II)
तृतीय – तन्नू राज पुत्री श्री राजकुमार (B.Sc. III)

क्विज प्रतियोगिता

दिनांक 16/12/2023 को रसायन विभाग में छात्र–छात्राओं के ज्ञान में संवर्धन हेतु एक क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसका परिणाम निम्नवत है–

प्रथम – अंकुर यादव पुत्र श्री दिनेश यादव (B.Sc. II)
द्वितीय – दिव्यांशी यादव पुत्री श्री राजेश यादव (B.Sc. III)
तृतीय – अनुराग उपाध्याय पुत्र श्री कलवा उपाध्याय (B.Sc. II)

मॉडल प्रतियोगिता

दिनांक 18/12/2023 को रसायन विज्ञान विभाग में एक मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका परिणाम निम्नवत है–

प्रथम – निशा तिवारी पुत्री श्री मिथलेश तिवारी (B.Sc. III)
नीतू पुत्री श्री दुर्जन सिंह (B.Sc. III)
द्वितीय – सुहेब पुत्र श्री आमिर हसन (B.Sc. I)
तृतीय – अंकुर यादव पुत्र श्री दिनेश यादव (B.Sc. II)
रवि कुमार पुत्र श्री सत्यप्रकाश (B.Sc. II)
विशी पुत्र श्री मुनीश (B.Sc. II)

इसके अतिरिक्त उ0प्र0 सरकार की आजादी के अमृत महोत्सव कार्य योजना के अंतर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों में रसायन विज्ञान विभाग द्वारा कुछ महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसका परिणाम निम्नवत् है

1. विश्व आवाज दिवस– के उपलक्ष्य में एक कविता गायन प्रतियोगिता आयोजित की गई।

प्रथम – आकांशा मुद्गल पुत्री श्री राकेश कुमार (B.A. III)
द्वितीय – शैल्जा सिंह पुत्री सतीश चन्द्र (B.Sc. II)
तृतीय – निशा तिवारी पुत्री श्री मिथलेश तिवारी (B.Sc. III)

2. विश्व थायराइड दिवस– के उपलक्ष्य में दिनांक 25/05/2023 को छात्र–छात्राओं को डॉक्यूमेन्ट्री दिखाई गई।

3. विश्व जनसंख्या दिवस– के उपलक्ष्य में एक निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसका परिणाम निम्नवत है–

प्रथम–तन्नू राज पुत्री श्री राजकुमार (B.Sc. III)

द्वितीय – नेहा पुत्री श्री अशोक कुमार (B.Sc. III)

तृतीय – भरत सिंह रावत पुत्र श्री मोहन सिंह रावत (B.Sc. III)

उक्त समस्त प्रतियोगिताएं प्राचार्या महोदया के कुशल निर्देशन व मार्गदर्शन में सम्पन्न हुईं।

उपरोक्त सभी पुरस्कार महाविद्यालय के वार्षिक समारोह में प्रमाण पत्र सहित प्रदान किये गये।

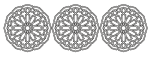

कॉमर्स विभाग परिषद्

डॉ. जितेन्द्र कुमार
डॉ. दीपक कुमार
असि. प्रोफेसर

कॉमर्स विभाग नियमित रूप से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करता है। इन गतिविधियों के माध्यम से छात्रों को व्यापारिक जगत के प्रति जागरूकता, नवाचारों का संवाहन, और उनके व्यक्तित्व का विकास किया जाता है। इस आख्या में, कॉमर्स विभाग की 2023–24 की कुछ महत्वपूर्ण गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत है।

अतिथि व्याख्यान

कॉमर्स विभाग ने विभिन्न विषयों पर अतिथि व्याख्यानों का आयोजन किया। इन व्याख्यानों में व्यापारिक मामलों, अर्थशास्त्र, और वित्तीय योजनाओं पर विशेषज्ञ व्यक्तित्वों ने छात्रों को जानकारी प्रदान की।

क्विज प्रतियोगिताएँ

कॉमर्स विभाग ने नियमित अंतर–विभागीय क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। इन गतिविधियों में छात्रों को व्यापारिक जगत, अर्थशास्त्र, और वित्तीय विषयों पर ज्ञान का मौका मिलता है, साथ ही उनकी बुद्धिमत्ता और प्रतिभा का परीक्षण होता है।

भाषण और निबंध प्रतियोगिताएँ

कॉमर्स विभाग ने विभिन्न विषयों पर भाषण और निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। इन प्रतियोगिताओं में छात्रों को अपने विचारों को सार्थकता से प्रकट करने का मौका मिलता है, साथ ही उनकी भाषा व्याकरण की कुशलता भी सामान्य रूप से विकसित होती है।

आयोजन और संगठन

कॉमर्स विभाग ने समय–समय पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन और संगठन किया। इन कार्यक्रमों में छात्रों को व्यापारिक जगत में अपने नौकरी के अवसरों के बारे में जानकारी और मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है।

प्रशिक्षण और कार्यशालाएँ

कॉमर्स विभाग ने विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण और कार्यशालाओं का आयोजन किया। इन कार्यशालाओं में छात्रों को व्यापारिक कौशल, तकनीक, और पेशेवर विकास का मौका मिलता है, जो उनकी करियर में सफलता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मान्यवर कांशीराम राजकीय डिग्री कॉलेज के कॉमर्स विभाग की गतिविधियों का आयोजन और संचालन सफलतापूर्वक किया जाता है। ये गतिविधियाँ छात्रों की व्यापारिक जगत में अपनी स्थिति सुधारने और उनकी करियर के लिए तैयारी में सहायक होती हैं। साथ ही ये उनके व्यक्तित्व और व्यक्तिगत विकास को भी समृद्ध करती हैं।

करियर काउंसलिंग एवं रोजगार प्रकोष्ठ

डॉ निधि शुभानन्द
प्रभारी

मान्यवर कांशीराम राजकीय महाविद्यालय का करियर काउंसलिंग एवं रोजगार प्रकोष्ठ, अनवरत छात्र–छात्राओं को रोजगार परक छमताओं में दक्षता प्रदान करने हेतु प्रयासरत रहता है। सत्र 2023–24 में छात्र–छात्राओं में एम्पलॉईबिलिटी स्किल्स के विकास हेतु विभिन्न कार्यशालाओं एवं व्याख्यानों का आयोजन किया गया। सभी संकायों के तृतीय वर्ष के पास आउट छात्र–छात्राओं हेतु मैजिक बस फाउंडेशन के सहयोग से रोजगार मेले का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न कंपनियों ने प्रतिभाग किया। श्री राम लाइफ इंशयोरेंस द्वारा भी कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन किया गया जिसमें कुल 25 छात्र–छात्रओं को अगले चरण हेतु शॉर्ट लिस्ट किया गया। करियर काउंसलिंग प्रकोष्ठ एवं टाइम्स ग्रुप ऑफ एजुकेशन के संयुक्त तत्वाधान में सी वी राइटिंग विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में श्री नील पाणीकर ने छात्र–छात्राओं को प्रभावशाली सी वी बनाने हेतु आवश्यक जानकारी प्रदान की।

नवंबर माह में नांदी फाउंडेंशन तथा महिंद्रा प्राइड क्लासरूम के सौजन्य से छः दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें छात्र–छात्राओं को बॉडी लैंग्वेज, कम्युनिकेशन, रिज्यूमे मेकिंग एवं रोजगार कौशल के बारे में बताया गया। ट्रेनिंग पूर्ण करने के बाद छात्र–छात्राओं को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। समकाली समय की नितांत आवश्यकताओं को देखते हुए छात्र–छात्राओं हेतु साइबर सुरक्षा विषय पर सेमिना का आयोजन किया गया इसमें जेटकिंग गाजियाबाद लर्निंग सेंटर के श्री संजय कुमार ने प्रभावशाली व्याख्यान दिया। मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन द्वारा तीन दिवसीय रोजगार ट्रेनिंग का आयोजन महाविद्यालय परिसर में किया गया।

इन सभी कार्यक्रमों का उद्देश्य छात्र–छात्राओं को रोजगार के विभिन्न अवसरों से परिचित कराने के साथ–साथ उनमें आधुनिक समय की एम्पलाईबिलिटी स्किल्स विकसित करना है और मान्यवर कांशीराम राजकीय महाविद्यालय का करियर काउंसलिंग प्रकोष्ठ इस ओर निरंतर प्रयत्नशील रहता है।

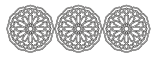

सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम वार्षिक आख्या

डॉ. विनोद कुमार, नोडल संयोजक
डॉ. श्वेता शर्मा, महाविद्यालय प्रभारी

महाविद्यालय में सत्र 2023–24 में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत वृहद् स्तर पर विभिन्न गतिविधियां, प्रतियोगिताएं एवं कार्यक्रम आयोजित कराए गए।

इस क्रम में सर्वप्रथम महाविद्यालय में रोड सेफ्टी क्लब गठित किया गया।

रोड सेफ्टी क्लब के तत्वाधान में पूरे सत्रपर्यन्त शासनादेशानुसार महाविद्यालय में विविध कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं समय–समय पर आयोजित कराये गय। जनपद एवं मंडल स्तरीय कार्यक्रमों का आयोजन भी महाविद्यालय में किया गया।

सर्वप्रथम जुलाई माह में **17/06/2023 से 31/07/2023** तक **सड़क सुरक्षा पखवाड़ा** का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत सड़क सुरक्षा के नोडल संयोजक श्री विनोद कुमार एवं महाविद्यालय प्रभारी डॉ श्वेता शर्मा ने प्राचार्य प्रोफेसर संगीता गुप्ता के संरक्षण में सभी छात्र–छात्राओं एवं प्राध्यापको

को सड़क सुरक्षा जागरूकता की शपथ दिलायी व उन्हें सड़क सुरक्षा के प्रति स्वयं जागरूक रहने एवं अपने आसपास के सभी लोगों को जागरूक करने हेतु प्रतिबद्ध किया।

एन. एस. एस, एन.सी. सी व रोवर्स –रेंजर्स इकाईयों के छात्र–छात्राओं ने नंदग्राम क्षेत्र एवं नई बस्ती क्षेत्र में सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली निकालकर आसपास के लोगों को सड़क सुरक्षा व सड़कों पर होने वाली दुर्घटनाओं के विषय में जागरूक किया। महाविद्यालय परिसर में भी सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाकर विद्यार्थियों को हेलमेट पहनने के प्रति सचेत एवं जागरूक किया गया व सड़क पार करते समय उन्हें नियमों को ध्यान रखने की जानकारी दी गयी।

सड़क सुरक्षा जागरूकता विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्र–छात्राओं ने प्रतियोगिता में बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया और **सड़क सुरक्षा जागरूकता एवं बचाव विषय** पर अपने विचार प्रस्तुत किये।

भाषा शैली, विषयवस्तु व प्रस्तुतीकरण के आधार पर निम्न छात्र–छात्राओं को प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्रदान किए गए–

प्रथम स्थान – रितेश कुमार–बी.ए द्वितीय वर्ष ।

द्वितीय स्थान'–आकांक्षा मुद्गल–बी. ए तृतीय वर्ष।

तृतीय स्थान–अंकुर यादव–बी.एस. सी तृतीय वर्ष।

इसी क्रम पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। छात्र–छात्राओं ने सुंदर पोस्टर्स के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं से बचाव का संदेश दिया। इस प्रतियोगिता में निम्न छात्र–छात्राएं विजेता घोषित किए गए–

प्रथम स्थान–नेहा कुमारी–बी.कॉम प्रथम वर्ष

तबस्सुम–बी.ए द्वितीय वर्ष

द्वितीय स्थान'–अंशिका गुप्त–बीकॉम प्रथम वर्ष

तृतीय स्थान–अंशिका–बी. एस. सी प्रथम वर्ष

सड़क सुरक्षा जागरूकता के अंतर्गत छात्र–छात्राओं के अभिभावकों को भी ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया व उनसे अपील की गई कि वह अपने आसपास रहने वाले लोगों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करें जिससे दुर्घटनाओं से बचाव किया जा सके। महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने सड़क सुरक्षा का प्रशिक्षण भी प्राप्त किया। प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत अन्य प्राध्यापकों को भी प्रशिक्षित किया गया।

सितम्बर, अक्टूबर, नवंबर व दिसंबर माह में भी सड़क सुरक्षा जागरूकता से संबंधित अनेक कार्यक्रम यथा सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली, सड़क सुरक्षा जागरूकता विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता, सड़क सुरक्षा जागरूकता विषयक क्विज प्रतियोगिता, सड़क दुर्घटनाओं से बचाव विषय पर भाषण प्रतियोगिता आदि महाविद्यालय में आयोजित किये गये।

दिसंबर माह में दिनांक **15/12/2023 से 30/12/2023** तक पुनः **सड़क सुरक्षा पखवाड़ा** आयोजित किया गया। जिसमें महाविद्यालय की प्राचार्य, प्राध्यापकों एवं सभी छात्र–छात्राओं ने सड़क सुरक्षा जागरूकता शपथ दोहरायी।

रोवर्स –रेंजर्स ने सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली निकालकर लोगो को जागरूक किया। एन. सी. सी कैडेट्स ने आसपास के क्षेत्र में हो रहे गड्ढों का निरीक्षण किया जिससे दुर्घटनाओं से बचाव किया जा सके।

सड़क सुरक्षा जागरूकता विषय पर क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई इसमें बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। निम्न छात्र–छात्राओं ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया –

प्रथम स्थान–सुहेल–बी. एस. सी द्वितीय वर्ष

द्वितीय स्थान–शैलजा सिंह–बी. एस. सी प्रथम वर्ष

तृतीय स्थान–कनिष्का कुशवाहा–बी.ए द्वितीय वर्ष नाजिया– बी. ए द्वितीय वर्ष

इसी क्रम में "**सड़क सुरक्षा जन जागृति से ही संभव**" है उक्त विषय पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन इस पखवाड़े में किया गया। छात्र–छात्राओं ने पक्ष एवं विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत किये। इसमें निम्न छात्र–छात्रा विजेता घोषित किए गए–

प्रथम स्थान–रितेश कुमार–बी. ए. द्वितीय वर्ष
द्वितीय स्थान–नैसी व खुशी–बी. ए द्वितीय वर्ष
तृतीय स्थान–आव्या–बी. ए प्रथम वर्ष

इस अभियान में छात्र – छात्राओं ने सड़कों पर जाकर आते जाते हुए लोगों को हेलमेट पहनने, स्पीड नियंत्रित रखने के लिए जागरूक किया व उनसे यातायात के नियमों का पालन करने की अपील की जिससे यातायात को सुरक्षित बनाया जा सके व सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

दिनांक–**15/01/2024 से 15/02/2024** तक **सड़क सुरक्षा माह** महाविद्यालय में मनाया गया। सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत महाविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती पर दिनांक **23 जनवरी 2024** को आयोजित **मानव श्रृंखला कार्यक्रम** में प्राध्यापको एवं छात्र–छात्राओं ने वृहद मानव श्रृंखला का निर्माण किया व सड़क सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध रहने की शपथ ली। इसी क्रम में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन सड़क सुरक्षा में युवाओं की भूमिका विषय पर किया गया। इसमें निम्न छात्र–छात्राएं विजेता घोषित किए गए–

प्रथम स्थान–खुशी–बी.ए द्वितीय वर्ष
द्वितीय स्थान–माया–बी. ए द्वितीय वर्ष
तृतीय स्थान–रिहाना–बी. ए द्वितीय वर्ष

आगे "**सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा**" विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। जिसमें छात्र–छात्राओं ने अपने विचारों को प्रस्तुत किया एवं बताया कि किस प्रकार सड़कों को सुरक्षित करके हम अपने व दूसरों के जीवन की सुरक्षा कर सकते हैं। इस प्रतियोगिता में निम्न छात्र–छात्राएं विजेता रहे–

प्रथम स्थान–हर्ष–बी.ए प्रथम वर्ष
द्वितीय स्थान–सुमित–बी. कॉम द्वितीय वर्ष
तृतीय स्थान–भरत–बी. एस. सी तृतीय वर्ष

इस पखवाड़े के अंतर्गत रोवर्स–रेंजर्स व एन.एस.एस के छात्र–छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया व इस नाट्य के माध्यम से लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया और जरा सी चूक होने पर होने वाली बड़ी दुर्घटनाओं और हानि के विषय में बताया सड़क सुरक्षा जागरूकता विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई इस प्रतियोगिता में निम्न छात्र –छात्राएं विजित रहे –

प्रथम स्थान–छवि–बी. कॉम द्वितीय वर्ष
द्वितीय स्थान–मनु डागर–बी. ए तृतीय वर्ष
तृतीय स्थान–उमेश–बी. ए द्वितीय वर्ष

सड़क सुरक्षा जागरूकता के जनपद एवं मंडल स्तरीय कार्यक्रम

महाविद्यालय में सड़क सुरक्षा जागरूकता विषयक जनपद एवं मंडल स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। गाजियाबाद जनपद के सभी महाविद्यालयों में महाविद्यालय स्तर पर पोस्टर प्रतियोगिता, क्विज प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता में प्रथम एवं द्वितीय स्थान पर आने वाले छात्र–छात्राओं को आगे जनपद स्तरीय प्रतियोगितओं हेतु चयनित किया गया। जनपद स्तर पर आयोजित सभी प्रतियोगिताओं हेतु निर्णायक मंडल हेतु अन्य महाविद्यालयों के प्राध्यापकों को आमंत्रित किया गया।

जनपद स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन दिनांक –25/11/2023 को महाविद्यालय में किया गया। **क्विज प्रतियोगिता** लिखित रूप में आयोजित की गई जिसमें सर्वाधिक सही प्रश्नों के उत्तर देने के आधार पर निर्णायक मंडल ने निम्न छात्र–छात्राओं को प्रथम,द्वितीय

एवं तृतीय स्थान प्रदान किये –
प्रथम स्थान–आयुष दुबे–एल.आर.कॉलेज, साहिबाबाद
द्वितीय स्थान–शैली चौधरी–वी.ए.एम.एल जी कॉलेज, गाज़ियाबाद
तृतीय स्थान–विप्र देवगन–आर. सी. सी कॉलेज, गाजियाबाद

पोस्टर प्रतियोगिता में विषय वस्तु, कला शैली, प्रस्तुतीकरण आदि आधार पर निम्न छात्र–छात्राओं को प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्रदान किए गए–
प्रथम–नेहा कुमारी–मान्यवर काशीराम राजकीय महाविद्यालय, गाजियाबाद
द्वितीय–निधि परेवा–इंग्राहम इंस्टिट्यूट, गाज़ियाबाद
तृतीय–संगीता–सतीश चौरसिया–के. पी. टी मेमोरियल कॉलेज, गाजियाबाद

भाषण प्रतियोगिता में छात्र–छात्राओं द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता पर अपने विचार प्रस्तुत किए गए। समय सीमा के अंतर्गत विषय अनुकूल प्रभावशाली भाषण देने वाले निम्न छात्र–छात्राओं को निर्णायक मंडल ने प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्रदान किये –
प्रथम स्थान–रितेश कुमार–मान्यवर काशीराम राजकीय महाविद्यालय गाजियाबाद
द्वितीय स्थान–खुशी त्यागी–आर. सी. सी कॉलेज, गाज़ियाबाद
तृतीय स्थान–नेहा सैनी–वी. ए. एम. एल. जी, कॉलेज, गाज़ियाबाद

जनपद स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता रहे छात्र–छात्राओं को आगे मंडल स्तर के लिए चयनित किया गया। **मंडल स्तरीय प्रतियोगिताओं** का आयोजन महाविद्यालय में दिनांक 09/12/2023 को किया गया। सभी प्रतियोगितओं के निर्णायक मंडल हेतु अन्य महाविद्यालयों के वरिष्ठ प्राध्यापको को नियुक्त किया गया जिससे निष्पक्ष निर्णय किया जाए।

पोस्टर प्रतियोगिता में रंग संयोजन, विषय वस्तु व सन्देश के आधार पर निम्न छात्राओं ने प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त किया –
प्रथम स्थान –निधि परेवा
द्वितीय स्थान –ज्योति कुमारी

क्विज प्रतियोगिता में भी लिखित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सर्वाधिक सही उत्तरों के आधार पर निम्न विद्यार्थियों को निर्णायक मण्डल ने प्रथम व द्वितीय स्थान प्रदान किया –
प्रथम स्थान–आयुष दुबे–एल. आर. कॉलेज, साहिबाबाद
द्वितीय स्थान–रितु भाटी–अग्रसेन कॉलेज सिकंदराबाद

भाषण प्रतियोगिता में विषयवस्तु, प्रस्तुतीकरण, भाषा शैली व समय सीमा के आधार पर निर्णायक मंडल में निम्न छात्राओं को प्रथम व द्वितीय स्थान प्रदान किया –
प्रथम स्थान –कल्पना कुमारी – कुमारी मायावती राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजियाबाद।
द्वितीय स्थान –प्रिया शर्मा –एस. एस. वी कॉलेज, हापुड़

उक्त सभी प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान पर रहे छात्र–छात्राओं को अगले व सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के अंतिम पड़ाव राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं हेतु चयनित किया गया **राज्य स्तर पर भी गाजियाबाद मंडल ने प्रथम स्थान प्राप्त कर पूरे जनपद एवं अपने मंडल का नाम रोशन किया।** पोस्टर प्रतियोगिता में छात्रा निधि परेवा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया वहीं भाषण प्रतियोगिता में छात्रा कल्पना कुमारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सत्र पर्यंत सड़क सुरक्षा जागरूकता के उक्त सभी कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य संगीता गुप्ता के संरक्षण व कुशल मार्गदर्शन में संपन्न किए गए।

जनपद एवं मंडल स्तर के नोडल संयोजक श्री विनोद कुमार व महाविद्यालय प्रभारी डॉक्टर श्वेता शर्मा ने सभी कार्यक्रमों का सफल संचालन किया। सड़क सुरक्षा समिति व महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों ने सड़क सुरक्षा जागरूकता संबंधी सभी कार्यक्रमों में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

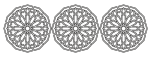

आज़ादी का अमृत महोत्सव

डॉ श्वेता शर्मा
प्रभारी

विगत दो वर्षो से महाविद्यालय में आजाद के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत विविध कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। इसी क्रम में इस सत्र में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। विश्व जनसंख्या दिवस पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कारगिल विजय दिवस पर डॉक्यूमेन्ट्री छात्र–छात्राओं को दिखायी गयी। अर्न्तराष्ट्रीय बाघ दिवस पर जन्तु विज्ञान विभाग द्वारा लेक्चर का आयोजन किया गया। विश्व स्तनपान दिवस पर मनुष्य के जीवन में प्रथम सौ दिवसों का महत्व विषय पर छात्र–छात्राओं से चर्चा की गयी। इतिहास विभाग के तत्वाधान में आजादी में भारत छोड़ो आन्दोलन की भूमिका विषय पर छात्र–छात्राओं ने स्टूडेन्ट सेमिनार प्रस्तुत किया। इसी क्रम में काकोरी ट्रेन एक्शन डे पर व्याख्यान दिया गया। सांस्कृतिक समिति द्वारा स्वतन्त्रता दिवस पर विविध कार्यक्रम आयोजित किये गये। क्रान्तिकारी आन्दोलन के नायक के रूप में मदन लाल धींगरा की भूमिका विषय पर इतिहास विभाग द्वारा निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गयी। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर इनडोर खेलो का आयोजन किया गया। आजादी के अमृत महोत्सव के समस्त कार्यक्रम डॉ. श्वेता शर्मा, प्रभारी, आजादी का अमृत के संचालन में महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर संगीता गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन व संरक्षण में आयोजित किये गये।

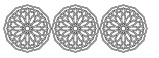

मिशन शक्ति 4.0

ले0(डॉ0) मीनू वार्ष्णेय
प्रभारी

उ0प्र0 सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण हेतु अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। डॉ0 आरती बंसल प्राख्यात वरिष्ठ चिकित्सक द्वारा छात्राओं को मानसिक तथा शारीरिक रूप से सुदृढ़ बनाने हेतु व्याख्यान दिया गया।

इसी क्रम में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण हेतु आई0डी0बी0 आई0की बैंक मैनेजर रश्मि सिरोही द्वारा विभिन्न बचत योजनाओं की जानकारी महाविद्यालय की छात्राओं से साझा की गयी।

छात्राओं को शारीरिक रूप से समर्थ बनाने हेतु सैनेटरी पैड भी वितरित किये गये। उक्त कार्यक्रमों का संचालन मिशन शक्ति समिति प्रभारी ले0 (डॉ0) मीनू वार्ष्णेय द्वारा किया गया तथा प्राचार्या महोदया का कुशल निर्देशन प्राप्त हुआ।

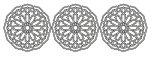

क्रीडा परिषद्

उत्तम कुमार शर्मा
प्रभारी

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु शिक्षा के साथ–साथ क्रीड़ा की महती भूमिका होती है। खेल–खूद से हमारे मन का तनाव दूर होता है और इससे मन और शरीर को शांति मिलती है। खेल–कूद शरीर में रक्त संचरण को

सही रखता है। खेल किसी भी देश के युवाओं का प्रतीक है। इससे देश के लोग स्वस्थ्य और युवा रहते हैं। एक आलस पूर्ण और निष्क्रिय राष्ट्र कभी भी उन्नत नहीं करता है। इसलिए देश का विकास शारीरिक व्यायाम और खेल–कूद पर बहुत निर्भर करता है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है इस उक्ति को चरितार्थ करने हेतु महाविद्यालय में प्रतिवर्ष वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। ये प्रतियोगितायें विधार्थियों में न केवल खेल भावना का विकास करती है। अपितु उनमें टीम भावना व नेतृत्व क्षमता का विकास करती है। खेल प्रतियोगिताओं से विधार्थियों की छिपी हुई ऊर्जा का उचित प्रयोग किया जाता है। कुछ लोगों का भ्रम है कि खेलने से समय नष्ट होता है बल्कि खेलने से विधार्थियों की याद करने व पढ़ने की क्षमता तेजी से बढ़ती है। गत वर्षों की भांति इस पर्ष भी महाविद्यालय में दिनांक 14 व 15 मार्च 2024 को महाविद्यालय में 15 वाँ वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के अंतर्गत छात्र व छात्रा वर्ग की बैडमिंटन (सिंगल्स व डबल्स), गोला फेंक, भाला फेंक, चक्का फेंक, खों–खों, योगासन (सूर्य नमस्कार, नोकासन, सर्वांगासन) रस्सी कूदना, रस्सी खींचना स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं के परिणाम तालिका बद्ध हैं। विजेताओ को महाविद्यालय के द्वारा पुरूस्कृत किया गया।

वार्षिक कीडा प्रतियोगिताओं के विजेता

बैडमिटन सिंगल्स प्रतियोगिता छात्रा वर्ग

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
शगुन	बी.ए. प्रथम वर्ष	प्रथम
मुस्कान	बी.ए. तृतीय वर्ष	द्वितीय
अव्या	बी.ए. प्रथम वर्ष	तृतीय

बैडमिटन डबल्स प्रतियोगिता छात्रा वर्ग

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
श्रेया त्रिपाठी	बी.ए. प्रथम वर्ष	प्रथम
रश्मि	बी.ए. तृतीय वर्ष	प्रथम
पूजा कुमारी	बी.ए. प्रथम वर्ष	द्वितीय
दिव्या	बी.एस.सी प्रथम वर्ष	द्वितीय

गोला फेंक प्रतियोगिता छात्रा वर्ग

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
शगुन	बी.ए. प्रथम वर्ष	प्रथम
मुस्कान	बी.ए. तृतीय वर्ष	द्वितीय
श्रेया त्रिपाठी	बी.कॉम. द्वितीय वर्ष	तृतीय

भाला फेंक प्रतियोगिता छात्रा वर्ग

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
प्रीति चौधरी	बी.कॉम. प्रथम वर्ष	प्रथम
मुस्कान	बी.ए. तृतीय वर्ष	द्वितीय
निक्की	बी.कॉम. प्रथम वर्ष	तृतीय

चक्का फेंक प्रतियोगिता छात्रा वर्ग

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
मुस्कान	बी.ए. तृतीय वर्ष	प्रथम
पारूल	बी.ए. द्वितीय वर्ष	द्वितीय
कनिष्का	बी.ए. द्वितीय वर्ष	तृतीय

रस्सी कूद प्रतियोगिता छात्रा वर्ग

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
मुस्कार कश्यप	बी.ए. द्वितीय वर्ष	प्रथम
शीतल पाल	बी.ए. प्रथम वर्ष	द्वितीय
निशा	बी.एस.सी तृतीय वर्ष	तृतीय

सूर्य नमस्कार योगासन प्रतियोगिता छात्रा वर्ग

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
हिमांशी	बी.ए. तृतीय वर्ष	प्रथम
सोनम	बी.ए. तृतीय वर्ष	द्वितीय
नीलम	बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष	तृतीय

नौकासन योगासन प्रतियोगिता छात्रा वर्ग

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
पूजा	बी.कॉम. द्वितीय वर्ष	प्रथम
सृष्टि	बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष	द्वितीय
ममता	बी.एस.सी द्वितीय वर्ष	तृतीय

सर्वागासन योगासन प्रतियोगिता छात्रा वर्ग

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
श्रेया त्रिपाठी	बी.कॉम. द्वितीय वर्ष	प्रथम
मनीषा	बी.ए. द्वितीय वर्ष	द्वितीय
पायल	बी.ए. द्वितीय वर्ष	तृतीय

खो–खो प्रतियोगिता छात्रा वर्ग विजेता टीम

शीतल पाल	बी.ए. प्रथम वर्ष
शगुन	बी.ए. प्रथम वर्ष
राधा	बी.ए. प्रथम वर्ष

साक्षी	बी.ए. प्रथम वर्ष
रोशनी	बी.ए. प्रथम वर्ष
अनुष्का	बी.कॉम. प्रथम वर्ष
अंजलि	बी.ए. प्रथम वर्ष
कनिष्का	बी.ए. द्वितीय वर्ष
मनीषा	बी.कॉम. द्वितीय वर्ष
चारू	बी.कॉम. प्रथम वर्ष

खो–खो प्रतियोगिता छात्रा वर्ग उपविजेता टीम

दिव्यांशी	बी.ए. द्वितीय वर्ष
मनीषा	बी.ए. द्वितीय वर्ष
दिव्यांशी	बी.ए. द्वितीय वर्ष
अर्चना	बी.ए. द्वितीय वर्ष
रश्मि	बी.ए. प्रथम वर्ष
किरण	बी.ए. प्रथम वर्ष
विशाखा शर्मा	बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष
पूजा शर्मा	बी.एस.सी. प्रथम वर्ष
पारूल	बी.ए. द्वितीय वर्ष
प्रिंयका	बी.ए. द्वितीय वर्ष
मुस्कान	बी.ए. द्वितीय वर्ष

बैडमिंटन सिंगल्स प्रतियोगिता छात्र वर्ग

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
भारत सिंह रावत	बी.एस.सी तृतीय वर्ष	प्रथम
राहुल कुमार	बी.ए. तृतीय वर्ष	द्वितीय
उत्सव त्यागी	बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष	तृतीय

बैडमिंटन डबल्स प्रतियोगिता छात्र वर्ग

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
अंकुर यादव	बी.एस.सी द्वितीय वर्ष	प्रथम
यश शर्मा	बी.एस.सी द्वितीय वर्ष	प्रथम
सोहेब	बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष	द्वितीय
विकास	बी.ए. द्वितीय वर्ष	द्वितीय

रस्सी कूद प्रतियोगिता छात्र वर्ग

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
उमेश गौतम	बी.ए. प्रथम वर्ष	प्रथम
सुशील	बी.ए. द्वितीय वर्ष	द्वितीय
आदित्य	बी.ए. तृतीय वर्ष	तृतीय

सूर्य नमस्कार योगासन प्रतियोगिता छात्र वर्ग

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
सुशील	बी.ए. द्वितीय वर्ष	प्रथम
चंदन	बी.ए. तृतीय वर्ष	द्वितीय
अजय कुमार	बी.ए. तृतीय वर्ष	तृतीय

नौकासन प्रतियोगिता छात्र वर्ग

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
अजय कुमार मंडल	बी.ए. तृतीय वर्ष	प्रथम
रवि	बी.ए. तृतीय वर्ष	द्वितीय
भरत सिंह रावत	बी.एस.सी. तृतीय वर्ष	तृतीय

सर्वांगासन प्रतियोगिता छात्र वर्ग

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
भरत सिंह रावत	बी.एस.सी. तृतीय वर्ष	प्रथम
देव	बी.ए. द्वितीय वर्ष	द्वितीय
अजय कुमार	बी.ए. तृतीय वर्ष	तृतीय

चक्का फेंक प्रतियोगिता छात्र वर्ग

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
दीपक	बी.ए. तृतीय वर्ष	प्रथम
अंकुर यादव	बी.ए. द्वितीय वर्ष	द्वितीय
विकास	बी.ए. तृतीय वर्ष	तृतीय

भाला फेंक प्रतियोगिता छात्र वर्ग

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
दीपक	बी.ए. तृतीय वर्ष	प्रथम
अंकुर यादव	बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष	द्वितीय
विकास	बी.ए. तृतीय वर्ष	तृतीय

गोला फेंक प्रतियोगिता छात्र वर्ग

विजेताओं के नाम	कक्षा	परिणाम
हिमांशु	बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष	प्रथम
दीपक	बी.ए. तृतीय वर्ष	द्वितीय
मनजीत	बी.ए. प्रथम वर्ष	तृतीय

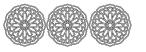

स्वीप

डॉ0 राजीव वर्मा
प्रभारी

भारत के लोक सभा निर्वाचन के दृष्टिगत् इस अकादमिक वर्ष 2023–24 का स्वीप कार्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण रहा। स्वीप के प्रमुख्य उद्देश्यों के अंतर्गत मतदाताओं में चुनाव के प्रति उत्साह और नव मतदाताओं को अपने मतदान संबंधित उत्तरदायित्वो को भली भाति समझना और उस अनुरूप कार्य करना था। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महाविद्यालय में कई कार्यक्रमों को आयोजन किया गया **"सर्वप्रथम इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब"** का गठन किया गया। इस क्लब का मुख्य कार्य छात्र–छत्राओ के बीच मतदाता जागरूकता करना था। इस क्लब के द्वारा छात्र–छात्राओं को वोटर आइडेंटिटी कार्ड बनवाने के लिए

प्रोत्साहित किया गया जिससे कोई भी छात्र–छात्रा वोटर कार्ड बनने से वंचित न रह जाये। इसी क्रम में महाविद्यालय में मतदान संबंधित स्लोगन तथा **पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता** आयोजित कराई गयी तथा मतदाता जागरूकता रैली निकाली गयी जिसमें छात्र–छात्राओं ने बढ़ चढ़ के हिस्सा लिया।

गाज़ियाबाद जिला प्रशासन के द्वारा 25 जनवरी 2024 को **"राष्ट्रीय मतदाता दिवस"** के अवसर पर ITS कॉलेज, मोहन नगर में जिले के समस्त महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा प्रदर्शनी लगाई गयी इस प्रदर्शनी में महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने अपने द्वारा निर्मित स्लोगन तथा पोस्टर्स को प्रदर्शित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने गाज़ियाबाद के जिला–अधिकारी महोदय से मुलाकात की। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय के समस्त छात्र–छात्राओं को रोवर–रेंजर्स के तत्वाधान में नवमतदाता सम्मेलन का सजीव प्रसारण दिखाया गया।

इसके अतिरिक्त स्वीप गाज़ियाबाद के तत्वाधान में दिनांक 5 अप्रैल 2024 को महाविद्यालय में **मतदान जागरूकता कार्यक्रम** कराये गए। इस कार्यक्रम का प्रारंभ माँ सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्जवलन से हुआ इसके उपरांत महाविद्यालय की प्राचार्या, प्रोफेसर संगीता गुप्ता ने महाविद्यालय में आये सभी आगंतुको का स्वागत करते हुए मतदान करने की अनिवार्यता पर बल दिया। इसके बाद महाविद्यालय के संगीत के सहायक प्रोफेसर डॉ0 भगत सिंह ने मतदान जागरूकता संबंधित गाना गाया। तदोपरांत महाविद्यालय के इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब की ब्रांड एम्बेसडर साक्षी चौधरी, इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब के सदस्य रितेश कुमार, सुशील तथा रजनी गौतम ने मतदान करने की उपयोगिता पर भाषण दिया तथा छात्र और छात्रों ने पोस्टर के माध्यम से मतदान जागरूकता पर बल दिया। इस अवसर पर गाज़ियाबाद के जिला विकास अधिकारी प्रज्ञा श्रीवास्तव, समाज कल्याण अधिकारी श्री अमरजीत सिंह पिछड़ा वर्ग अधिकारी श्री पीयूष राय, गाज़ियाबाद से पूनम शर्मा, विनीता त्यागी, रूचि त्यागी ने भी अपने वकत्वयों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने और फर्स्ट टाइम वोटर्स को उत्साहित करने की बात रखी और मतदाता जागरूकता हेतु क्विज प्रतियोगिता कराई। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के एनएसएस इकाई (संयोजक : डॉ जितेन्द्र कुमार और डॉ अनु मिश्रा) द्वारा मतदान जागरूकता रैली और DOOR to DOOR जागरूकता कार्यक्रम कराया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के स्वीप प्रभारी डॉ राजीव वर्मा, स्वीप समिति के सदस्य डॉ वसीम मंसूर और डॉ दीपक कुमार, तथा महाविद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉ ज्योति यादव, डॉ उपदेश वर्मा, डॉ निधि, डॉ श्वेता, डॉ प्रियंका, डॉ उत्तम शर्मा, डॉ मीनू वार्ष्णेय, डॉ विनोद कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

सेफ सिटी परियोजना

ले0 (डॉ0) मीनू वार्ष्णेय
प्रभारी

उ0प्र0 सरकार द्वारा संचालित राज्य स्मार्टसिटी योजना के अन्तर्गत गाजियाबाद नगर में सेफ सिटी के अन्तर्गत सी0सी0टी0वी0 कैमरों को कन्ट्रोल सेन्टर से इन्टीग्रेट कराये जाने के कार्य में महाविद्यालय द्वारा सहमति दी गयी तथा आहूत बैठकों में प्रतिनिधित्व भी किया गया।

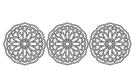

महाविद्यालय परिवार

प्रथम पंक्ति (दाएं से बाएं)

डॉ. प्रियंका, डॉ. श्वेता शर्मा, डॉ. निधि शुभानंद, डॉ. ज्योति यादव, प्रो. (डॉ.) संगीता गुप्ता (प्राचार्या), डॉ. राजीव वर्मा, डॉ. भगत सिंह, डॉ. उत्तम शर्मा, डॉ. वसीम मंसूर

द्वितीय पंक्ति (दाएं से बाएं)

डॉ. मीनू चौधरी, डॉ. अनु मिश्रा, डॉ. दीपक कुमार, डॉ. मीनू वार्ष्णेय, डॉ. विनोद कुमार, श्री अनुज यादव, श्री अवधेश कुमार, श्री सोनू कुमार

तमसो मा ज्योतिर्गमय

मा. कांशीराम राजकीय महाविद्यालय

सद्दीकनगर, नन्दग्राम, गाज़ियाबाद (उ०प्र०)-201003

सम्पर्क-सूत्रः 0120-2772944

वेबसाईटः www.mkrgc.in, ई-मेलः info@mkrgc.in